THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 213 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.7 2080 शनिवार, 21 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दिवाली तक
जयपुर में कोठी
सिर्फ 66 लाख में

अगर कहीं नहीं मिले
तो यहाँ आ जाना

FIXED PRICE

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

सोनिया गांधी की मदद के बिना तेलंगाना नहीं बन पाता

राहुल बोले- 10 साल में केसीआर ने जितना लूटा, हम आपको वापस देने जा रहे

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि साल 2004 में कांग्रेस ने आपसे तेलंगाना बनाने का वादा किया था। सोनिया जी ने तेलंगाना बनाने में आपकी पूरी मदद की। मैं ये भी कह सकता हूं कि अगर सोनिया जी ने तेलंगाना की मदद नहीं की होती तो तेलंगाना बनता ही नहीं।

राज्य के एक परिवार के पास सारा पैसा जाता है, आपका सारा पैसा केसीआर परिवार को मिलता है। पिछले 10 साल केसीआर ने आपसे पैसा लूटा है। मैं आपको बता रहा हूं, जितने रुपये केसीआर ने आपसे लूटे हैं, उतने रुपये हम आपको वापस देने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने तेलंगाना में अंबेडकर स्टेच्यू सर्कल से लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

राहुल गांधी के स्पीच की बड़ी बातें...

हिन्दुस्तान के पीएम की बात में वजन नहीं रहा। पीएम मोदी ने 5 साल पहले आपसे जो झूठा वादा किया था, वही वादा उन्होंने 10 दिन पहले भी किया। लेकिन हमने छत्तीसगढ़ में किसानों से वादा किया था कि उन्हें धान के लिए 2500 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। आज छत्तीसगढ़ के किसानों को धान के लिए देश में सबसे ज्यादा पैसा मिलता है।

मैं चाय की दुकान में एक बुजुर्ग व्यक्ति से बात कर रहे था, उसने बताया कि हजारों रुपये का बिजली बिल आ रहा है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि राज्य में जैसे हमारी सरकार आती है गृह ज्योति योजना के माध्यम से लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी।

उसी दुकान पर एक बुजुर्ग महिला ने कहा कि उन्हें 2000 रुपये पेंशन मिलते हैं, जिससे उनका गुजारा नहीं होता। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि कांग्रेस की सरकार आते ही आपकी पेंशन दोगुनी यानी 4000 रुपये हो जाएगी। अगर आप बीमार होंगी तो आपको 10 लाख रुपये का हेल्थ इंशोरेंस मिलेगा। राहुल गांधी 18-20 अक्टूबर यानी तीन दिन के तेलंगाना दौरे पर थे। दौरे के आखिरी दिन 20 अक्टूबर को राहुल ने कोंडागट्टू में एक दुकान पर डोसा बनाया और स्थानीय लोगों से बात की।

राहुल बोले, तेलंगाना में बीआरएस गवर्नमेंट को उखाड़ फेकेंगे :

राहुल ने जगतियाल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, तेलंगाना में कांग्रेस के बब्बर शेरों की सरकार होगी। यहां की जनता की सरकार होगी। कांग्रेस के बब्बर शेर बीआरएस की सरकार को उखाड़ फेकेंगे। तेलंगाना के सपने को पूरा करने के लिए पहला कदम जाति आधारित गणना है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम केसीआर यहां जाति जनगणना नहीं करवाना चाहते हैं। कांग्रेस तेलंगाना का इस सपने को पूरा करके दिखाएगी। राहुल ने कहा, तेलंगाना में भाजपा, बीआरएस और एआईएमआईएम पार्टी मिली हुई है। हम जहां भी चुनाव लड़ते हैं, वहां भाजपा की मदद करने के लिए एआईएमआईएम अपने कैंडिडेट्स खड़े कर देती है।

पीएम मोदी ओबीसी वर्ग की आबादी नहीं बताना चाहते :

राहुल ने जाति जनगणना पर कहा, ना तो पीएम मोदी और ना ही केसीआर तेलंगाना में ओबीसी वर्ग की आबादी बताना चाहते हैं। मैंने लोकसभा में जाति जनगणना की बात उठाई। लेकिन प्रधानमंत्री ने मेरे सवालों का जवाब नहीं दिया। देश के 90 अफसरों में सिर्फ 3 अफसर ओबीसी वर्ग के हैं। क्या देश में ओबीसी की अबादी सिर्फ 5 प्रतिशत है? पीएम मोदी आपको ये सच्चाई नहीं बताना चाहते हैं, क्योंकि वह आपकी जेब से पैसा निकालकर अडानी जैसे लोगों की जेब में डालते हैं।

कांग्रेस तेलंगाना में बंद पड़ी फैक्ट्री को शुरू करवाएगी :

राहुल ने सीएम केसीआर पर निशाना साधते हुए कहा, तेलंगाना का पूरा धन एक परिवार के कंट्रोल में है। राज्य में हजारों करोड़ रुपये आ रहे हैं, लेकिन यहां शुगर फैक्ट्री बंद पड़ी है। कांग्रेस की सरकार आएगी तो इस शुगर फैक्ट्री को दोबारा शुरू करेगी।

केटीआर ने महुआ मोइत्रा को पूरा समर्थन दिया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ चल रहे कथित रिश्वतखोरी के आरोपों के बीच, तेलंगाना के मंत्री केटी रामाराव (केटीआर) ने शुक्रवार को टीएमसी सांसद को अपना पूरा समर्थन दिया और कहा कि सरकार "चुड़ैल-शिकार" में लगी हुई है और "परेशानी" करने की कोशिश कर रही है। केटीआर ने कहा कि संसद में पूछे जा रहे सवाल सही हैं या गलत, अगर सरकार के पास सवालों के जवाब हैं तो डरने की क्या बात है। जब भी अडानी के बारे में सवाल उठाए जाते हैं तो सरकार परेशान क्यों होती है? मुझे लगता है कि सरकार जादू-टोना कर रही है और उन्हें परेशान करने की कोशिश कर रही है। मेरा पूरा समर्थन महुआ मोइत्रा को है। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी सांसद संसद में लड़ रही हैं और मुझे लगता है कि वह बहादुरी से लड़ रही हैं।

मैं इस पर उनका पूरा समर्थन करता हूं। मुझे लगता है कि सवाल यह होना चाहिए कि क्या वह सही दिशा में उंगलियां उठा रही हैं या नहीं और मेरा मानना है कि वह सही दिशा में हैं। इससे पहले दिन में, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एजेंडा मुझे लोकसभा से बाहर निकालना है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 213 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.7 2080 शनिवार, 21 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश की पहली रैपिड ट्रेन

पीएम ने उद्घाटन किया

कहा- मुझे छोटे सपने देखने की आदत नहीं, न ही मरते-मरते चलने की

गाजियाबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहिबाबाद से देश की पहली रैपिड ट्रेन नमो भारत को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। पीएम ने बटन दबाकर आरआरटीएस कनेक्ट ऐप की भी शुरूआत की। पीएम ने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करके पहला टिकट खरीदा। पीएम नमो ट्रेन में बैठकर वसुंधरा सेक्टर-8 के मैदान पर पहुंचे।

यहां पीएम ने जनसभा को संबोधित किया। कहा, मुझे छोटे सपने देखने की आदत नहीं है। न ही मुझे मरते-मरते चलने की आदत है। दिल्ली-मेरठ का रैपिड ट्रेन का ये ट्रैक शुरूआत है। पहले फेज में दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान के इलाके नमो भारत से कनेक्ट होंगे। देश के बाकी हिस्सों में ऐसा ही सिस्टम बनेगा।

ट्रेन का नाम बदलने का कांग्रेस ने किया विरोध, कहा- देश का नाम भी बदल दें :

रैपिड ट्रेन के उद्घाटन से पहले केंद्र सरकार ने रैपिडेक्स ट्रेन का नाम बदलकर नमो भारत कर दिया। इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, नमो स्टेडियम के बाद अब नमो ट्रेन। आत्म-मुग्धता की कोई पराकाष्ठा नहीं है। इससे पहले अहमदाबाद स्टेडियम का नाम भी नरेंद्र मोदी स्टेडियम किया जा चुका है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा, भारत ही क्यों लिखा? देश का नाम भी बदलकर नमो कर दें।

ट्रेन में बच्चों से बात की, खुली जिप्सी से जनसभा में पहुंचे

पीएम मोदी ने नमो भारत ट्रेन में सफर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने ट्रेन की महिला स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने सीट पर बैठकर कुछ छोटी-छोटी स्कूली बच्चियों से भी बातचीत की। खुली जिप्सी पर हाथ हिलाते हुए वह लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। पीएम मोदी को

मंच पर सीएम योगी ने मां दुर्गा की प्रतिमा और नमो भारत का मॉडल भेंट किया।

हम जिसका शिलान्यास करते हैं उसका उद्घाटन भी करते हैं

पीएम ने कहा कि आज भारत की पहली रैपिड रेल सेवा "नमो भारत" ट्रेन शुरू हुई है। लगभग 4 साल पहले मैंने दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ रीजनल कॉरिडोर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। आज साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक उस हिस्से पर नमो भारत का संचालन शुरू हो गया।

मैं आज भी कहता हूं, जिसका शिलान्यास हम करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम करते हैं। ये मेरठ वाला हिस्सा एक डेढ़ साल बाद पूरा होगा। उस समय मैं आपकी सेवा में मौजूद रहूंगा। मैंने तो बचपन रेलवे ट्रैक पर बिताया है। आज रेलवे का ये नया रूप मुझे सबसे ज्यादा आनंदित करता है। ये अनुभव प्रफुल्लित करने वाला है।

ये भारत की नारी शक्ति के बढ़ते कदम का प्रतीक

पीएम ने कहा कि हमारे यहां नवरात्रि में शुभ कार्य की परंपरा है। पहली नमो भारत ट्रेन को आज मां कात्यायनी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। नई ट्रेन के ड्राइवर से लेकर तमाम कर्मचारी महिलाएं हैं। हमारे देश की बेटियां हैं। ये भारत की नारी शक्ति के बढ़ते कदम का प्रतीक है।

नमो भारत ट्रेन में आधुनिकता भी है, अद्भुत स्पीड भी है। ये ट्रेन नए भारत के नए सफर और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही है। मेरा मानना है कि भारत का विकास राज्यों के विकास से ही संभव है। आज बेंगलुरू में मेट्रो को दो लाइनों को देश को समर्पित किया है। इससे बेंगलुरू आईटी हब की कनेक्टिविटी और मजबूत हुई।

चंद्रयान को चंद्रमा पर उतारकर पूरी दुनिया में छाया भारत

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत हर सेक्टर में प्रगति की नई गाथा लिख रहा है। आज का भारत चंद्रयान को चंद्रमा पर उतारकर पूरी दुनिया में छाया हुआ है। कुछ समय बाद भारतीयों को लेकर गगन यान स्पेस में जाएगा। हम अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करेंगे। वो दिन दूर नहीं, हम जब अपना पहला भारतीय चंद्रमा पर उतारेंगे।

आज का भारत एशियन गेम्स में 100 से ज्यादा मेडल जीतकर दिखाता है। 5जी लॉन्च करता है। लड़ाकू विमान बनाता है। समंदर में तिरंगा फहराने वाला विक्रांत जहाज भी बनाता है। आज तेज रफ्तार नमो भारत शुरू हुई है, वो भी मेड इन इंडिया। हमारे हेलीकॉप्टर के अंदर जो आवाज आती है, जैसे वो हवाई ट्रैक्टर है। मैंने आज देखा की नमो भारत ट्रेन में हवाई जहाज से भी कम आवाज है।

ट्रेन को संभालने की जिम्मेदारी आपकी

पीएम ने कहा कि मैं आज आपसे कुछ मांगना चाहता हूं। देंगे...? हाथ ऊपर करके बताएंगे? पक्का देंगे? ये नई-नई ट्रेनें आ रही हैं, ये आपकी हैं। इसको संभालने की जिम्मेदारी आपकी है। हमारी ट्रेनों को एक भी खरोंच नहीं आनी चाहिए। जैसे आप अपनी गाड़ी को संभालते हैं, ठीक वैसे ही ट्रेन को भी साफ-सुथरा और सुरक्षित रखना है।

योगी ने कहा, मोदी है तो मुमकिन है

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े 9 साल में इस देश ने वर्ल्ड क्लास काम देखा है। वन्देभारत ट्रेन ने नए भारत का दर्शन कराया है। आज पहली नमो भारत उत्तर प्रदेश को दी है। 12 लेन का एक्सप्रेस-वे (दिल्ली-मेरठ) उत्तर प्रदेश में एक सपना था। लेकिन मोदी है तो मुमकिन है।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आज 20 शहरों में 895 किमी की मेट्रो लाइन ऑपरेशन है। देश में 1 करोड़ लोग रोजाना मेट्रो से चलते हैं। 19वीं सदी में भारत में सुरंग में मेट्रो असंभव लगती थी। मैं सोचता था कि भारत क्या कभी मेट्रो के मामले में टोक्यो की तुलना कर पाएगा। लेकिन अब हम उससे आगे निकल गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

फाइबर नेट मामले में आंध्र के पूर्व सीएम को राहत स्किल डेवलपमेंट केस में फैसले का इंतजार

नई दिल्ली/अमरावती, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश पुलिस से टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायुडू को फाइबर नेट मामले में गिरफ्तार नहीं करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक स्किल डेवलपमेंट स्कैम मामले से जुड़ी याचिका में आदेश नहीं आ जाता है, तब तक चंद्रबाबू नायुडू को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

फाइबर नेट केस में चंद्रबाबू नायुडू की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच कर रही है। नायुडू की ओर से एडवोकेट सिद्धार्थ लुथरा और पुलिस की ओर से एडवोकेट रंजीत कुमार ने दलील दी। इस मामले में बेंच अगली सुनवाई 9 नवंबर को करेगी। बेंच ने आंध्र प्रदेश पुलिस के पूर्व में दी दलील को याद दिलाते हुए कहा कि पहले जो समझ बनी थी, उसे जारी रखा जाए। पुलिस ने

13 अक्टूबर को कोर्ट को आश्वासन दिया था कि पुलिस, नायुडू को हिरासत में नहीं लेगी।

कोर्ट- स्किल डेवलपमेंट स्कैम की याचिका में फैसला सुरक्षित है। इसलिए फैसला सुनाए जाने के बाद ही फाइबर नेट मामले में नायुडू की अग्रिम जमानत याचिका में सुनवाई करना उचित होगा। सिद्धार्थ लुथरा- चंद्रबाबू नायुडू अभी स्किल डेवलपमेंट स्कैम के आरोप में पुलिस कस्टडी में हैं, इसके बावजूद फाइबर नेट मामले में पुलिस उनको गिरफ्तार करने का विचार कर रही है।

रंजीत कुमार- कोर्ट के फैसले का इंतजार करने में पुलिस को कोई दिक्कत नहीं है। फाइबर नेट मामले में चंद्रबाबू नायुडू ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने जमानत देने से मना कर दिया था। इसके बाद नायुडू ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। नायुडू की स्किल डेवलपमेंट स्कैम मामले में एफआईआर रद्द करने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आंध्र प्रदेश में फाइबर नेट स्कीम के पहले चरण के तहत कामों के ठेके देने में हुई अनियमितताओं के खिलाफ सीबीआई जांच कर रही है। सीबीआई ने नायुडू पर आरोप लगाया है कि अपने फायदे वाली कंपनी को इस योजना में 330 करोड़ रुपये के कामों का ठेका देने से राज्य को भारी नुकसान हुआ है। काम पूरा होने तक भी कंपनी के कामों में अनियमितताएं मिली हैं।

देरी से न्याय व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मामलों के निपटारे में देरी पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को कहा कि अगर कानूनी प्रक्रिया धीमी गति से आगे बढ़ती है तो वादियों का (न्यायिक प्रणाली से) मोहभंग हो सकता है। इसने यह भी कहा कि पुराने मामलों की त्वरित सुनवाई और निपटान सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देश जारी किए गए हैं।

न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने लंबित मामलों पर राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) के देशव्यापी आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए बार और बेंच के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। पीठ ने पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में 50 साल से अधिक समय से लंबित कुछ पुराने मामलों का जिक्र करते हुए कहा, कानूनी प्रक्रिया धीमी गति से चलने पर वादियों का मोहभंग हो सकता है। हमने अपनी पीड़ा व्यक्त की है जहां एनजेडीजी के अनुसार कुछ मुकदमे 65 साल से अधिक समय से लंबित हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, अगर यह देरी जारी रहेगी तो वादी न्यायिक प्रणाली में भरोसा खो देंगे। वादियों को बार-बार स्टे की मांग को लेकर सतर्क रहना चाहिए।

कॉलेजियम की ठंडे बस्ते में पड़ी सिफारिशों को बाहर निकालना होगा : एससी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसे जजों की नियुक्ति के लिए केंद्र के पास ठंडे बस्ते में पड़ी कोलेजियम की सिफारिशों को वहां से बाहर निकालना होगा। न्यायमूर्ति एस.के. कौल, सुधांशु धूलिया और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि पांच दोहराए गए नाम, पांच नए नाम और स्थानांतरण से संबंधित 11 फाइलें अभी भी केंद्र सरकार के पास लंबित हैं।

पीठ ने टिप्पणी की कि कॉलेजियम की सिफारिशों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए केंद्र द्वारा हाल ही में जारी की गई अधिसूचनाएं एक सकारात्मक विकास है और केंद्र द्वारा दी गई इस दलील पर ध्यान दिया कि मामलों को सुलझाया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल बलबीर सिंह ने दो-तीन सप्ताह की मोहलत मांगी। विधि अधिकारी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए शीर्ष अदालत ने मामले को नवंबर 2023 के दूसरे सप्ताह में आगे की सुनवाई के लिए पोस्ट कर दिया।

हालांकि, इसने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चुनिंदा नामों को अधिसूचित करने से कॉलेजियम की सिफारिश में निहित वरिष्ठता के क्रम में गड़बड़ी होती है और परिणामस्वरूप मेधावी वकील अक्सर पीछे हट जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह कॉलेजियम की 70 लंबित सिफारिशों के मुद्दे पर अगले दो महीने तक नियमित अंतराल पर सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत के दबाव के बाद केंद्रीय कानून मंत्रालय ने उच्च न्यायालयों से बड़ी संख्या में लंबित सिफारिशें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेज दी थीं। केंद्र ने उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण से संबंधित विभिन्न फाइलों को भी मंजूरी दे दी थी।

महुआ मोइत्रा के वकील केस से हटे

मामला बाहर सेटलमेंट करने का आरोप था, जज बोले- हैरान हूं, आप वकील हैं या मीडिएटर

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप में घिरीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के वकील गोपाल शंकरनारायणन केस की सुनवाई से हट गए हैं। महुआ ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिस पर आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान ही वकील जय अनंत देहाद्राई ने जज के सामने कहा कि महुआ के वकील गोपाल शंकरनारायणन ने मुझे गुरुवार रात को फोन किया था। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या बाहर समझौता हो सकता है?

इस पर जस्टिस सचिन दत्ता ने कहा कि वह हैरान हैं कि वकील शंकरनारायणन ने मीडिएटर की भूमिका निभाने की कोशिश की। क्या वह अभी भी इस केस में पेश होने के पात्र हैं? जस्टिस ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसका जवाब आपको खुद देना होगा। यह आपका फैसला है। इसके बाद शंकरनारायणन ने मामले से खुद को अलग कर लिया।

महुआ मोइत्रा ने कोर्ट से मीडिया हाउस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने और प्रसारित करने पर रोक लगाने की भी मांग की है। अब इस पर 31 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

महुआ और देहाद्राई के बीच तीन साल के रॉटवीलर ब्रीड के कुत्ते की कस्टडी को लेकर भी विवाद है। इस रॉटवीलर कुत्ते का नाम हेनरी है, जो फिलहाल महुआ के पास है। जय अनंत देहाद्राई इस कुत्ते की कस्टडी अपने पास चाहते हैं।

देहाद्राई ने 20 अक्टूबर को आरोप लगाया है कि महुआ ने कहा है कि वे हेनरी को उन्हें लौटा देंगी, अगर वह कथित

'सवाल पूछने के बदले कैश लेने' के मामले में हीरानंदानी ग्रुप के साथ उनके संबंधों को लेकर सीबीआई को की गई शिकायत वापस ले लेते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देहाद्राई ने लिखा, कल दोपहर हेनरी के बदले मुझे सीबीआई को की गई शिकायत और निशिकांत दुबे को लिखे पत्र को वापस लेने के लिए मजबूर करने की कोशिश की गई। मैंने साफ कर दिया और कहा कि मैं सीबीआई को जानकारी दूंगा।

उन्होंने आगे कहा, मैसेज करने वाला बेहद मासूम है, लेकिन वह अपने बारे में सबकुछ उजागर कर रहा है। महुआ और देहाद्राई दोनों ने ही एक दूसरे पर हेनरी को चुराने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस में केस भी दर्ज करवाया गया है।

एथिक्स कमेटी के चेयरमैन मीडिया से खुलकर बात कर रहे हैं। जरा आप लोकसभा रूल्स भी देख लीजिए। इसमें साफ लिखा है कि जब कोई भी एविडेंस कमेटी के सामने रखे जाते हैं तो कमेटी मेंबर या कोई और व्यक्ति उन्हें पब्लिश नहीं कर सकता। मैं जानना चाहती हूं कि हलफनामा मीडिया में कैसे आ गया? चेयरमैन को इसकी इंक्वायरी करानी चाहिए। भाजपा का एक ही एजेंडा है- मुझे लोकसभा से बाहर किया जाए, ताकि मैं अडाणी पर बात ना कर सकूं।

पकड़ी गई 143 करोड़ रुपये की अवैध सामग्री

जयपुर में सबसे ज्यादा पकड़ा गया सामान, कुल 26 करोड़ कैश मिला

जयपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले एजेंसियां सख्त हो गई हैं। चुनाव आचार संहिता लगने के बाद से अब तक अलग-अलग एजेंसियों (पुलिस, इनकम टैक्स, आबकारी) ने 143 करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध सामग्री पकड़ी है। इसमें 26 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी है। वहीं, जयपुर में सबसे ज्यादा 21 करोड़ 20 लाख रुपये कीमत की सामग्री पकड़ी गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया, आचार संहिता लगने से अब तक 7 लाख 95 हजार 978 लीटर शराब (15 करोड़ 37 लाख रुपये कीमत) 26 करोड़ 27 लाख रुपये कैश, 38.94 करोड़ रुपये की ड्रग और 15.72 करोड़ रुपये की सोने-चांदी की सामग्री जब्त की है। इसके अलावा 46.24 करोड़ रुपये की कीमत की फ्री बीज सामान, जो चुनाव के दौरान लोगों को फ्री बांटी जाती है। उसे जब्त किया गया है।

गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियां ने अवैध सामग्री जब्त करने के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है, इससे पहले कभी चुनाव के समय राज्य में इतनी सामग्री जब्त नहीं की गई। साल 2018 के विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान यानि 65 दिन में 70 करोड़ की अवैध सामग्री जब्त की गई थी।

गुप्ता ने बताया कि 21 करोड़ 20 लाख रुपये कीमत की सामग्री पकड़ने के साथ जयपुर सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर उदयपुर है, जहां 11 करोड़ 20 लाख रुपये, तीसरे स्थान पर बाड़मेर 9 करोड़ 80 लाख रुपये, चौथे स्थान पर 9 करोड़ 49 लाख रुपये के साथ भीलवाड़ा है।

नौसेना को मिला सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल से लैस डिस्ट्रॉयर इंफाल

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना को गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर वाला तीसरा स्टील्थ विध्वंसक युद्धपोत सौंपा गया है। शुक्रवार को सौंपा गया युद्धपोत सरफेस टू सरफेस सुपरसोनिक 'ब्रह्मोस' मिसाइल और मीडियम रेंज सरफेस टू एयर 'बराक-8' मिसाइल से लैस है। इसमें पानी के अंदर युद्ध करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित एंटी-सबमरीन वेपन और सेंसर, मुख्य रूप से हल माउनटेड सोनार हुमसा एनजी, हेवी वेट टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर और रॉकेट लॉन्चर फीट किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पोत का निर्माण स्वदेशी इस्पात (स्टील) डीएमआर 249ए से किया गया। यह भारत के सबसे बड़े विध्वंसकों में एक है। इसकी कुल लंबाई 164 मीटर और विस्थापन क्षमता 7500 टन से अधिक की है। यह जहाज एक

शक्तिशाली प्लेटफ़ार्म है जो समुद्री युद्ध के पूर्ण स्पेक्ट्रम में फैले विभिन्न प्रकार के कार्यों और मिशनों को पूरा करने में सक्षम है।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारतीय नौसेना को परियोजना 15बी श्रेणी का यह गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर, स्टील्थ विध्वंसक पोत, 'यार्ड 12706 (इंफाल)' सुपुर्द किया है। नौसेना का मानना है कि इंफाल की चौतरफा क्षमता इसे सहायक जहाजों की झुंड के बिना संचालित करने में और साथ ही साथ नौसेना टास्क फोर्स के फ्लैगशिप के रूप में कार्य करने हेतु सक्षम बनाएगी।

इस पोत ने सभी समुद्री परीक्षण पूरे कर लिए है, जिसमें पहले सीएसटी में महत्वपूर्ण हथियारों की गोलाबारी भी शामिल हैं। यह पोत पी15बी के अन्य सभी पोतों में से पहला है जिसमें लंबी अवधि की दोहरी क्षमता वाली लॉन्ग रेंज और लैंड अटैक के लिए उन्नत ब्रह्मोस मिसाइलें लगाई जाएगी। इसके अलावा, इम्फाल पहला नौसेना युद्धपोत है, जिसमें महिला अधिकारियों और नाविकों के लिए आवास है।

पोत 312 लोगों की क्रू को समायोजित कर सकता है, 4000 समुद्री मील की क्षमता रखता है। यह 42 दिनों में विस्तारित मिशन के आउट ऑफ एरिया ऑपरेशन को पूरा कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में चार साल सेवा देने वाले जस्टिस भट रिटायर

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजय किशन कौल ने शुक्रवार को अपने निवर्तमान सहयोगी न्यायाधीश एस रविंद्र भट की न्यायपालिका में जबरदस्त योगदान देने के लिए सराहना की। दरअसल, न्यायमूर्ति भट आज रिटायर हो गए। उनके न्यायाधीश के रूप में काम करने का आज अंतिम दिन था। इस दौरान उन्हें विदाई दी गई।

विदाई देने वाली औपचारिक पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायाधीश कौल ने कहा कि न्यायमूर्ति भट अपने फैसलों को लेकर काफी सही होते थे। उन्होंने बहुत योगदान दिया है। खासकर, संवैधानिक मुद्दों के मामलों में उनका योगदान सराहनीय रहा है। बता दें, एस रविंद्र भट ने साल 2019 में 23 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला था। वह चार साल से अधिक के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

न्यायाधीश संजय किशन कौल ने कहा कि भट एक ऐसे व्यक्ति रहे हैं, जिन्होंने हर उस अदालत में बेहतरीन योगदान दिया है, जहां वह गए हैं।

कौल ने न्यायमूर्ति भट के साथ अपने संबंधों को भी याद किया है। कहा कि न्यायाधीश के रूप में भट के कार्यकाल में कई न्याय हुए। न्यायाधीश कौल ने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भट अपने काम के प्रति जुनून को बरकरार रखेंगे। वह काम करने के लिए कोई और रास्ता निकाल लेंगे।

वहीं, न्यायाधीश भट ने अपने दिए योगदान पर कहा कि करियर की शुरूआत वकील से हुई थी और खत्म न्यायाधीश के रूप में हो रही। वकील से न्यायाधीश तक का सफर काफी शानदार रहा। उन्होंने कहा कि वह अपने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं।

देश में महिलाओं के 36 लाख केस पेंडिंग

अकेले यूपी में 7.90 लाख मामले, निर्भया केस के बाद कई आदेश, न पुलिस बदली न अदालत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले एक दशक में सुप्रीम कोर्ट से लेकर विभिन्न हाईकोर्ट ने दर्जनों जजमेंट देकर महिला अपराधों पर पुलिस व अदालतों को संवेदनशील होने को कहा था। ऐसे अपराधों की जांच 6 महीने की डेडलाइन में निपटाने के आदेश थे। लेकिन, इसका असर न तो पुलिस पर दिखा और न ही अदालतों पर। बावजूद इसके देश में महिलाओं के प्रति अपराध तेजी से बढ़े हैं।

नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार इस समय देशभर में 4.44 करोड़ केस विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। इनमें से 87 ऐसे हैं जो महिलाओं ने दायर कराए। ऐसे केसों की संख्या 36.57 लाख है।

45 प्रतिशत केस ऐसे जिनमें कभी वकील नदारद, कहीं आरोपी फरार :

इन केसों में सिविल व आपराधिक दोनों शामिल हैं। महिलाओं के 45 प्रतिशत केस ऐसे भी हैं, जिनमें कभी उनके तो कभी दूसरे पक्ष के वकील पेश नहीं हो रहे या फिर आरोपी जमानत लेकर फरार हो गए, जिसकी वजह से केस अटके पड़े हैं। इसके अलावा 7 प्रतिशत केस ऐसे हैं, जिन पर ऊपरी अदालतों का स्टे है।

राज्य पेंडिंग केस

उत्तर प्रदेश 7,90,938, महाराष्ट्र 3,96,010, बिहार, 3,81,604, पश्चिम बंगाल 2,60,214, कर्नाटक 2,22,587।

सबसे कम पेंडेंसी केस

असम 54,351, झारखंड 52,479, हिमाचल प्रदेश 34,519, छत्तीसगढ़ 33,860, उत्तराखंड 20,576।

कानून मंत्रालय और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड द्वारा किए गए अध्ययन में केसों के अदालतों में अधिक समय तक लंबित होने के कई प्रमुख कारण सामने आए हैं। इनमें पुलिस से लेकर अदालत तक की भूमिका शामिल है। ये प्रमुख कारण इस प्रकार हैं-

पुलिस ने चार्जशीट दायर ही नहीं की। कोर्ट में बार-बार जांच का समय बढ़ाने की मांग करती रही। चार्जशीट दायर की, लेकिन दस्तावेज कोर्ट नहीं पहुंचे। चार्जशीट दायर होने के बाद निचली अदालत बार-बार लंबी तारीखें दे रही हैं और जिससे आरोप तय होने में ही 2 से 3 साल का समय लग जाता है। महत्वपूर्ण गवाहों को पुलिस पेश ही नहीं कर पा रही। निचले कोर्ट की कार्रवाई पर स्टे। आरोपी जमानत पर फरार। कभी सरकारी तो कभी प्राइवेट वकील पेश नहीं हो पाता।

पटना में 24 अक्टूबर तक इस रूट पर नहीं चलेंगी गाड़ियां

पटना, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। शारदीय नवरात्र के दौरान राजधानी पटना में जाम नहीं लगे, इसके लिए पटना जिला प्रशासन शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। 21 अक्टूबर से लेकर 24 अक्टूबर तक पटना में लोगों को रूट चेंज कर चलना होगा। कई अहम रूट को चेंज किया गया है। कई रूट पर गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। जाम न लगे इसे देखते हुए प्रशासन ने मेट्रो और सड़क निर्माण कार्यों में लगे भाड़ी वाहनों के आवाजाही पर रोक लगा दी है। आइए जानते हैं किस-किस रूट आवाजाही पर रोक लगा गई है।

डाकबंगला रोड से एसपी वर्मा रोड तक गाड़ियां नहीं चलेंगी। डाकबंगला चौराहे से कोतवाली थाने तक गाड़ियां नहीं चलेंगी। पटना जंक्शन से गांधी मैदान जाने वाले छोटे वाहन गोरियाटोली चौक से एग्जीबिशन रोड होते जाएंगे। दानापुर से अशोक राजपथ पर बड़े वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। यह गाड़ियां दानापुर कैंट से सगुना मोड़ होते हुए खगौल-दानापुर स्टेशन जा सकेंगे। दानापुर स्टेशन से बिहटा की ओर जाने वाली गाड़ियां नेउरा होते बिहट-आरा की तरफ जाएंगे।

लालू प्रसाद यादव की बहू राजश्री लड़ेंगी लोकसभा चुनाव

उजियारपुर सीट से लड़ाने की है तैयारी !

पटना, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव अपनी पत्नी राजश्री के साथ शुक्रवार को यानि आज गोपालगंज की यात्रा कर रहे हैं। तेजस्वी यादव राजश्री के साथ प्रसिद्ध थावे मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे, वहीं मंदिर के सौंदर्यीकरण के शिलान्यास की भी योजना है। तेजस्वी अब घर से बाहर साथ ले जाकर राजश्री को बिहार की आवोहवा से आज से परिचय कराना शुरू कर रहे हैं। ज़ाहिर है शुरुआत मंदिर जाकर पूजा अर्चना से हो रही है लेकिन इसके बाद पब्लिक से साथ मेल जोल का कार्यक्रम तेजी से बढ़ने वाला है। इस सबके पीछे की रणनीति लालू परिवार की बहू राजश्री को लोकसभा चुनाव लड़ाने की है। लालू परिवार की बहू राजश्री उजियारपुर से चुनाव लड़ सकती हैं। लालू प्रसाद राजश्री को उजियारपुर से ही मैदान में उतारने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उजियारपुर में यादवों और कुशवाहा समाज की अच्छी आबादी है। उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के दिग्गज नेता आलोक मेहता, अश्वमेध देवी और लेफ्ट के अजय कुमार की अच्छी पकड़ है जो कुशवाहा समाज से आते हैं। लालू परिवार का मानना है कि राजश्री के मैदान में उतरते ही यादव भी अच्छी संख्या में लालू परिवार की बहू को वोट देने आगे आएंगे। इसलिए उजियारपुर से वर्तमान सांसद और केंद्र में मंत्री नित्यानंद राय को गंभीर चुनौती मिलने की संभावना है। नित्यानंद राय उजियारपुर से साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहे थे। लालू परिवार अपनी बहू की इंट्री करा नित्यानंद राय की राह में तीसरी बार बड़ी चुनौती पेश करने की तैयारी में जुट गया है। ऐसे में पिछले दो चुनाव से आलोक मेहता और उपेन्द्र कुशवाहा को हराने वाले नित्यानंद राय, लालू प्रसाद की बहू को पटखनी दे पाएंगे इसको लेकर राजनीतिक चर्चा सियासी हलकों में तेज होने लगी है। लालू परिवार के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। लालू परिवार से इस लोकसभा चुनाव में दो उम्मीदवार मैदान में उतर सकते हैं। एक राजश्री यादव हैं तो दूसरे तेजप्रताप यादव। तेजप्रताप यादव को समझाने बुझाने की कोशिश की जाएगी। लेकिन तेजप्रताप नहीं मानते हैं तो उन्हें छपरा से लोकसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। दरअसल, राजश्री के लिए उजियापुर को मुफीद इसलिए समझा जा रहा है क्योंकि उजियारपुर में यादवों की दो उपजाति कृष्नौठ और मंझौठ की संख्या लगभग बराबर है। नित्यानंद राय कृष्नौठ उपजाति से आते हैं वहीं लालू प्रसाद खुद गड़ेरी उपजाति से ताल्लुक रखते हैं। लालू परिवार की शादी कृष्नौठ में हुई है। इसलिए राबड़ी देवी का परिवार कृष्नौठ उपजाति से आता है। लालू परिवार को भरोसा है कि कृष्नौठ और मंझौठ की संख्या लगभग बराबर होने की वजह से यादवों में बंटवारा भी हुआ तो इसका फायजा राजश्री यादव को ही मिलेगा और बीजेपी के नित्यानंद इस फायदे से वंचित रह जाएंगे। इतना ही नहीं लालू परिवार को डर है कि राजश्री को छपरा से मैदान में उतारा गया तो दारोगा राय का परिवार उनकी बेटी और तेजप्रताप से कोर्ट में लड़ाई लड़ रही ऐश्वर्या (तेजप्रताप की पत्नी) मैदान में उतर सकती हैं जो राजश्री की राह में बड़ी बाधक हो सकती हैं। ऐश्वर्या छपरा लोकसभा क्षेत्र की ही रहने वाली हैं और दारोगा राय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं जिनकी वो पोती हैं। इतना ही नहीं ऐश्वर्या कृष्नौठ उपजाति से भी आती हैं जिसकी संख्या छपरा लोकसभा क्षेत्र में कहीं ज्यादा है। इसलिए लालू परिवार राजश्री को छपरा से नहीं बल्कि उजियारपुर से ही मैदान में उतारना मुफीद समझ रहा है।

तेजप्रताप को छपरा से मैदान में उतारने की तैयारी

लोकसभा चुनाव में लालू परिवार राजश्री को ही मैदान में उतारने के पक्ष में है। लेकिन तेजप्रताप नहीं माने तब उन्हें छपरा से लड़ाया जा सकता है। साल 2014 में राबड़ी देवी छपरा से चुनाव हार चुकी हैं। छपरा यानि सारण से ही तेजप्रताप की पत्नी ऐश्वर्या को भी लड़ाने की चर्चा विरोधी पार्टी कैंप में चल रही है। ऐसे में ऐश्वर्या लड़ेंगी या फिर वर्तमान सांसद राजीव प्रताप रूड़ी ही बीजेपी के उम्मीदवार होंगे।

बच गई 22 प्रधानाचार्यों की नौकरी

हाई कोर्ट ने हटाने के आदेश को किया निरस्त, जानें पूरा मामला

पटना, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट ने कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के 22 प्रधानाचार्यों (प्रिंसिपल) को नौकरी से हटाने के आदेश को निरस्त करते हुए सभी की नौकरी को बरकरार रखने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश के। विनोद चन्द्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने डा। अनिल कुमार ईश्वर समेत सात अन्य की अपील याचिका पर सुनवाई करते हुए 24 सितंबर, 2019 को पारित एकल पीठ के निर्णय को निरस्त कर दिया। अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अरुण कुमार द्वारा कोर्ट को बताया गया कि कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में 22 प्रधानाचार्यों की नियुक्ति के लिए 2008 में विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। नियुक्ति प्रक्रिया का पालन करते हुए सभी 22 प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की गई थी, लेकिन डा। रमेश झा एवं अन्य की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दायर कर उनकी नियुक्ति को चुनौती दी गई थी। उसे सुनने के बाद हाई कोर्ट की एकलपीठ ने सभी नियुक्तियों को निरस्त कर नए सिरे से तीन माह के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरा करने का आदेश दिया। इस आदेश की वैधता को एक अपील दायर कर चुनौती दी गई। हाई कोर्ट ने छह अक्टूबर को इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित कर लिया था,

लखनऊ में बुखार के 1100 से अधिक मरीज

डेंगू से महिला की मौत, बेटा-बेटी अस्पताल में भर्ती

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। डेंगू से ग्रस्त महिला की गुरुवार को मौत हो गई। वह चार दिन से निजी अस्पताल में भर्ती थी। डेंगू की चपेट में आए बेटा-बेटी भी अस्पताल में हैं। उधर, स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है डेथ ऑडिट में मौत की असल वजह साफ होगी। दुबग्गा की हयातनगर कॉलोनी निवासी संजू (43) को दस दिन पहले तेज बुखार आया। डेंगू की जांच कराई तो पॉजिटिव निकलीं। प्लेटलेट्स 30 हजार से नीचे आ गईं तो कल्याण हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। प्लेटलेट्स चढ़ाने के बाद हालत और बिगड़ गई। इसके बाद वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया। सुबह करीब चार बजे उनकी मौत हो गई। आरोप है कि महिला की मौत बाद अस्पतालवालों ने दिल का दौरा पड़ने की बात कहकर लॉरी भेज दिया। यहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजन का आरोप है कि लॉरी भेजने के दौरान संजू के शरीर में कोई हरकत नहीं थी। उनका बेटा पारस व बेटी रिचा भी डेंगू की चपेट में हैं।

कांस्टेबल बेटी ने उठाया खौफनाक कदम

परिजनों को नहीं हुआ यकीन, बिलखते हुए उन्नाव के लिए रवाना

बागपत, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। उन्नाव थाने में तैनात बागपत निवासी महिला कांस्टेबल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता लगने पर परिजन मृतका के शव को लाने के लिए उन्नाव रवाना हो गए हैं। खेकड़ा के मोहल्ला औरंगाबाद निवासी सुरेंद्र धामा की अविवाहित बेटी मीनू धामा (25) 2019 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुई थी। फिलहाल वह उन्नाव के एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाने में तैनात थी। बताया गया कि बीती रात मीनू धामा ने संदिग्ध परिस्थितियों में उन्नाव में ही फांसी लगाकर जान दे दी। उधर, घटना की जानकारी लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। बेटी की मौत पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे उन्नाव के लिए रवाना हो गए हैं।

वाराणसी में सर्राफा व्यापारी पर तीन दिन से आईटी की छापेमारी जारी

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सर्राफा व्यापारी नारायण दास के आवास और अर्दली बाजार स्थित उनके शोरूम में बीते पचास घंटों से आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। ये छापेमारी वाराणसी और लखनऊ के संयुक्त आयकर विभाग की टीम की ओर से की जा रही है। आईटी की टीम सर्राफा व्यापारी के वित्तीय लेनदेन की फाइलें और बैंक खातों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इसके साथ ही संबंधित लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। वाराणसी में सर्राफा व्यापारी पर हुए आईटी की रेड को लेकर अभी तक विभाग या अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक विवरण जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार शोरूम में करोड़ों रुपये नगद और भारी मात्रा में हीरे, सोना-चांदी व अन्य आभूषण बरामद हुए हैं। नारायण दास वाराणसी के बड़े सर्राफा व्यापारियों में से आते हैं। आयकर विभाग को गोल्ड व्यवसाय में टैक्स चोरी को लेकर जानकारी मिली थी, जिसके बाद आईटी ने यहां रेड की। पिछले तीन दिनों से उनके आवास और गहनों के शोरूम में आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। आईटी की टीम सर्राफा कारोबारी के वित्तीय लेनदेन की फाइलें व अन्य बैंक डिटेल को भी खंगाल रही है। सूत्रों के मुताबिक यहां के करोड़ों रुपये और कीमती आभूषण मिले हैं, जिन्हें टीम ने जब्त कर लिया है।

घर में लगी भीषण आग, लपटों और धुएं के बीच फंसा परिवार

दमकल कर्मियों ने 20 मिनट में सुरक्षित निकाला

आगरा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यू आगरा क्षेत्र के कौशलपुर में शुक्रवार तड़के एक बुटीक में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बुटीक के ऊपर पहली मंजिल पर मालिक का परिवार रहता है। इसमें दो बुटीक कर्मचारी और उनके दो बच्चे रहते हैं। कुछ ही देर में भीषण आग लग गई। धुआं आने पर परिवार के लोगों को पता चला। आगे की तरफ आग लगी होने के कारण परिवार के सदस्य बाहर नहीं निकल सके। शोर सुनकर पड़ोसी आ गए। पड़ोसियों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। 20 मिनट में परिवार को बाहर निकाला जा सका। फायर स्टेशन आफिसर सोमनाथ सोनकर ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है।

बेटों से मिलने के लिए शाइस्ता के हटवा आने की सुगबुगाहट पर पहुंची फोर्स, काफी देर तक चली खोजबीन

प्रयागराज, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन के हटवा आने की सुगबुगाहट पर फोर्स बढ़ा दी गई है। बालगृह से छूटने के बाद अतीक के दोनों बेटे रिश्तेदार अंसार अहमद के घर पर हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी मां शाइस्ता उनसे मिलने का प्रयास जरूर करेगी। हटवा में अंसार के घर पर फोर्स बढ़ाई गई है, गांव में भी फोर्स लगा दी गई है। इसमें महिला सिपाही भी मौजूद हैं। इसके अलावा थाने और कंट्रोल रूम की गाड़ियां भी दिन में गांव के कई चक्कर लगा रही हैं। उमेश पाल की हत्या के बाद से ही अतीक के दोनों नाबालिग बेटे अहजम और आबान को राजरूपपुर स्थित बालगृह में रखा गया था। इसी बीच अहजम पांच अक्टूबर को बालिग हो गया था। बाल कल्याण समिति ने दोनों को उनकी बुआ को सौंपने का निर्णय लिया। नौ अक्टूबर को दोनों को बुआ परवीन कुरैशी को सौंप दिया गया। दोनों को अशरफ के साढ़ू अंसार अहमद के घर रखा गया है। उनकी सुरक्षा में अंसार के घर फोर्स भी लगाई गई है।

अंसार अहमद के घर पर बढ़ाई गई फोर्स

सुगबुगाहट है कि शाइस्ता परवीन अपने नाबालिग बेटों से मिलने हटवा आ सकती है। शाइस्ता की खोजबीन में लगी पुलिस इस खबर से सक्रिय हो गई है। हटवा में अंसार के घर पर फोर्स बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही गांव में भी फोर्स तैनात है।

कई सिपाहियों को सादे वेष में भी तैनात किया गया है। महिला पुलिस की तैनाती की गई है कि क्योंकि शाइस्ता कुछ बुर्कानशीं महिलाओं के साथ ही रहती है। वह खुद भी नकाब में रहती है। इसी कारण पुलिस अब तक न तो शाइस्ता को पकड़ पाई है न ही अशरफ की पत्नी जैनब को। अंसार के घर आने जाने वाले सभी को पूरी जांच पड़ताल के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। अतीक के दोनों बेटे भी घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। एसओ पूरामुफ्ती अजीत सिंह ने बताया कि गांव में फोर्स तैनात है। अतीक के बेटों से मिलने जुलने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- केवल क्रिमिनल केस होने के आधार पर पासपोर्ट देने से मना नहीं कर सकते

प्रयागराज, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक निर्णय में कहा है कि एक वादी को महज इस आधार पर पासपोर्ट जारी करने से इनकार नहीं किया जा सकता कि उसके खिलाफ आपराधिक मामला लंबित है। अदालत ने संबंधित पासपोर्ट प्राधिकरण को उच्चतम न्यायालय और इस उच्च न्यायालय के संबंधित निर्णयों के आलोक में छह सप्ताह के भीतर पासपोर्ट जारी करने के लिए याचिकाकर्ता के दावे पर निर्णय करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने जौनपुर जिले के आकाश कुमार द्वारा दायर याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने अदालत से पासपोर्ट सेवा केंद्र, वाराणसी द्वारा 21 जुलाई, 2023 को पारित आदेश रद्द करने का अनुरोध किया था। इस आदेश के जरिए याचिकाकर्ता का पासपोर्ट का आवेदन इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि पुलिस सत्यापन रिपोर्ट स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में अदालत से क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, लखनऊ और पासपोर्ट सेवा केंद्र, वाराणसी को उसे पासपोर्ट जारी करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी थी कि उच्चतम न्यायालय और इस उच्च न्यायालय द्वारा यह तय किया गया है कि महज आपराधिक मामला लंबित रहने के आधार पर पासपोर्ट जारी करने से इनकार नहीं किया जा सकता। अपनी दलील के समर्थन में उन्होंने बासु यादव बनाम केंद्र सरकार (2022) के मामले में इस अदालत के निर्णय को आधार बनाया। याचिकाकर्ता के वकील ने वीके रंगाचार्युलू बनाम सीबीआई (2021) के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय का भी हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि पासपोर्ट अधिकारी, आपराधिक मामला लंबित रहने के आधार पर पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इनकार नहीं कर सकते।

लापता नाबालिग का घर से 500 मीटर दूर मिला शव

हाजीपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैशाली में 18 दिनों से लापता नाबालिग का शव उसके घर से महज 500 मीटर दूर मिला है। लड़की एक अक्टूबर से गायब थी। उसके पिता ने थाने में लापता होने की शिकायत भी करवाई थी। पिता ने बताया कि कुछ दिनों पहले बेटी के पास एक मोबाइल फोन मिला, जब इसे लेकर मैंने पूछताछ की, उसे डांट लगाई तो मेरी बेटी बिना बताया कही चली गई। मामला लालगंज थाना क्षेत्र के पुरखौली गांव का है। जहां लड़की के घर से तकरीबन 500 मीटर दूर स्थित चौड़ की पोखर से उसका शव मिला। लालगंज थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर देर रात भेज दिया।

चाइनीज मांझे से कटी पीतल व्यापारी की गर्दन

मुरादाबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। आपको बतादें कि मुरादाबाद में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक पीतल व्यापारी जिंदगी मौत के बीच झूल रहा है। चाइनीज मांझे की चपेट में आने से व्यापारी के गले में गहरा कट लगा है। व्यापारी को नाजुक हालत में एक निजी अस्पताल में वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टर्स का कहना है मरीज की हालत अभी नाजुक है। हादसा शाम का बताया जा रहा है। शहर कोतवाली क्षेत्र में मोहल्ला तम्बाकू बालान निवासी पीतल व्यापारी मोहम्मद इकबाल उम्र 50 साल की कटघर के ताजपुर माफी में एक्सपोर्ट फर्म है। हादसे के समय इकबाल स्कूटी से अपनी फर्म पर जा रहे थे। तभी जामा मस्जिद पुल पर वो चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए।

मूंढा मुकारी गांव के एक घर में लगी भीषण आग, महिला और उसके दो मासूम बच्चों की जिंदा जलने से मौत

अमरोहा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमरोहा के नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव मूंढा मुकारी में कीटनाशक की दुकान चलाने वाले नितिन की 30 वर्षीय पत्नी मंजू, बेटी तन्वी (12) और बेटे पार्थ (4) की घर में आग लगने से मौत हो गई। घर से धुआं उठते देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। तीनों को जिला अस्पताल में ले जाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राथमिक तौर पर घरेलू विवाद में दोनों बच्चों को आग लगाने के बाद मंजू के आत्महत्या करने की बात सामने आई है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। मुरादाबाद जनपद के छजलैट थाना क्षेत्र के गांव शेखूपुरा में दिवंगत जयपाल सिंह का परिवार रहता है। उनके परिवार में पत्नी राकेश के अलावा दो बेटे और एक बेटी थे। इकलौती बेटी मंजू की करीब 10 साल पहले उन्होंने नौगावां सादात थानाक्षेत्र के मूंढा मुकारी गांव के रहने वाले नितिन के साथ की थी। मंजू का छोटे भाई मुकेश फौज में है। वर्तमान में उनकी तैनाती बिहार में चल रही है। कुछ दिन पहले तक मंजू अमरोहा कैलसा बाईपास पर ब्यूटी पार्लर चलाती थी। नितिन कीटनाशक की दुकान चलाता है। मंजू की बेटी तनवी गुरुकुल में कक्षा 7 में पढ़ती थी जबकि बेटा पार्थ का इस बार प्ले स्कूल में दाखिला कराया था। मामा जितेंद्र के मुताबिक कुछ दिन से परिवार में विवाद चल रहा था। जिसके चलते मंजू घर पर ही रहती थी। दो दिन पहले नितिन की ताई की तेरहवीं थी। इसलिए बेटी तनवी को घर बुला लिया था।

शुक्रवार की दोपहर नितिन अपनी दुकान पर था। मंजू अपनी बेटी तनवी और बेटे पार्थ से साथ घर पर थी। तभी दोनों बच्चों को आग लगने के बाद मंजू ने खुद को भी आग लगा ली। थोड़ी देर में आग की लपटों में तीन गंभीर रूप से झुलस गए। घर से धुआं उठता देखकर सामने रहने वाले पूर्व ग्राम प्रधान सराफत मौके पर पहुंच गए। इस दौरान घर का दरवाजा अंदर से बंद था। सराफत से शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। गांव का रहने वाला कुलदीप दीवार कूदकर घर में दाखिल हो गया और दरवाजा खोला। तब तक तनवी और पार्थ की जलकर मौत हो चुकी थी। मंजू तड़प रही थी। ग्रामीण तीनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामा ने मंजू के पति नितिन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

यूपी में घूसखोरी के चलते प्रति वर्ष 5019 करोड़ की बिजली चोरी, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लगाई फटकार

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिजली चोरी रोकने के लिए विद्युत वितरण कंपनियों के पास भारी-भरकम विजिलेंस टीम है, लेकिन घूसखोरी के चलते राज्य में प्रति वर्ष 5019 करोड़ रुपये की बिजली चोरी पकड़ी नहीं जा रही है। बिजली चोरी को पकड़ने के जिम्मेदार विभागीय अभियंताओं और विजिलेंस टीम की मिलीभगत से किस तरह घूस लेकर कार्रवाई नहीं की जा रही है उसका अंदाजा आगरा में बिजली चोरी के पकड़े गए एक मामले में दर्ज रिपोर्ट से लगाया जा सकता है।

पूर्वांचल के बाहुबली बृजेश सिंह की बढ़ी मुश्किल एचसी ने 36 साल पुराने मामले की शुरू की सुनवाई

चंदौली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। माफिया बृजेश सिंह के खिलाफ दाखिल अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। मामला चंदौली जिले में 36 साल पहले हुए सामूहिक नरसंहार का है। वाराणसी कोर्ट के फैसले को हीरावती नाम की महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट में हीरावती का पक्ष रख रहे अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने दलील दी कि हत्याकांड का चश्मदीद गवाह मौजूद होने के बावजूद पुलिस आरोपियों को सजा दिलाने में नाकाम रही। आरोपी गवाहों के बयान में भिन्नता होने के कारण निचली अदालत से रिहा हो गए। बृजेश सिंह पर वाराणसी जिले के बलुआ पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 148, 149, 302, 307, 120बी और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर दर्ज है। हीरावती के पति, दो देवर और चार मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। सामूहिक हत्याकांड में पीड़िता की बेटी घायल हुई थी। जिला कोर्ट ने बेटी के बयान पर गौर नहीं किया। जघन्य हत्याकांड में बरी हो चुके बृजेश सिंह को सजा दिए जाने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर और जस्टिस अजय भनोट की खंडपीठ दाखिल अर्जी पर सुनवाई कर रही है। माफिया बृजेश सिंह को 7 लोगों की हत्या का आरोपी बनाया गया था। ट्रायल कोर्ट और सेशन कोर्ट बृजेश सिंह को 2018 में बरी कर चुका है। आरोपियों को गवाहों के बयान में भिन्नता का फायदा मिला। जिला कोर्ट ने 2018 में सभी 13 आरोपियों को बरी कर दिया था। परिवार के सात लोगों की हत्या मामले में पुलिस किसी को भी सजा नहीं दिला पाई। अगली सुनवाई दशहरा की छुट्टी के बाद होगी।

सपा-कांग्रेस में मचे घमासान पर शिवपाल यादव ने दी प्रतिक्रिया, 2024 को लेकर कह गए बड़ी बात

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन की सहयोगी समाजवादी पार्टी को एक भी सीट नहीं दी है, जिसके बाद सपा और कांग्रेस के बीच तल्खी बढ़ गई है। दोनों तरफ से एक दूसरे के खिलाफ तीखी बयानबाजी की जा रही है। ऐसे में 2024 से पहले मचे इस घमासान को लेकर इंडिया गठबंधन पर भी सवाल उठने लगे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। जिस पर सपा नेता शिवपाल यादव ने बड़ा बयान दिया हैं। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव यूपी के बलिया जनपद पहुंचे हुए थे, इस दौरान पत्रकारों ने जब उनसे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि हम तो भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए मजबूती से गठबंधन के साथ है। यूपी में सपा बीजेपी को हटाने का काम करेगी। हम तो चाहते हैं कि कांग्रेस भी साथ रहें,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

उस काम को कभी ना छोड़ें जिसके बारे में आप हर दिन सोचते हैं !

आने वाले दिनों में गजवेल को और अधिक विकसित करने की जरूरत : सीएम

केसीआर ने विस चुनाव में बीआरएस 95-105 सीटें जीतने की आशा जताई

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने विश्वास जताया है कि बीआरएस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में 95-105 सीटें जीतेगी। शुक्रवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके शमीरपेट के पास एक निजी समारोह हॉल में के. चंद्रशेखर राव का प्रतिनिधित्व करने वाले गजवेल विधानसभा क्षेत्र के पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण करके कृषि क्षेत्र को स्थिर किया गया और प्रवासी लोग अपने मूल स्थानों पर वापस आ गए। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के परिवर्तन के पीछे बीआरएस सरकार के प्रयासों को याद किया और कहा कि तेलंगाना 'भारत के धान के कटोरे' के रूप में उभरा है।

केसीआर ने मल्लन्ना सागर और कोंडापोचम्मा जलाशयों के निर्माण के लिए अपनी कृषि भूमि देने के लिए सिद्दीपेट जिले के किसानों की उदार प्रकृति की सराहना की और कहा कि वह उन लोगों का दर्द जानते हैं जिन्होंने परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन खो दी है। केसीआर ने कहा कि पूरा तेलंगाना उन किसानों का ऋणी है, जिन्होंने कोंडापोचम्मा सागर और मल्लन्ना सागर परियोजनाओं के तहत अपनी जमीन खो दी। पूरे देश में भूजल कम हो रहा है, लेकिन तेलंगाना में यह बढ़ गया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें दो बार विधायक चुनने के लिए गजवेल विधानसभा क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि आने वाले दिनों में गजवेल को और अधिक विकसित करने की जरूरत है।

केसीआर ने यह भी आश्वासन दिया कि वह तीसरे कार्यकाल में हर महीने एक दिन के लिए गजवेल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे और पार्टी नेताओं से बीआरएस पार्टी की जीत के लिए काम करने को कहा।

स्मृति ईरानी ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री ने नारी शक्ति वंदन महिला सम्मेलन में की शिरकत

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने आज तेलंगाना के लोगों से केसीआर सरकार को हराने और विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने खुद स्वीकार किया है कि उनके विधायक दलित बंधु में 30 प्रतिशत कमीशन वसूल रहे हैं।

विजयादशमी के अवसर पर शुक्रवार को यहां दुब्बका विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय में आयोजित नारी शक्ति वंदन महिला सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि अधर्म को हराना है और धर्म को जीतना है और इसलिए लोगों को धर्म के लिए वोट करना चाहिए, जिसके पक्ष में भाजपा है। है। कोरोना काल में सभी को वैक्सीन की दो खुराकें मिलीं. इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभव बनाया है. हमने धान के लिए एमएसपी पर 27,000 रुपये खर्च किए हैं, जहां पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा यह केवल 3,000 रुपये थी। कपास और धान की खरीद के लिए, हमने पिछले 10 वर्षों में 1,07,000 करोड़ रुपये खर्च किए और तेलंगाना में 35 लाख किसानों को किसान सम्मान योजना मिल रही है और उन्हें मोदी के कारण 9,000 करोड़ रुपये मिले हैं। सिद्दीपेट, एल्कातुर्ती रोड तक रेल, रामागुंडम उर्वरक कारखाने के लिए 6,000 करोड़ रुपये, वारंगल और सिद्दीपेट को स्मार्ट सिटी का दर्जा, स्थायी संपत्ति स्थापित करने के लिए मनरेगा पर 23,000 रुपये खर्च करना और 1.13 लाख जनधन खाते खोलना मोदी द्वारा संभव बनाया गया। उन्होंने और सात लाख लाभार्थियों को मुद्रा लोन और पांच लाख लाभार्थियों को रेहड़ी-पटरी वालों को लोन का जिक्र किया।

राज्य में बीआरएस सरकार का जिक्र करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि के.चंद्रशेखर राव ने सभी मोर्चों पर लोगों को धोखा दिया है। नियमाकलु में, परिवार के सभी सदस्य कार्यरत हो गए जबकि युवाओं को सैर के लिए ले जाया गया। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि कांग्रेस को कोई भी वोट बीआरएस को ही जाएगा क्योंकि अतीत में कांग्रेस विधायक उस पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने टीएसपीएससी पेपर लीक का भी जिक्र किया और बताया कि कैसे बेरोजगारों ने धोखाधड़ी की। दुब्बाक विधायक एम. रघुनंदन राव ने कहा कि अगर उन्हें एक और मौका दिया जाए तो वह दुब्बाक को सिद्दीपेट, सिरसिला और निज़ामाबाद से बेहतर बना देंगे।

प्रवलिका आत्महत्या मामला : बॉयफ्रेंड शिवराम राठौड़ ने कोर्ट में किया सरेंडर

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवलिका कथित आत्महत्या मामले में उसके बॉयफ्रेंड शिवराम राठौड़ ने कोर्ट में सरेंडर किया। गौरतलब है कि प्रवलिका नामक छात्रा ने पिछले शुक्रवार को अशोकनगर, चिक्कड़पल्ली के एक छात्रावास में आत्महत्या कर ली थी। पुलिस द्वारा चार दिन पहले शिवराम के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद से विशेष टीमें उसे पकड़ने का प्रयास कर रही थीं। वारंगल जिले की मूल निवासी प्रवलिका कथित तौर पर कुछ वर्षों से शिवराम के साथ रिश्ते में थी। हालाँकि, बाद में उस आदमी ने दूसरी महिला से शादी करने का वादा किया और इसके बारे में पता चलने पर, प्रवलिका ने पिछले शुक्रवार की रात को अशोकनगर में अपने छात्रावास में फांसी लगा ली।

कुछ छात्र संगठनों और राजनीतिक दलों ने महिला की आत्महत्या के लिए टीएसपीएससी ग्रुप- II परीक्षा रद्द होने को जिम्मेदार ठहराया और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि शिवराम के साथ रिश्ते में खटास आने के बाद महिला ने अपनी जान दे दी।

चिराला-बापटला स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन विद्युतीकरण के साथ चालू

विजयवाड़ा का हिस्सा-गुडुर ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण परियोजना

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर दिए गए प्रमुख जोर ने जोन के लिए विजयवाड़ा-गुदुर तीसरी लाइन परियोजना में बड़ी प्रगति हासिल करना संभव बना दिया है। आंध्र प्रदेश राज्य में विद्युतीकरण के साथ-साथ यह प्रमुख ट्रिपलिंग परियोजना अच्छी तरह से प्रगति कर रही है और तदनुसार, 16.7 किलोमीटर की दूरी के लिए चिराला - बापटला के बीच एक और महत्वपूर्ण खंड पूरा हो चुका है और जोन द्वारा चालू किया गया है। इससे संतृप्त मार्ग पर भीड़ कम करने में मदद मिलती है और ट्रेन परिचालन आसान हो जाता है। रेलवे लाइन का यह विस्तार आंध्र प्रदेश राज्य के प्रकाशम और बापटला जिलों के अंतर्गत आता है। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा-गुदुर के बीच का खंड जो एससीआर पर ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर स्थित है, देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों को दक्षिणी राज्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यात्री और मालगाड़ियों दोनों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण यह मार्ग अत्यधिक भीड़भाड़ वाला हो गया है। इस महत्वपूर्ण खंड पर भीड़भाड़ कम करने के लिए, वर्ष 2015-16 में 288 किलोमीटर की दूरी के लिए 3246 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विजयवाड़ा-गुदुर तीसरी लाइन परियोजना को मंजूरी दी गई थी। यह कार्य रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है।

सभी हिस्सों में एक साथ काम शुरू किया गया है। अब तक, चिराला-करावाडी के बीच 45 किलोमीटर का खंड और गुडूर-सिंगारयाकोंडा के बीच 127 किलोमीटर का निरंतर खंड पूरा हो चुका है और सफलतापूर्वक चालू हो गया है। अब, चिराला-बापटला के बीच 16.7 किलोमीटर खंड के पूरा होने के साथ, कुल 189 किलोमीटर खंड तीसरी लाइन के साथ विद्युतीकृत हो गया है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने विजयवाड़ा डिवीजन और आरवीएनएल दोनों अधिकारियों की पूरी टीम की सराहना की है, जो ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण कार्यों को पूरा करने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा-गुडूर खंड अपनी स्थिति के आधार पर देश के उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों के बीच ट्रेन परिचालन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए सभी हिस्सों में काम एक साथ किया जा रहा है।

लूटा गया सीएम कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने रुपये उड़ा लिए। मुख्यमंत्री कार्यालय में कार्यरत एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के बैंक खाते से 7 लाख रुपये उड़ा लिए गए।

साइबर धोखाधड़ी के शिकार डी. श्रीधर, जो सीएमओ में ओएसडी के रूप में कार्यरत हैं, ने हाल ही में एक ऑनलाइन सर्च इंजन में एक बैंक के ग्राहक सेवा नंबर की खोज की थी। एक नंबर मिलने पर, उन्होंने एक व्यक्ति से संपर्क किया और बात की, जिसने खुद को बैंक का अधिकारी बताया और उसकी समस्या से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया। 15 अक्टूबर को, उन्होंने पाया कि उनके बैंक खाते से 7 लाख रुपये डेबिट हो गए हैं और उन्होंने तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। रुपये की राशि का लेनदेन। 3 लाख रुपये रोक दिए गए जबकि शेष राशि जालसाजों ने सफलतापूर्वक ट्रांसफर कर ली। शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों में कार जैसे प्रतीक चिन्ह हटाने की बीआरएस की याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा दायर एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उसकी पार्टी के चुनाव चिन्ह "कार" से मिलता-जुलता चुनाव चिन्ह जारी न करे। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने बीआरएस पार्टी द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया। बीआरएस की याचिका "कार चिन्ह" के समान चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं करने की थी, जिसमें रोड रोलर और उसके पार्टी चिन्ह से मिलते जुलते अन्य चिन्ह भी शामिल हैं।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि मतदाता इतने बुद्धिमान हैं कि कार और रोड रोलर के बीच अंतर कर सकें। बीआरएस ने यह भी कहा कि रोड रोलर जैसा चुनाव चिन्ह उसकी पार्टी के चुनाव चिन्ह "कार" के साथ भ्रम पैदा करेगा, लेकिन यह तर्क शीर्ष अदालत को संतुष्ट नहीं कर सका और शीर्ष अदालत ने बीआरएस पार्टी से ऐसी याचिका दायर करने के लिए सवाल किया, जिससे आगामी चुनाव स्थगित हो सकता है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट भी बीआरएस की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर चुका है।

याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया कि जब मतदाता ईवीएम के पास जाते हैं तो रोड रोलर, चपाती मेकर और कैमरा जैसे कुछ प्रतीक बीआरएस पार्टी के प्रतीक कार के समान दिखाई देते हैं और कभी-कभी उनकी पार्टी के सदस्य वोट खो सकते हैं। इससे पहले, बीआरएस नेता रावुला श्रीधर ने बीआरएस के दृष्टिकोण पर बोलते हुए कहा था कि हमने अनुरोध इसलिए किया है क्योंकि पार्टी को कुछ मामलों में ईवीएम में कार जैसे प्रतीकों के कारण वोट का नुकसान हुआ है।

पूरे मामले पर अपनी पार्टी का नजरिया स्पष्ट करते हुए बीआरएस नेता ने कहा था कि जो लोग बीआरएस पार्टी और कार चुनाव चिह्न को वोट देना चाहते हैं, लेकिन सही चिह्न पहचानने में समस्या के कारण वे कार चिह्न के समान किसी अन्य चिह्न को वोट कर सकते हैं, इसलिए सटीक जनादेश सामने नहीं आ सकता।

तेलंगाना विस चुनाव : राज्य में नकदी, सोना जब्ती बढ़कर 243 करोड़ हो गई

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पैसे, सोना और शराब की जब्ती में कोई कमी नहीं आई है, पिछले 10 दिनों में कुल जब्ती बढ़कर 243.76 करोड़ रुपये हो गयी है। 19 अक्टूबर को सुबह 9 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान 78 करोड़ रुपये की नकदी, कीमती धातुएं, शराब और अन्य सामान जब्त किए गए। 9 अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से यह एक दिन में सबसे अधिक जब्ती है। 24 घंटे की अवधि के दौरान 10.13 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश जब्त किया गया. कुल नकदी जब्ती अब 87.92 करोड़ रुपये हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अक्टूबर सुबह 9 बजे से 19 अक्टूबर सुबह 9 बजे के बीच 57.67 करोड़ रुपये से अधिक की कीमती धातुएं जब्त की गईं।

इसमें 83 किलो सोना, 212 किलो चांदी, 112.195 कैरेट हीरे और 5.35 ग्राम प्लेटिनम शामिल है। प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 120 करोड़ रुपये से अधिक कीमत का 181 किलोग्राम सोना, 693 किलोग्राम चांदी जब्त की है। अधिकारियों ने शराब के प्रवाह पर अपनी कार्रवाई जारी रखी। 24 घंटे की अवधि के दौरान, 6,132 लीटर शराब जब्त की गई, जिससे कुल जब्ती 65,223 लीटर हो गई। राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने 103 किलोग्राम गांजा भी जब्त किया है, जिससे कुल जब्ती 2,950 किलोग्राम हो गई है। अधिकारियों ने 43,700 किलोग्राम चावल, 627 साड़ियां और 17.48 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अन्य वस्तुएं भी जब्त की हैं। अब तक 243 करोड़ रुपये की कुल जब्ती 2018 के चुनावों के दौरान जब्त की गई 103 करोड़ रुपये की नकदी और सोने से कहीं अधिक है। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 119 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए चुनाव 30 नवंबर को एक ही चरण में होंगे।

पुलिस वर्दी पहनने का सपना रहा अधूरा

सड़क दुर्घटना ने ले ली माँ और बेटे की जान

विकाराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्य के एक दिल दहला देने वाले मोड़ में, वडला शिव कुमार (25), जिसने पुलिस विभाग में शामिल होने के अपने सपने को साकार करने के लिए एक साल से अधिक समय तक मेहनत की थी, अपने निर्धारित स्वास्थ्य परीक्षण से ठीक एक दिन पहले सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। यह घटना यहां मोमिनपेट मंडल के मेकावनम पल्ली में हुई।

मोमिनपेट के निवासी वडला शिव कुमार अपनी मां पद्मा (50), जो हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) बस डिपो में बस कंडक्टर के रूप में काम करती थीं, के साथ संगारेड्डी जिले के सदाशिवपेट जा रहे थे। हादसा तब हुआ जब वे दोपहिया वाहन पर यात्रा कर रहे थे और मोटरसाइकिल एक खड़ी लॉरी से जा टकराई। टक्कर से पद्मा के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गंभीर रूप से घायल हुए कुमार ने गुरुवार को निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (निम्स) में इलाज के दौरान दम तोड़ने से पहले एक दिन तक अपने जीवन के लिए संघर्ष किया। पुलिस की वर्दी पहनने का उनका सपना अधूरा रह गया। उनके परिवार में उनके पिता, ब्रह्मम, बड़े भाई संतोष और बड़ी बहन नवनीता हैं। तेलंगाना टुडे के साथ एक भावनात्मक बातचीत में, नवनीता ने बताया कि उनके भाई की हमेशा से वर्दीधारी नौकरी करने की इच्छा थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस दुखद घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है, क्योंकि उन्होंने न केवल पद्मा के रूप में अपना कमाने वाला खोया है, बल्कि एक आशाजनक भविष्य वाले युवा को भी खो दिया है। कुमार ने विकाराबाद जिले में सिविल पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में छठा स्थान हासिल किया।

शेरेलिंगमपल्ली स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर श्री आईमाताजी की पूजा-अर्चनाकर रंगारंग गरबा-डंडिया नृत्य कार्यक्रम व प्रसादी का लाभ लेते हुए पदाधिकारी, महिला मंडल व समाज बन्धु।

यूपी और बिहार के केंद्रीय मंत्री नहीं करते उत्तर भारतीयों की मदद : राजनारायन सिंह

जौनपुर पहुंचे राजनारायण सिंह ने बयां किया उत्तर भारतीयों का दर्द

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना के अध्यक्ष राजनरायन सिंह ने कहा कि तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और बिहार के केंद्रीय मंत्री और नेता तेलंगाना में रहने वाले उत्तर भारतीयों की कोई मदद नहीं कर रहे हैं। केवल चुनाव के दौरान उनका उत्तर भारतीयों की याद आती है और वोट मांगने के लिए तेलंगाना तक पहुंच जाते हैं। उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे के दौरान जौनपुर पहुंचे श्री सिंह ने वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह के आवास पर कहा कि तेलंगाना में रहने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या ट्रेन में यात्रा करने के लिए जगह मिलने की है। वाराणसी और पटना आने के लिए ट्रेनों में भारी लंबी वेटिंग लिस्ट है। हम लोग कई सालों से नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे हैं। रेलवे के बडे अधिकारियों के साथ ही साथ रेल मंत्री तक को अपनी समस्या से अवगत कराया गया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। संगठन के भारी दबाव के कारण दक्षिण मध्य रेलवे समय-समय पर विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है। छठ पूजा दीपावली आज मौका पर घर आने के लिए लोगों को बहुत ही समस्या होती है। हम लगातार सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों से यूपी और बिहार के लिए तेलंगाना से नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जौनपुर बनारस बलिया लखनऊ उन्नाव कानपुर के लाखों लोग रहते हैं। सभी लोग वहां दिन रात कठिन परिश्रम कर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी अपना योगदान दे रहे हैं। यहां के नेताओं को चाहिए की बनारस से ही तेलंगाना के लिए नई ट्रेन चलवाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए तेलंगाना दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी की सरकार में केंद्रीय मंत्रियों को कई बार अवगत कराया गया लेकिन उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। श्री सिंह ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में इन नेताओं के करनी का फर्क चुनाव में जरूर दिखेगा। उन्होंने कहा कि जो हमारी मदद नहीं करेगा हम भी चुनाव में उसकी मदद नहीं करेंगे।

जागरूकता बढ़ाने के लिए 56 अग्नि सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए गए

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग ने राज्य में अपने जागरूकता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पिछले एक सप्ताह में 56 अग्नि सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए। विभिन्न अग्निशमन केंद्रों की टीमों ने अस्पतालों, ईंधन रिफिलिंग स्टेशनों, ऊंची इमारतों, आवासीय भवनों, वाणिज्यिक परिसरों, स्कूलों और कॉलेजों का दौरा किया और कार्यक्रम का संचालन किया।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजित नवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम में श्री आईमाताजी की पूजा-अर्चनाकर रंगारंग गरबा-डांडिया नृत्य का लाभ लेते हुए पदाधिकारी व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 21 अक्टूबर - 2023

तिकडम फेल, मिली जेल

सत्ता का नशा जब सिर चढ़ कर बोलता है तो वैसा ही होता है जैसा यूपी के मंत्री रहे आजम खान ने किया था। उस समय तो उनका इतना रसूख था कि वे कानून को कुछ मानते ही नहीं थे और अधिकारियों को तो अपने दास से ऊपर कुछ समझने को तैयार तक नहीं थे। उसी नशे में उन्होंने अपने पुत्र अब्दुल्ला आजम के जन्म के दो प्रमाण पत्र बनवा लिए थे। विधायकी के लिए आजमाई फर्जी जन्म प्रमाणपत्र की तकड़म ही आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला के लिए जी का जंजाल बन गई और तीनों अब जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिए गए हैं। कोर्ट ने तीनों को सात साल की कैद की सजा सुनाई है। आजम खान पर आरोप था कि उन्होंने अपने बेटे अब्दुल्ला को विधायक बनाने के लिए सभी नियम-कानून ताक पर रख दिए थे। अब्दुल्ला आजम को 2017 में विधानसभा चुनाव लड़ना था, लेकिन वे इसके लिए जरूरी न्यूनतम आयु सीमा पच्चीस वर्ष की अर्हता पूरी नहीं करते थे। रामपुर नगर पालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र में उनकी जन्मतिथि एक जनवरी उन्नीस सौ तिरानबे बताई गई थी। लेकिन तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार में ताकतवर मंत्री आजम खान ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए लखनऊ से तत्काल दूसरा जन्म प्रमाण पत्र बनवा लिया, जिसमें अब्दुल्ला का जन्म तीस सितंबर, उन्नीस सौ नब्बे का बताया गया। इस तरह बेटा विधायक तो बन गया, लेकिन उसके बाद वे कानून के जाल में ऐसे फंसे कि अंत में जेल की सींखचों के पीछे चले गए। कई बार मंत्री पद पर रह चुके आजम खान यह जरूर जानते होंगे कि कोई भी नागरिक अगर जानबूझ कर कानून का उल्लंघन करता है, तो सजा का भागीदार होता है। सवाल उठता है कि इसके बावजूद उन्होंने स्वयं ऐसा आपराधिक कृत्य क्यों किया, जिसने उनके लंबे सार्वजनिक जीवन को न केवल दागदार कर दिया, बल्कि उनके पूरे परिवार के राजनीतिक सफर पर एक तरह से विराम ही लगा दिया है। मंत्री की हैसियत से तो उनकी जिम्मेदारी कानून के रक्षक वाली होनी चाहिए थी, उसका उल्लंघन करने वाले की नहीं। लेकिन सत्ता के नशे में यह आदर्श कितने नेता मानते हैं! देखा जाए तो भारतीय राजनीति में यह सोच मजबूत होती गई है कि जब सत्ता में हैं तो अवैध लाभ अर्जित करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। हमेशा अपनी साफ छवि होने का दावा करने वाले आजम खान भी इसी सोच जीते थे। बहरहाल, अब आजम खान को राजनीतिक पीड़ित बताकर सहानुभूति बटोरने और राजनीति में गहरे पैठ बना चुके भ्रष्टाचार को नजरअंदाज करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन अदालती कार्यवाही के दौरान सामने आए तथ्यों ने साफ कर दिया है कि उन्होंने अपने बेटे को विधायक बनाने के लिए नियमों का ताक पर रख दिया था। कोर्ट की सजा के बाद यह मामला कहीं से भी राजनीतिक प्रतिशोध का नहीं लगता। एक अपराध हुआ है और उसमें संलिप्त दोषियों को उनके किए की सजा मिली है। आजम खान रामपुर विधानसभा सीट से दस बार विधायक और चार बार उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। उनकी पत्नी फातिमा भी राजनीतिशास्त्र की प्रोफेसर होने के साथ-साथ विधायक और राज्यसभा सदस्य रही हैं। ऐसे लोगों से कानून के पालन की उम्मीद की जाती है। जब वे ही ऐसे गलत काम करते हैं, तो समाज में क्या नजीर पेश करेंगे? जाहिर है इन्हें मिली सजा दूसरों के लिए भी बड़ा सबक है। किसी भी आपराधिक कृत्य को धर्म या राजनीति की आड़ में छिपाने का प्रयास उस लालची और भ्रष्टाचारी सोच को और मजबूती प्रदान करेगा, जो सार्वजिनक जीवन में शुचिता, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता की दुहाई देता रहता है।

बुनियादी शिक्षा में व्यवसायिकता के सार्थक उपयोग का महत्व

संजीव ठाकुर

भारत में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट बनाने कारखाने चल रहे हैं स्कूल महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हर वर्ष लाखों ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट बेरोजगार बनाने के लिए डिग्रियां वितरित कर रही है,जबकि आवश्यकता मूल रूप से बुनियादी शिक्षा में व्यवसायीकरण की है, बुनियादी शिक्षा से ही ऐसे पाठ्यक्रम शामिल किए जाएं जो परिणाम मूलक हो और युवाओं को रोजगार देने हेतु सक्षम हो। स्कूल के सिलेबस में ही व्यावसायिक शिक्षा को महत्व दिया जाना चाहिए जिससे आगे चलकर युवा अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करें बल्कि अपने कई साथी बेरोजगारों को रोजगार देने में पूरी तरह सक्षम बने।

बुनियादी, नैतिक शिक्षा किसी भी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के नैतिक तथा आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है1 शिक्षित सुसंस्कृत नागरिक देश की एक बड़ी धरोहर होते हैं 1जिस राष्ट्र में शिक्षा,संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित,पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है।हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक, लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकें1 बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता1 वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है।

नैनो यूरिया और सागरिका बना उत्पादन व आमदनी वाला विकल्प

सुरेश गांधी

खेती की लागत घटाने और जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में नैनो यूरिया व सागरिका काफी कारगर साबित हो रहा है। इफ्को की यह पहल परंपरागत दानेदार यूरिया की जगह पर किसानों को नैनो तरल यूरिया और जैव उर्वरक सागरिका न सिर्फ उत्पादन बल्कि आय वृद्धि वाला विकल्प बन गया है। नैनो तरल यूरिया दानेदार यूरिया की अपेक्षा सस्ती तो है ही पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है। खास यह है कि यह एक पूर्णतया स्वदेशी उत्पाद है। जबकि दानेदार यूरिया को दूसरे देशों से भी आयात करना पड़ता है। दावा है कि नैनो तरल यूरिया के साथ जैव उर्वरक सागरिका के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है। यह हम नहीं बल्कि वाराणसी, चंदौली व मिर्जापुर के किसानों का कहना है। पत्र सूचना कार्यालय, वाराणसी की ओर से आयोजित प्रेस टूर के तहत रामनगर स्थित प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र पर पहुंचे किसानों का दावा है कि पारंपरिक दानेदार उर्वरकों के मुकाबले नैनो यूरिया और सागरिका सहित अन्य जैव उर्वरक, कीटनाशक, खर पतवार नाशक और उच्च किस्म के बीज उत्पादन व आय वृद्धि वाले विकल्प बन गए है।पीएमकेएसके, रामनगर पर मौजूद इफ्को, वाराणसी के फील्ड ऑफिसर डा। विवेक दीक्षित ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) के माध्यम से किसानों को उचित मूल्य पर यूरिया, डीएपी, एनपीके, मिट्टी की जांच, कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के अलावा नैनो यूरिया, डीएपी, सागरिका, जैव उर्वरक, कीटनाशक, खर पतवार नाशक और उच्च किस्म के बीज के साथ तकनीकी वार्ता की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह केंद्र किसानों को उचित मूल्य व सुविधाजनक तरीके से कृषि सामग्री उपलब्ध करा रहा है जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) वन-स्टॉप-शॉप केंद्र के रूप में कार्य कर रहा हैं। इसके माध्यम से किसानों को एक ही छत के नीचे मिट्टी, बीज, उर्वरक, कीटनाशक और कृषि मशीनरी सहित कई कृषि-इनपुट सुविधाएं मिल रही हैं। इस केंद्र से वाराणसी, मिर्जापुर और चंदौली के हजारों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इससे उनके कृषि कार्य की लागत क्षमता में कमी आई है, साथ ही उनके आय में वृद्धि हो रही है। उनका कहना है कि इफ्को ने नवीनतम उत्पाद बाजार में उतारे हैं, जिनकी कीमत पारंपरिक उत्पादों से बेहद कम है। किसान-बागवान अब कम लागत में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। नवीनतम उत्पादों में नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और सागरिका पानी में घुलनशील हैं। नैनो यूरिया तरल की 500 मिली की एक बोतल ही काफी है। यह पर्यावरण और गुणवत्ता के हिसाब से बेहतर है।

कैसे बढ़ेगी किसानों की आय

इफको का दावा है कि नैनो यूरिया किसानों के लिए सस्ता है और इससे पैदावार भी बढ़ेगी। इस तरह जहां किसानों की लागत कम होगी, वहीं पैदावार ज्यादा होने से उनकी कमाई ज्यादा होगी। इफको केअनुसार इसके पूरे देश के 94 से अधिक फसलों पर लगभग 11,000 कृषि क्षेत्र परीक्षण (एफएफटी) किये गये थे और फसलों की उपज में औसतन 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। इफको के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने अनुसंधान के बाद नैनो यूरिया तरल को स्वदेशी और प्रोपाइटरी तकनीक के माध्यम से कलोल स्थित नैनो जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र में तैयार किया है। 'यह नवीन उत्पाद आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में एक सार्थक कदम है। ' इफको नैनो यूरिया तरल को सामान्य यूरिया के प्रयोग में कम से कम 50 फीसदी की कमी लाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके 500 मि। ली। की एक बोतल में 40। 40,000 पीपीएम नाइट्रोजन होता है जो सामान्य यूरिया के एक बोरी के बराबर नाइट्रोजन पोषक तत्व प्रदान करेगा।

बोरी वाले यूरिया से कम होगी कीमत

इफको ने किसानों के लिए 500 मिली। नैनो यूरिया की एक बोतल की कीमत 240रुपये निर्धारित की है जो सामान्य यूरिया के एक बैग के मूल्य से 10 फीसदी कम है। गौरतलब है कि भारत में हर साल करीब 350 लाख टन यूरिया का इस्तेमाल होता है। नैनो यूरिया के इस्तेमाल से इसकी खपत आधा ही रह जाएगी और सरकार को सब्सिडी पर सालाना 600 करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है। इससे भारत को यूरिया आयात करने की जरूरत भी कम हो जाएगी।

एक बैग यूरिया के समकक्ष 500 एमएल तरल यूरिया

दानेदार यूरिया से पौधे को महज 35 प्रतिशत पोषक तत्व प्राप्त होते हैं, जबकि नैनो तरल यूरिया से पौधे को 85 फीसदी पोषक तत्व मिलेंगे। यूरिया के एक बैग में 45 किग्रा वजन होता है, वहीं नैनो तरल यूरिया की 500 एमएल की बोतल की क्षमता एक बैग के बराबर होती है। सब्जी उत्पादक और बागवानी से जुड़े किसान नैनो तरल यूरिया और सागरिका का इस्तेमाल कर अपने उत्पाद की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

कम होगी रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता

इफ्को के जैव उर्वरक सागरिका और नैनो तरल यूरिया कृषि क्षेत्र के लिए एक वरदान है। नैनो तरल यूरिया और सागरिका की चार-चार एमएल बूंद प्रति लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिडकाव करना चाहिए। रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से उत्पाद की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिसका स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। जबकि नैनो तरल यूरिया और सागरिका के इस्तेमाल से उत्पाद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। यह मिट्टी और इंसान के स्वास्थ्य के लिए अनुकूल है।

सजगता

पर्यावरण और गुणवत्ता के लिहाज से यह अच्छी है। यूरिया का अधिक प्रयोग करने से फसल की गुणवत्ता में कमी आती है। यह मृदा स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचता है। जबकि नैनो यूरिया तरल फसलों को मजबूत और स्वस्थ बनाता है। जैव उर्वरक सागरिका और नैनो यूरिया का प्रयोग करते हुए रासायनिक खादों की 50 प्रतिशत मात्रा कम की जा सकती है।

कृषि क्षेत्र में बड़ी क्रांति

नैनो यूरिया डीएपी और सागरिका खाद का उपयोग कर किसान-बागवान कम खर्च में उच्च गुणवत्ता पूर्ण फसलों की पैदावार कर सकते हैं। मतलब साफ है नैनो यूरयि और डीएपी कृषि क्षेत्र में किसी बड़ी क्रांति से कम नहीं हैं। इसके प्रयोग से लाखों किसानों की खेती की लागत तो कम होगी ही, इसका भंडारण और ट्रांसपोर्टेशन काफी आसान हो जाएगा। कोई भी किसान क्यों उठाएगा 50 किलो का बैग। वो तो अब नैनो यूरिया और डीएपी को अपने कुर्ते की पॉकेट में रखकर बाजार से घर और घर से खेत में जाएगा। खास यह है कि जिसका सामान्य यूरिया या डीएपी बच जाता था उसे हवा से बहुत बचाव करके रखना होता था।

मासूम बालकों की आत्मा न्याय मांग रहीं मीलार्ड!

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी के नोएडा का निठारी कांड! आजादी के बाद का सबसे क्रूरता भरा सीरियल मर्डर रेप केस! एक रईस रसूखदार की कोठी जो हैवानियत बर्बरता नृशंसता और दरिंदगी का अड्डा बन गयी थी। इस कोठी के मालिक और उसके केयर टेकर पर आरोप है कि वह भोली भाली मासूम बच्चियों को लालच देकर कोठी के भीतर बुलाते थे इस के बाद उनके साथ दरिंदगी कर कत्ल कर लाश को छोटे छोटे टुकड़े कर कोठी के पिछवाड़े के नाले में फेंक दिया जाता था। इतना बर्बर और दिल दहला देने वाले सीरियल किलर कांड के दोनों अभियुक्तों को लोअर कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा सुनाई थी लेकिन हाल ही में हाइकोर्ट के न्यायाधीशों ने उन्हें बारह मामलों में बरी कर दिया तर्क दिया गया है कि जांच एजेंसी सही तरह से जुर्म साबित करने में नाकाम रही। अब उन्नीस मासूमों की मौत उनके शवों के खून अलूदा टुकड़े जो अदालत में बतौर सबूत पेश किए गए न्याय मांग रहे हैं कि उनकी इस दुर्गति के जिम्मेदार अपराधियों को सज़ा कब मिलेगी? न्याय की देवी की आंखों की पट्टी कैसे खुलेगी? आप को याद दिला दें कि वही निठारी कांड, जिसमें एक उत्तर प्रदेश के एक अमीर आदमी के घर के पीछे नाले में कई बच्चे-बच्चियों व युवतियों के कंकाल मिले थे... जांच करने पर और मानव कंकाल भी बरामद किए गए थे और मात्र 10 दिन के भीतर मामला जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई को सौंप दिया गया था। वह मकान था मोनिंदर सिंह पंढेर का इस मामले में पंढेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली को आरोपी बनाकर केस शुरू दुष्कर्म एवं हत्याओं का मुकदमा शुरू किया गया। दोनों को इससे जुड़े कुछ मामलों में सीबीआई की विशेष अदालत ने फांसी की जसा सुनाई। किन्तु हाल ही में दोनों को उच्च न्यायालय द्वारा बरी कर दिया गया। यह चौंकाने वाला मामला है कि जिनको फांसी की जसा सुनाई गई, उन्हें बरी कैसे कर दिया गया? निठारी का सनसनीखेज मामला उस समय प्रकाश में आया था जब 29 दिसंबर, 2006 को सटे नोएडा के निठारी में पंढेर के मकान के पीछे नाले में आठ बच्चों के कंकाल पाए गए।

पंढेर के मकान के आसपास के क्षेत्र में ड्रेन में तलाशी के बाद और कंकाल पाए गए। इनमें से ज्यादातर कंकाल गरीब बच्चों और युवतियों के थे, जो उस इलाके से लापता थे। सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली तो जखो के दौरान और अस्थियां प्राप्त हुई। उस समय उसके घर की, विशेषकर रसोईनुमा कमरे की जो तस्वीरें सामने आई थीं, उन्हें देख लोगों का दिल दहल गया था। वहां दीवारें इस तरह से खून से सनी हुई थीं मानो वह किसी घर का कमरा न होकर कोई कत्लखाना हो। सीबीआई ने जांच के आधार पर विशेष न्यायालय में इन दोनों के विरुद्ध साक्ष्य एवं जांच रिपोर्ट पेश की। लंबी सुनवाई के बाद कोली को 12 मामलों में फांसी की जसा हुई थी वह अभी गाजियाबाद की एक जेल में बंद है और अपनी सजा के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय अपील की थी। न्यायालय उसी की सुनवाई कर रहा था। वहीं, पंढेर नोएडा की एक जेल में बंद है और उसे दो मामलों में फांसी की सजा हुई थी। कुल मिलाकर पंढेर और कोली के खिलाफ 2007 में 19 मामले दर्ज किए गए थे। सीबीआई ने साक्ष्यों के अभाव में इन 19 मामलों में से तीन मामलों में 'क्लोजर रिपोर्ट' दाखिल की थी। बाकी के 16 मामलों में कोली को पूर्व में तीन मामलों में बरी कर दिया गया था और एक मामले में उसकी फांसी की सजा को जीवन कारावास में तब्दील कर दिया गया था। उसे बीते सोमवार को शेष 12 मामलों में बरी कर दिया गया।

शुरुआत में पंढेर के खिलाफ छह मामलों में आरोप लगाए गए थे जिसमें से पूर्व में तीन मामलों में सत्र अदालत द्वारा बरी किया था। बाकी तीन मामलों में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उसे एक मामले में 2009 में और दो मामले में सोमवार को बरी कर दिया गया। इसका अर्थ यह हुआ कि पंढेर अब जेल से बाहर आ सकता है। विचारणीय सवाल है कि कानून वही, न्याय प्रक्रिया वही, साक्ष्य वही, मामला वही, किन्तु एक अदालत ने दोनों को दोषी मानते हुए मृत्युदंड जैसी जसा सुनाई और दूसरी अदालत ने उसी मामले में दोनों को बरी ही कर दिया। आखिर फैसले में इतना फासला कैसे? फांसी की जगह उम्रकैद कर दी जाती तो लगता कि जजों को मामला उतना गंभीर नहीं लगा होगा, किन्तु बरी कर देना तो किसी के गले नहीं उतरेगा। यह पहला मामला नहीं है जिसमें न्यायालय के निर्णय में इस तरह का विरोधाभास नजर आया है। इस मामले में न्यायपालिका को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि इतना विरोधाभास कैसे? न्यायाधीश भी मनुष्य हैं, उनकी अपनी राय है और विवेक के इस्तेमाल का कानूनी अधिकार है किन्तु इतना विरोधाभास तो नहीं होना चाहिए।यदि न्यायपालिका चाहती है कि जनता का विश्वास कानून में बना रहे तो उसे विचार एवं समीक्षा करनी चाहिए ताकि इस तरह के 'विरोधाभास' से उस पर सवाल न उठ पाएं कानून तो इतना सरल होना चाहिए कि आजमन भी उसे समझ पाए और अपनी बात रखने के लिए उसे किसी मदद की जरूरत न हो। नब्बे के दशक में एक फिल्म बनी थी अंधा कानून जिसमें कानून की व्यवहारिक विसंगतियों को दर्शाने का प्रयास किया गया था लेकिन अब निठारी कांड आरुषि हत्याकांड तथा और ऐसे ही दर्जनों बहुचर्चित हत्याकांड में अदालतों ने जिस तरह के निर्णय दिए हैं वह बता रहे हैं कि हमारी अदालत आज भी लकीर की फकीर है और जुर्म की दुनिया अपराधियों के तौर तरीके अपराधियों के कानून को चकमा देने के नए-नए शड्यंत्र इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जमाने में अदालतों को धोखा देने के लिए बहुत आगे निकल चुके हैं लेकिन हमारी अदालत वहीं दायरे में बंधी खड़ी हैं अदालत यह समझने के लिए तैयार क्यों नहीं है कि समय के साथ-साथ उनका भी बदलना होगा अपने विवेक का सही इस्तेमाल करना होगा।

बिचौलियों की दखल रुके तो अन्नदाता को मिलें एमएसपी का सही मायने में लाभ

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केंद्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी है। पिछले कुछ सालों से बुवाई के समय ही फसलों के एमएसपी की घोषणा करना अच्छी परंपरा मानी जा सकती है। इससे किसान भी कौन सी फसल लेनी है इसका निर्णय आसानी से कर पाते हैं। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छह फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 102 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 52 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। सरकार की मानें तो लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। पर यक्ष प्रश्न यही है कि फसल आने के बाद किसान को यह मूल्य मिलेगा ही इसकी क्या गारंटी हैं ? सारा झगड़ा इसी को लेकर है कि एमएसपी घोषित होती ही ऐसी व्यवस्था सुनिष्चित होनी चाहिए कि किसान को उसकी फसल का सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य तो मिल ही जाएं। यदि इस तरह की फूलप्रुफ व्यवस्था इनविल्ट हो जाए तो किसानों को सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दरअसल सब कुछ होने के बाद भी किसान आज भी ठगा महसूस करता है। यही कोई डेढ़ दो माह पुरानी बात होगी जग आमनागरिकों को टमाटर दो सौ रुपए से भी अधिक में खरीदना पड़ा आज वहीं टमाटर मण्डियों में दस रुपए के आसपास आ गया है। अब प्रश्न यह है कि टमाटर के दो सौ रुपए होने का लाभ आखिर ना तो उत्पादक किसान को मिला और ना ही आमनागरिकों को मिला। ऐसे में दोनों ही ठगे महसूस करते रह गए तो सरकार की किरकिरी हुई वह अलग। देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाने का निर्णय किया। केन्द्र सरकार द्वारा सीएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी। आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो अब हरियाणा सरकार भी केरल की तरह हरियाणा में भी सब्जियों का बेस मूल्य तय कर कर रही है। 2004 में एमएस स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फार्मूला सुझाते हुए सुझाव दिया कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। एमएसपी की सिफारिश करते समय सीएसीपी द्वारा देश के अलग अलग हिस्सों में फसल के अनुसार प्रति हैक्टेयर लागत, खेती के दौरान अन्य खर्चों, भण्डारण की स्थिति, विदेशों में उपलब्धता आदि पैमाने पर आकलन कर प्रत्येक फसल की एमएसपी की सिफारिश की जाती है। 2004 में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने 2018-19 में उत्पादन लागत से कम से कम डेढ़ गुणा अधिक मूल्य घोषित करने का निर्णय किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा एमआईएस यानी कि बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत एमएसपी के दायरें में नहीं आने वाली फसलों की खरीद की व्यवस्था करती आई है। राजस्थान में लहसुन की खरीद, प्याज की खरीद आदि इसका उदाहरण है।

अभिशप्त अंगूठी का भय

डा. राकेश गर्ग

अमेरिका के विख्यात नगर लास ऐंजिल्स के एक प्रमुख बैंक के लाकर में एक स्वर्णिम रत्न जड़ित बेहद खूबसूरत व आकर्षक मगर अद्भुत अंगूठी वर्षों से लावारिस की भांति बन्द पड़ी है। अंगूठी स्वामी चाहकर भी अंगूठी पहनने से कतराता है। पुलिस कई बार उसकी नीलामी की घोषणा कर चुकी है मगर दर्शकों के भारी संख्या में आने के बावजूद कोई भी अंगूठी को खरीदने का साहस नहीं जुटा पाता। अंगूठी का इतिहास जानते ही खरीदार उससे ऐसे मुंह फेर लेते हैं मानो साक्षात मौत के दर्शन कर रहे हों । लाकर में बन्द इस खूबसूरत अंगूठी के साथ मौत का साया घूमता है, ऐसा विश्वास अंगूठी के एक दर्जन से अधिक पूर्व प्रेमियों के अकाल काल का ग्रास बनने के बाद पैदा हुआ है। इस अंगूठी के प्रमुख चाहने वालों का इतिहास लाकर में एक डायरी में लिखा हुआ है जिसके अनुसार अंगूठी के इतिहास की कहानी की शुरूआत आज से 68 वर्ष पूर्व शुरू हुई। सन 1920 में हालीवुड के तत्कालीन सर्वाधिक ख्याति प्राप्त अभिनेता रूडोल्फ वैलेंतीमो ने इस अंगूठी को पहली बार पहना था। रूडोल्फ ने इस अंगूठी को सान फ्रांसिस्को के जाने माने जौहरी की दुकान पर देखा था। न जाने इस अंगूठी ने उन पर क्या जादू किया कि रूडोल्फ ने मुंहमांगी कीमत देकर अंगूठी को तुरन्त खरीदकर उंगली में धारण कर लिया। रूडोल्फ की उन दिनों हालीवुड में सर्वाधिक चर्चित व युवा अभिनेता के रूप में धाक थी। उसका नाम मानो बाक्स आफिस पर सफलता की गारन्टी थी किन्तु रूडोल्फ ने अंगूठी क्या पहनी मानो असफलता का दामन थाम लिया और सफलता उनसे किनारा कर गयी। उन दिनों रूडोल्फ ''दियंग रोजा'' नामक फिल्म में अभिनय कर रहा था जिसमें उसने चर्चित अंगूठी धारण कर रखी थी। यह फिल्म रूडोल्फ की ही नहीं बल्कि हालीवुड की सर्वाधिक असफलतम फिल्म साबित हुई। इस फिल्म की भयंकर असफलता ने रूडोल्फ की इमेज को शीशे की भांति चूर-चूर कर दिया। दो वर्षों तक उसे कोई ऐसी फिल्म नहीं मिली जिससे उसको पूर्ववत सफलता मिल पाती। आखिर रूडोल्फ ने अपने कुछ मित्रों के कहने पर एक दिन वह अंगूठी उंगली से उतार ही दी। अंगूठी के उंगली से उतरते ही मानो उसकी गर्दिश के दिन टल गये। सफलता उसके चरण चूमने लगी। एक के बाद एक उसकी सभी फिल्में हिट होती गयी और उसने पुनः लोकप्रियता के उच्चतम शिखर को पा लिया। इसके बावजूद रूडोल्फ इसे मात्र संयोग ही मानता रहा और उसने सन् 1926 में फिर अपनी फिल्म 'सन आफ दि सेके' में वह अंगूठी पहन ली। फिल्म पूर्ण होने के कुछ दिन बाद वह हंसी खुशी एक उच्चस्तरीय दावत में शामिल हुआ मगर यह दावत उसके जीवन की अन्तिम दावत बनकर रह गयी। रूडोल्फ ने वहां अत्यधिक शराब पी। इसी दौरान उसके पेट में अत्यधिक तेज दर्द उठा और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे तुरन्त अस्पताल पहुंचाया गया, जहां रूडोल्फ अपनी फिल्म 'सन आफ दि सेके' के रिलीज होने से पूर्व पन्द्रह दिन जिन्दगी व मौत के बीच चले संघर्ष के बाद मौत के आगोश में समा गया। दो सप्ताह के अस्पताल प्रवास के दौरान उसके लाख चाहने वालों के अलावा मित्र व सम्बन्धी उससे बराबर मिलते रहे। रूडोल्फ के मित्रों में उसकी कई सफलतम फिल्मों की नायिका 'पोला नेग्री' भी थी। अस्पताल में मृत्यु के पूर्व वह अंगूठी रूडोल्फ ने नेग्री को भेंट कर दी। नेग्री ने बड़े सम्मान के साथ अंगूठी को अपनी अंगुली में धारण कर लिया। एक सप्ताह बाद ही नेग्री अस्वस्थ होकर अस्पताल जा पहुंची जहां से एक साल बाद उसका मृत शरीर ही बाहर आ पाया। अमेरिका के अनेक चिकित्सकों व विशेषज्ञों ने बीमारी के दौरान नेग्री के विभिन्न जांच पड़ताल व परीक्षण किये मगर अंत तक वे उसके रोग का निर्णय नहीं कर पाये। काल की साक्षात अवतार उस अंगूठी का शिकार केवल फिल्मी हस्तियां ही नहीं, अन्य लोग भी हुए।

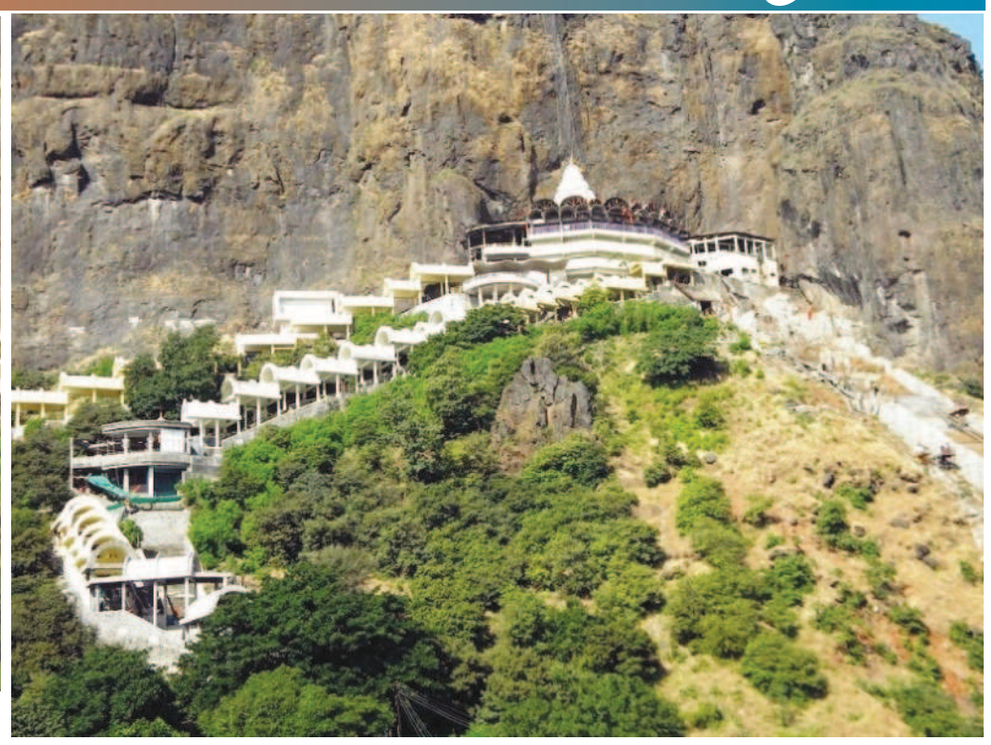

शक्ति तीर्थ: महाराष्ट्र में सात पर्वतों से घिरा देवी मंदिर इसलिए नाम पड़ा सप्तश्रृंगी

मान्यता: जहां महिषासुर का वध हुआ वहां बना सप्तश्रृंगी तीर्थ, कलकत्ता की महारानी को सपने में दिया था मंदिर बनवाने का आदेश

महाराष्ट्र में नासिक के पास वणी गांव में देवी सप्तश्रृंगी का मंदिर है। ये मंदिर खास इसलिए है क्योंकि माना जाता है देवी ने यहीं महिषासुर का वध किया था। गोदावरी नदी के किनारे बने इस मंदिर में देवी की पूजा तीन महाशक्तियों यानी सरस्वती, काली और महालक्ष्मी के रूप में की जाती है। वहीं, कलकत्ता का काली घाट मंदिर इसलिए प्रसिद्ध है क्योंकि ग्रंथों के मुताबिक वहां देवी सती के दाएं पैर की 4 अंगुलियां गिरी थी। गंगा नदी के किनारे बने दक्षिणेश्वर काली मंदिर में देवी कालिका की विशेष पूजा की जाती है। यहीं रामकृष्ण परमहंस ने देवी की विशेष आराधना की थी। उनके द्वारा की गई देवी पूजा से जुड़े कई चमत्कार आज भी सुनाए जाते हैं। ये मंदिर शिव-शक्ति का प्रतिक है। यहां मुख्य मंदिर के चारो ओर शिवजी के 12 मंदिर बने हुए हैं।

सप्तश्रृंगी माता: सात पर्वतों की देवी

महाराष्ट्र के नासिक के वणी गांव में सप्तश्रृंगी देवी मां का यह मंदिर गोदावरी नदी के किनारे बना हुआ है। इस पर्वत पर पानी के 108 कुंड हैं। जो इस स्थान की सुंदरता को कई गुना बढ़ाते देते हैं। यहां देवी को ब्रह्मस्वरूपिणी के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि ब्रह्म देवता के कमंडल से निकली गिरिजा महानदी देवी सप्तश्रृंगी का ही रूप है।

मान्यता: यहीं हुआ था महिषासुर का वध

सप्तश्रृंगी की महाकाली, महालक्ष्मी व महासरस्वती के त्रिगुण स्वरूप में भी आराधना की जाती है। पौराणिक कथानुसार, महिषासुर राक्षस के विनाश के लिए सभी देवी-देवताओं ने मां की आराधना की थी तभी देवी मां सप्तश्रृंगी अवतार में प्रकट हुईं और इसी जगह पर उन्होंने महिषासुर का वध किया था।

काली घाट मंदिर: 51 शक्तिपीठों में से एक

जहां गिरी थी मां सती के पांव की अंगुली

कोलकाता के उत्तर में विवेकानंद पुल के पास दक्षिणेश्वर काली मंदिर है। ये विश्व में मां काली का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है। भारत के सांस्कृतिक धार्मिक तीर्थ स्थलों में भी दक्षिणेश्वर काली मंदिर सबसे खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जान बाजार की महारानी रासमणि ने सपना देखा था, जिसके मुताबिक मां काली ने उन्हें निर्देश दिया कि मंदिर का निर्माण किया जाए। इस भव्य मंदिर में मां की मूर्ति श्रद्धापूर्वक स्थापित की गई है।

दक्षिणेश्वर मां काली के मुख्य मंदिर के भीतरी भाग में चांदी से बनाए गए कमल के फूल की हजार पंखुड़ियां हैं। इस पर मां काली शस्त्रों सहित भगवान शिव के ऊपर खड़ी हुई हैं। काली मां का मंदिर नवरत्न की तरह बना है। इस विशाल मंदिर के चारों ओर भगवान शिव के बारह मंदिर स्थापित किए गए हैं।

देवी काली की प्रतिमा

दक्षिणेश्वर काली मंदिर में देवी काली के प्रचंड रूप की मूर्ति मौजूद है। इस मूर्ति में देवी काली भगवान शिव की छाती पर पैर रखी हुई हैं। उनके गले में नरमुण्डों की माला है। उनके हाथ में खड़ग तथा कुछ नरमुण्ड है। उनके कमर में भी कुछ नरमुण्ड बंधे हुए हैं। उनकी जीभ निकली हुई है। उनके जीभ से रक्त की कुछ बूंदें भी टपक रही हैं।

अद्भुत रामायण में बताया इस रूप के बारे में

अद्भुत रामायण ग्रंथ के मुताबिक एक और रावण था जिसे के हजार सिर थे। श्रीराम जब उस रावण से लड़ने गए तब उन्हें तीर लग गया और वो मुर्छित हो गए। ये देख सीताजी को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने काली रूप में उस रावण का वध कर उसके सिर काट दिए और उनके मुंडो की माला पहन ली। उनका गुस्सा शांत नहीं हो रहा था तो शिवजी उनके सामने लेट गए। इसके बाद सीता स्वरूप देवी कालिका शांत हुई। इसलिए गुस्से को शांत करने के लिए इस रूप की पूजा की जाती है।

मां सती की गिरी थी पांव की 4 अंगुली

शास्त्रों के अनुसार माना जाता है की इस जगह सती मां के दांए पांव के चार अंगुलियां गिरी थी इसी कारण इसे शक्ति के 51 शक्तिपीठो में माना जाता है ।

मां की प्रंचड मूरत

इस मंदिर में मां काली की प्रचंड मूरत के दर्शन होते है जो विशालकाय है। काली मां की लम्बी जीभ जो सोने की बनी हुई है बाहर निकली हुई है और हाथ और दांत भी सोने से ही बने हुए है।

इस अवतार में है मां काली

काली माता की मूर्ति का चेहरा श्याम रंग में है और आंखे और सिर सिन्दुरिया रंग में है। सिन्दुरिया रंग में ही मां काली के तिलक लगा हुआ है और हाथ में एक फांसा भी इसी रंग में रंगा हुआ है।

स्नान कराते समय बांध दी जाती है पुरोहित की आंखो में पट्टी

देवी को स्नान कराते समय धार्मिक मान्यताओं के कारण प्रधान पुरोहित की आंखों पर पट्टी बांध दी जाती है। मां कालिका के अलावा शीतला, षष्ठी और मंगलाचंडी के भी स्थान है।

साल 1809 में हुआ इस मंदिर का निर्माण

माना जाता है की यह मंदिर 1809 के करीब बनाया गया था । इस शक्तिपीठ में स्थित प्रतिमा की प्रतिष्ठा कामदेव ब्रह्मचारी (सन्यासपूर्व नाम जिया गंगोपाध्याय) ने की थी।

23 अक्टूबर को दुर्गा विसर्जन

दशहरा पर विदा नहीं होंगी मातारानी

दुर्गा विसर्जन 2023?

इस साल दुर्गा विसर्जन महानवमी के दिन करना उचित है। इस बार महानवमी 23 अक्टूबर दिन सोमवार को है। ऐसे में दुर्गा विसर्जन भी 23 अक्टूबर को करें। 24 को मंगलवार होने के कारण दुर्गा विसर्जन दशहरा पर नहीं करें।

शारदीय नवरात्रि में जो लोग अपने घर पर या पंडाल में मां दुर्गा की मूर्तियां रखते हैं, वे महानवमी के अगले दिन दशहरा पर दुर्गा विसर्जन करते हैं, जबकि घरों में दुर्गा विसर्जन महानवमी को होता है। मां दुर्गा को खुशी-खुशी विदा करते हैं ताकि वे फिर अगले साल पधारें और जीवन में खुशहाली आए। हालांकि इस साल दुर्गा विसर्जन दशहरा के दिन नहीं होगा। काशी के इस वर्ष दशहरा 24 अक्टूबर मंगलवार के दिन पड़ रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंगलवार के दिन बेटी को विदा नहीं करते हैं, ऐसे में मां दुर्गा की विदाई मंगलवार को कैसे कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि इस वर्ष दुर्गा विसर्जन कब है? दुर्गा विसर्जन का समय क्या है? मां दुर्गा किस वाहन पर सवार होकर विदा होंगी?

कब है दुर्गा विसर्जन 2023?

इस साल दुर्गा विसर्जन महानवमी के दिन करना उचित है। इस बार महानवमी 23 अक्टूबर दिन सोमवार को है। ऐसे में दुर्गा विसर्जन भी 23 अक्टूबर को करें। 24 को मंगलवार होने के कारण दुर्गा विसर्जन दशहरा पर नहीं करें। दुर्गा विसर्जन अक्षत और मंत्र से होगा, लेकिन ध्यान रखें कि घरों में कलश और पंडाल में दुर्गा मूर्ति को स्थान से हटाया नहीं जाएगा। दशहरा को कलश और दुर्गा मूर्ति अपने स्थान पर रहेंगे। 25 अक्टूबर बुधवार को सूर्योदय बाद से दुर्गा मूर्ति और कलश को स्थान से हटाएं। दुर्गा मूर्ति को नदी, तालाब, पोखर आदि में विसर्जित कर दें।

महानवमी की तिथि कब से कब है?

पंचांग के अनुसार, इस साल शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि की शुरूआत 22 अक्टूबर को शाम 07 बजकर 58 मिनट पर होगा और यह तिथि 23 अक्टूबर को शाम 05 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि की मान्यता के आधार पर महानवमी 23 अक्टूबर को है।

रवि और सर्वार्थ सिद्धि योग में दुर्गा विसर्जन

महानवमी के दिन रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातःकाल में 06:27 बजे से शुरू हो जाएगा और शाम 05:14 बजे तक रहेगा, जबकि रवि योग पूरे ही दिन है। ऐस में दुर्गा विसर्जन रवि और सर्वार्थ सिद्धि योग में होगा।

दुर्गा विसर्जन का समय 2023

महानवमी के दिन आप मां सिद्धिदात्री की पूजा और नवरात्रि का हवन करें। यदि 9 दिन का व्रत हैं तो पूजा के बाद पारण करें। फिर दोपहर में 2 बजे से लेकर दोपहर 03:30 बजे के मध्य कभी भी अक्षत और मंत्र से दुर्गा विजर्सन करें। फिर 25 अक्टूबर को घरों में स्थापित नवरात्रि कलश को स्थान से हटा दें। विधि विधान से मां दुर्गा को विदा करें। उनकी मूर्तियों का विसर्जन करें।

इस साल मुर्गे पर विदा होंगी मां दुर्गा

इस बार दशहरा मंगलवार को है, इसलिए मां दुर्गा के विदा होने का वाहन मुर्गा है। मां दुर्गा मुर्गे पर सवार होकर विदा होंगी। जब मां दुर्गा मुर्गा पर विदा होती हैं तो वह लोगों के कष्ट को बढ़ाने वाला हो सकता है। लोगों की परेशानियों में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

नवरात्रि का सातवां दिन

मां कालरात्रि की आराधना से हर तरह का भय होगा नष्ट

मां कालरात्रि दुर्गा का सातवां स्वरूप है । यह स्वरूप काल का नाश करने वाला है, इसी वजह से इन्हें कालरात्रि कहा जाता है। इनका वर्ण अंधकार की भांति एकदम काला है। बाल बिखरे हुए हैं और इनकी माला बिजली की भांति देदीप्यमान है। इन्हें तमाम आसुरिक शक्तियों का विनाश करने वाला बताया गया है।

वाहन व स्वरूप

इनका वाहन गर्दभ अर्थात गधा है। माता कालरात्रि के तीन नेत्र और चार हाथ हैं। एक हाथ में खड्ग है तो दूसरे में लौहास्त्र, तीसरे हाथ में अभय-मुद्रा है और चौथे हाथ में वर-मुद्रा है।

महत्त्व

मां कालरात्रि की आराधना के समय भानु चक्र जाग्रत होता है। हर प्रकार का भय नष्ट होता है। जीवन की हर समस्या को पलभर में हल करने की शक्ति प्राप्त होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

वामपादोल्लसल्लोह, लताकंटकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा, कालरात्रिभयंकरी।।

(अपने बाएं पैर में चमकने वाली लौह लता व कांटों की तरह आभूषण पहनने वाली, बड़े ध्वजा वाली और भयंकर लगने वाली कालरात्रि मां हमारी रक्षा करें)

भोग : उपवास के बाद माता को गुड़ का भोग लगाने से आने वाले शोक और आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है

400 साल पुराना मां का वो मंदिर जिसके नाम पर बसा है मुंबई शहर

आज हम आपको मुंबई के एक बहुत अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें शहरवासियों की गहरी आस्था है। कहा जाता है कि मुंबई का नाम भी इसी के नाम पर ही रखा गया है। चलिए जानते हैं मंदिर से जुड़े रोचक बातें।

मुंबई का ये प्रसिद्ध मुंबा देवी मंदिर है जो सबसे पहले साल 1737 में मेंजिस नाम की एक जगह पर बना था जहां आज विक्टोरिया टर्मिनस बिल्डिंग है, लेकिन फिर अंग्रेजो ने इसे मरीन लाइन्स-पूर्व क्षेत्र में बाजार के बीचों-बीच स्थापित कर दिया। उस वक्त मंदिर के तीनों ओर बड़े-बड़े तालाब थे जिन्हें पाट कर अब मैदान बना दिया गया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि, इस मंदिर का इतिहास करीब 400 साल पुराना है।

कहते है ये मंदिर मछुआरों ने स्थापित किया था। उनका मानना था कि मुंबा देवी समुद्र से उनकी रक्षा करती हैं। मुंबा देवी मंदिर को बनाने के लिए पांडू सेठ ने जमीन दान की थी। इसलिए सालों उनका परिवार ही मंदिर की देख-रेख करता रहा था। फिर मुंबई हाई कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा कि अब मंदिर की देख-रेख मुंबा देवी मंदिर न्यास करेगा। बता दें कि मां मुंबा हर दिन अलग-अलग वाहनों पर सावर होती है जिन्हें चांदी से बनाया गया है। इस मंदिर में प्रतिदिन 6 बार आरती होती है।

इन्होंने दान की थी जमीन

यह मंदिर अपने मूल रूप में उस जगह बना था, जहां आज विक्टोरिया टर्मिनस बिल्डिंग है। इसका निर्माण साल 1737 में हुआ था। बाद में अंग्रेजों के शासन के दौरान मंदिर को मैरीन लाइन्स-पूर्व क्षेत्र में बाजार के बीच में स्थापित किया। उस मंदिर के तीन ओर एक बड़ा तालाब था, जो अब पाट कर बराबर कर दिया गया है। इस मंदिर की भूमि पांडु सेठ ने दान की थी। शुरू में मंदिर की देखरेख भी उन्हीं का परिवार करता था।

नेशनल अवॉर्ड जीतने की खुशी में आलिया भट्ट ने खुद को गिफ्ट की लग्जरी कार

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को हाल ही में फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला है और हर जगह से एक्ट्रेस को बधाई मिल रही है. बता दें आलिया के करियर का ये पहला नेशनल अवॉर्ड है तो ऐसे में जाहिर सी बात है कि ये पूरे परिवार के लिए गर्व की बात होगी. इस अवॉर्ड को पाकर आळिया सांतवे आसमान पर हैं, ऐसे में उन्होंने खुद को तोहफे के तौर पर एक लग्जरी कार खरीदी है जिससे जुड़ा वीडियो जमकर वायरल हो रहा है. दरअसल आलिया ने अवॉर्ड जीतने के और नवरात्रि के शुभ मौके पर खुद को ब्रैंड न्यू कार गिफ्ट की है और इसकी कीमत लाखों में नहीं बल्कि करोड़ों में है. तो आइए जानते हैं हमारी गंगू ने कौन से नई कार खरीदी है.

आलिया ने खरीदी इतने करोड़ की कार

वायरल वीडियो में आलिया की नई ब्लैक कलर की कार पर फूलों की माला लटकी हुई दिखाई दे रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया ने रेंज रोवर की ऑटोबायोग्राफी लॉन्ग व्हील बेस खरीदा है, जिसकी कीमत 3.81 करोड़ रुपए है. अब इस कार की कीमत सुन फैंस शॉक हो गए हैं. यूजर्स का कहना है कि इतनी तो लोगों की सालों की सैलरी होती है.

3 करोड़ के कार की मालकिन आलिया

हाल ही में एक मशहूर फोटोग्राफर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अभिनेत्री की नई कार की झलक लोगों के साथ साझा की है, उनकी नई कार का नाम रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी लॉन्ग व्हीलबेस है. आलिया भट्ट ने यह कार खुद को गिफ्ट की है, जिसकी कीमत तीन करोड़ 81 लाख रुपये है.

इतने कारों की मालिका हैं गंगू

आपको बता दें आलिया भट्ट के पास इसके अलावा भी कई लग्जरी गाड़ी हैं। जैसे रेंज रोवर वोग, जो 2.5 करोड़ रुपए की है. दूसरी बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज की 730D, जो 1.38 करोड़ रुपए की है और तीसरी ऑडी ए6 है, जिसकी कीमत लगभग 60 लाख रुपए है. आलिया की फेवरेट कारों की लिस्ट में ऑडी की एसयूवी क्यू7 भी शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 1 करोड़ रुपए के आस पास है.

जीता पहले नशेनल अवॉर्ड

बता दें कि आलिया को 17 अक्टूबर को दिल्ली में फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार मिला.

मलाइका अरोड़ा ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में दिखाई हुस्न की अदाएं, लोग बोले 'उर्फी को टक्कर !

मलाइका अरोड़ा पिछले काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं और वो इन दिनों अपने प्यार अर्जुन कपूर संग भी बेहद कम नजर आ रही हैं. हालांकि इन सबके बीच एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा जब एक इवेंट में नजर आई तो हर किसी की नजरें उनपर जाकर टिक गई. 49 साल की मलाइका अरोड़ा की खूबसूरत अभी भी ठीक वैसे ही बरकरार है जैसा कि उनके डेब्यू के दिनों में थी. आज भी उनका फैशन और लुक बड़े-बड़े लोगों की बोलती कर देती है. हालांकि वो हर बार अपने फैशन की वजह से भी जमकर ट्रोल हो जाती है और हालिया उहारण है मलाइका का एक नया ड्रेस. दरअसल हाल में ही एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो को देखने के बाद फैंस एक्ट्रेस को ट्रोल करने में लग गए हैं.

बुरी तरह ट्रोल हुईं मलाइका

मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड और कातिलाना अंदाज के लिए जानी जाती हैं, वह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट से सबका ध्यान खींचने में कामयाब रहती हैं. अक्सर लोग उनके इस अंदाज की तारीफ भी करते हैं, लेकिन एक्ट्रेस इस बार ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं और वो बीते दिन एक इवेंट में पहुंची थीं. मलाइका मलाइका अरोड़ा इवेंट के लिए ट्रांसपेरेंट एक्वा ब्लू शिमरी ड्रेस चुना. खुले बाल, और मैचिंग ईयररिंग और हील्स से उन्होंने अपना कंप्लीट किया. इवेंट वह बेहद प्यारी और ग्लैमरस लग रही थीं हालांकि कुछ यूजर्स को उनका ट्रांसपेरेंट शिमरी ड्रेस कुछ खास नहीं जमा. ऐसे में यूजर्स उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं.

फैंस को नहीं भाया मलाइका का अंदाज

मलाइका के इस वीडियो को फोटोग्राफर वीरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है.. इस दौरान उन्होंने एक ऐसा आउटफिट कैरी किया जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स कर के तबाही मचा दी. एक्वा-ब्लू बॉडी फिट शिमरी गाउन में मलाइका किसी मरमिड से कम नहीं लग रही थीं, इसे उन्होंने ईयररिंग्स और हील्स के साथ पेयर किया था, लेकिन ट्रोल्स को उनका पहनावा काफी रिवीलिंग लगा और उन्होंने एक्ट्रेस की तुलना उर्फी जावेद से कर दी. एक यूजर ने लिखा- उर्फी तो ऐसे ही बदनाम है. वहीं दूसरे ने लिखा- बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम. वहीं एक ने लिखा- ये कौन-सी कंपनी की डिजाइन है.

आखिरी बार 'मूविंग विद मलाइका' में नजर आई थीं

बता दें, मलाइका अरोड़ा आखिरी बार 'मूविंग विद मलाइका' में नजर आई थीं.इसी शो से उन्होंने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था, ये शो उनकी निजी जिंदगी पर बेस्ड था. इस शो में उनके रियल लाइफ फैमिली मेंबर्स भी दिखाए गए थे. वर्कफ्रंट की बात करें तो मलाइका अरोड़ा आखिरी बार आयुष्मान खुराना की फिल्म एन एक्शन हीरो में गाने आप जैसा कोई में नजर आईं थीं. इसके अलावा वह म्यूजिक वीडियो तेरा ही ख्याल में नजर आ चुकी हैं.

एक्साइटमेंट में बदलेगी बोरियत... रियेलिटी शोज की छुट्टी करेगा नया डेटिंग शो, सेलेब्स देंगे लॉयलिटी टेस्ट

अगर आपको भी रियेलिटी शोज देखना पसंद है तो आपके लिए एक खुशखबरी है. रियेलिटी शोज की दुनिया में जल्दी ही एक और रियेलिटी शो की एंट्री होने वाली है. बिग बॉस, एमटीवी स्प्लिट्सविला, झलक दिखला जा जैसे अलग-अलग थीम वाले रियेलिटी शोज के बीच अब एक और नया और एक्साइटिंग रियेलिटी शो दस्तक दे रहा है. ये एक डेटिंग शो होगा, जो Temptation Island का इंडियन एडॉप्शन होगा. खास बात तो ये है कि इस शो की होस्ट भी बेहद खास होने वाली हैं. शो को टीवी इंडस्ट्री की नागिन यानी मौनी रॉय होस्ट करेंगी.

अब अगर शो का नाम ही इनता इंटरेस्टिंग और टेम्प्टिंग है तो जरा सोचकर देखिए कि खुद ये शो कितना जबरदस्त होगा. इस शो के फॉर्मेट की बात करें तो इसमें कपल्स सिंगल लोगों के साथ रहेंगे, जिससे उनकी लॉयल्टी टेस्ट होगी. ये शो भारत के प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जिओ सिनेमा पर स्ट्रीम होगा. जिओ सिनेमा ने सलमान खान के बिग बॉस ओटीटी के साथ रियलिटी शो की दुनिया में कदम रखा. शो की सफलता के बाद, अब प्लेटफॉर्म दुनियाभर में फेमस रियेलिटी सीरीज, टेम्पटेशन आइलैंड का भारतीय एडॉप्टेशन लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है.

अनुमान लगाया जा रहा है कि अभिनेत्री मौनी रॉय शो की होस्ट में से एक होंगी. दुनिया के सबसे बड़े रियेलिटी शो में बतौर होस्ट चुने जाने की अटकलों के बीच हाल ही में मौनी रॉय ने अपनी एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और क्लासी लग रही हैं. इस फोटो में मौनी ने ऑरेंज कलर का को-ऑर्ड सेट पहना है. इसी के साथ उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट भी लिखा, जिससे अभिनेत्री के टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया के साथ जुड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं.

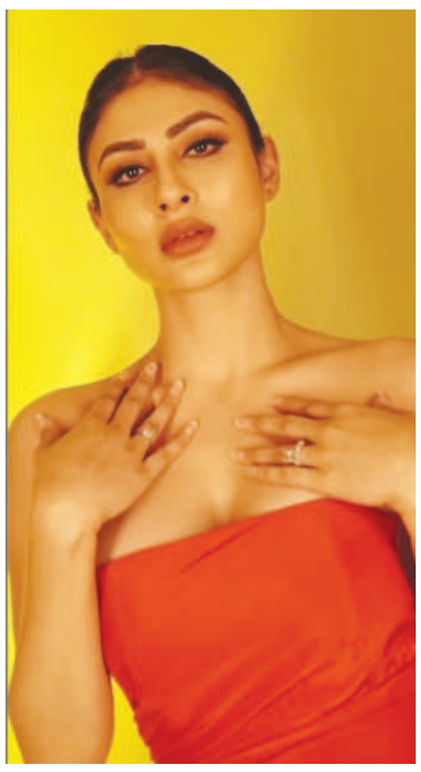

मौनी रॉय ने इस फोटो को सेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'आपको तब तक ये पता नहीं होता कि असल टेम्टेशन क्या है, जब तक आप यह नहीं देख लेते कि कल क्या होने वाला है.' चर्चा है कि इस पॉपुलर रियेलिटी शो में सेलिब्रिटी कपल अपने रिश्ते की परीक्षा देते नजर आएंगे. ऐसे में इस रियेलिटी शो का फैंस के बीच

'द केरल स्टोरी' के बाद 'बस्तर : द नक्सल स्टोरी' में नज़र आएंगी अदा शर्मा

फिल्म द केरल स्टोरी के बाद, प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह, निर्देशक सुदीप्तो सेन और एक्ट्रेस अदा शर्मा अब अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं, जिसका नाम है 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी'. इस फिल्म का शूट शुरू हो चुका है. मुहूर्त पूजा के साथ शूटिंग की शुरुआत हुई और पहले दिन का शूट लोकेशन पर हुआ. पूजा में विपुल अमृतलाल शाह, सनशाइन पिक्चर्स से आशिन ए. शाह, निर्देशक सुदीप्तो सेन और अभिनेत्री अदा शर्मा मौजूद थे. पूजा के बाद, अदा शर्मा ने अपने पहले शॉट को लोकेशन पर शूट किया. उन्होंने अपने पहले डायलॉग को भी डिलीवर किया. इस मौके पर अदा को मिल्ट्री पैंट, ब्लैक कमांडो टी-शर्ट, और कमांडो-स्टाइल बंधाना में देखा गया. ये कहना गलत नही होगा की इस खबर ने फिल्म देखने के इंतज़ार को दर्शकों के बीच बढ़ा दिया है."

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और आशिन ए शाह द्वारा सह-निर्मित, 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित हैं. इसमें अदा शर्मा मुख्य भूमिका में होंगी. सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म लास्ट मॉन्क मीडिया के सहयोग से बनाई गई है जो 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी.

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म

फिल्म मेकर्स के मुताबिक बस्तर एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है, जिस तरह उन्होंने द केरल स्टोरी को लेकर दावा किया था. मेकर्स के अनुसार बस्तर एक रियल लाइफ इंसीडेंट से प्रेरित है. इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर शेयर किया था जिसपर लिखा था- 'छिपा हुआ सच जो देश में तूफान ले आएगा'.

इससे पहले बनाई थी 'द केरल स्टोरी'

शाह और सुदीप्तो ने पहली बार 'द केरल स्टोरी' में काम किया, जो 2023 में बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे सफल फिल्मों में से एक बनकर उभरी. द केरल स्टोरी कथित तौर पर राज्य की हजारों युवा महिलाओं के इस्लामिक स्टेट (आईएस) में शामिल होने और सीरिया और अफगानिस्तान जैसे देशों में जाने के लिए ब्रेनवॉश किए जाने पर आधारित थी.

ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही केरल स्टोरी सवालों के घेरे में आ गई थी. फिल्म के ट्रेलर में दावा किया गया था कि केरल से 32,000 महिलाएं लापता हो गईं, कई लोगों ने इस आंकड़े पर सवाल खड़े किए. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे 'विकृत कहानी' करार दिया था, साथ ही फिल्म को राज्य में बैन भी कर दिया था.

क्या बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ेगा गणपत

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ , कृति सेनन और अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'गणपत' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है और इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. वैसे तो साल 2023 में बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक फिल्में रिलीज हुई है. कुछ थिएटर्स में धमाल मचाई तो कुछ बुरी तरीके से फ्लॉप साबित हुई. वहीं, टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की फिल्म 'गणपत' सिनेमाघरों में रिलीज हो है.गणपत' में फिल्म 'हीरोपंती' के बाद एक बार फिर से टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की जोड़ी ऑडियंस को देखने को मिलेगी. फिल्म से उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल की बाकी सुपरहिट फिल्मों की तरह ये भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई से नया रिकॉर्ड बनाएगी. तो कल रिलीज होने वाली फिल्म की एडवांस बुकिंग से जानते हैं कि गणपत की ओपनिंग डे की शुरूआती कैसी होगी?.

टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की फिल्म 'गणपत' एक एक्शन पैक्ड फिल्म है, जिसे भारत की पहली डायस्टोपियन मूवी भी कहा जा रहा है. जिसको लेकर फैंस के बीच काफी एक्ससाइटमेंट देखने को मिल रही है. लेकिन ऑडियंस का फिल्म को लेकर क्रेज टिकट बुकिंग पर दिखाई नहीं दे रही है. हिंदी भाषा के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होने वाली इस फिल्म को एडवांस बुकिंग काफी स्लो चल रही है. सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक हिंदी वर्जन के लिए गणपत के ओपनिंग डे की एडवांस टिकट सिर्फ 20 हजार 196 टिकट बुक हुई, जिसके बाद फिल्म की लगभग कमाई 32.21 लाख ही हो पाई है.

फिल्म 'गणपत' को लेकर दर्शकों के बीच एक्ससाइटमेंट बढ़ने के लिए फिल्म मेकर्स ने बीते बुधवार को फिल्म का एक नया प्रोमो जारी किया था, जिसमें अच्छी तरीके से क्रोयोग्राफ किए गए एक्शन को दिखाया गया है. इस शूट को 'लिगेसी ऑफ लाइज', 'ट्रिपल थ्रेट' और 'एक्सीडेंट मैन' जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए फेमस हॉलीवुड के एक्शन स्टंट निर्देशक टिम मैन ने डायरेक्ट किया है. वहीं, फिल्म का प्रोमो शेयर करते हुए फिल्म एक्टर टाइगर श्रॉफ ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखा है. उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि '2 साल का ये सफर आखिरकार जीवंत हो गया. गणपत की दुनिया जल्द ही आपकी होगी. एडवांस बुकिंग चालू.

थलपति विजय ने पूरी फिल्म को अपने कंधों पर ढोया; लोकेश कनगराज का डायरेक्शन इस बार साधारण

थलपति विजय और डायरेक्टर लोकेश कनगराज की फिल्म लियो आज 19 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। फिल्म में हाईवोल्टेज एक्शन सीन्स हैं। एक साधारण जीवन जीने वाला पार्थी यानी विजय की जिंदगी में अचानक भूचाल आ जाता है। उसके और खूंखार गैंगस्टर एंटनी दास बने संजय दत्त के बीच बहुत संघर्ष होता है। लियो एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, इसकी लेंथ 2 घंटे 39 मिनट है।

फिल्म की कहानी क्या है?

पार्थी (विजय) हिमाचल प्रदेश में एक कॉफी शॉप चलाता है। अपनी पत्नी सत्या और दो बच्चों के साथ वो खुशहाल जिंदगी जीता है। हालांकि उसकी खुशहाल जिंदगी को किसी की नजर लग जाती है। एंटनी दास (संजय दत्त) पार्थी पर हमला करने लगता है। एंटनी को लगता है कि पार्थी उसका बेटा है। यहीं से पार्थी के लिए मुसीबतें शुरू होती हैं। वो खुद की और अपनी फैमिली की सुरक्षा के लिए लड़ता रहता है।

स्टार कास्ट की एक्टिंग कैसी है?

मूवी रिव्यू लियो

अगर कहा जाए कि इस फिल्म में विजय ने करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस दी है तो गलत नहीं होगा। एक सीधा साधा इंसान कब खूंखार हो जाता है, विजय का यह ट्रांसफॉर्मेशन गजब का है। अपने स्टार वाली इमेज के साथ उन्होंने पूरा न्याय किया है। संजय दत्त ने अपने रोल के साथ पूरी तरह जस्टिस किया है। वहीं विजय की पत्नी के रोल में एक्ट्रेस त्रिशा ने भी अच्छा काम किया है।

कैसा है फिल्म का डायरेक्शन?

वैसे तो लोकेश कनगराज का डायरेक्शन काबिल ए तारीफ होता है, लेकिन इस फिल्म में वो थोड़ा मात खा गए हैं। फिल्म में कुछ कैरेक्टर अचानक से गायब हो जाते हैं। फिल्म काफी हद तक प्रेडिक्टेबल भी है। लोकेश सस्पेंस क्रिएट करने में नाकाम रहे हैं। हालांकि फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर जबरदस्त है, जो इस फिल्म की जान है।

फिल्म का म्यूजिक कैसा है?

अनिरुद्ध रविचंद्रन ने हमेशा की तरह जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर दिया है। एक्शन सीन्स के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक मैच करते हैं। इस फिल्म के कुछ पॉजिटिव चीजों की बात करें तो इसका साउंड ट्रैक और BGM खास तौर पर लोगों को पसंद आएगा।

फिल्म देखें या नहीं?

अगर आप विजय के हार्ड कोर फैन हैं तो यह फिल्म आपको जरूर देखनी चाहिए। शुरुआत से लेकर अंत तक पूरी फिल्म में विजय ही दिखाई देंगे। अगर आप लोकेश कनगराज की फिल्मों और उनकी स्टोरी टेलिंग के फैन हैं तो यह फिल्म आपको थोड़ा निराश जरूर कर सकती है।

बॉलीवुड में रुपाली को मिला था कास्टिंग काउच का ऑफर

इसी कारण फिल्म इंडस्ट्री छोड़ टीवी पर आईं, 7 की उम्र में की थी एक्टिंग की शुरुआत

अनुपमा शो फेम एक्ट्रेस रुपाली गांगुली को फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का ऑफर मिला था। इस कारण वो बॉलीवुड छोड़ टीवी इंडस्ट्री में आ गईं। एक इंटरव्यू में रुपाली ने बताया, एक वक्त ऐसा भी था, जब मैं फिल्मों में अच्छा काम नहीं कर पा रही थी। उस वक्त इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच जैसी चीजें भी थीं। इसी वजह से मैंने ये फैसला किया और टीवी इंडस्ट्री से जुड़ गई। कुछ लोग होते हैं, जिन्हें कास्टिंग काउच का सामना नहीं करना पड़ता है। मगर मुझे इसका सामना करना पड़ा और इसलिए मैंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ी।

पिता अनिल गांगुली थे फेमस राइटर और डायरेक्टर

रुपाली गांगुली के पिता अनिल गांगुली, बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर और स्क्रीन राइटर थे। उनकी कुछ फिल्मों में रुपाली ने भी काम किया था। यही कारण था कि जब रुपाली ने बॉलीवुड छोड़ छोटे पर्दे पर दस्तक दिया तो लोगों ने उन्हें ट्रोल किया गया।

अनुपमा के कैरेक्टर ने मेरे दुनिया बदल दी थी- रुपाली

रुपाली ने आगे बताया, उस वक्त मुझे बहुत बुरा फील होता था लेकिन आज मुझे खुद पर गर्व है। अनुपमा के कैरेक्टर ने मुझे वो पहचान दी है, जिसकी मैं मोहताज थी। इस कैरेक्टर ने मेरी पूरी दुनिया बदल दी है। इसके लिए मैं अपने पिता और भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। मुझे लगता है कि उन दोनों की वजह से ही ये मुमकिन हो पाया है।

7 साल की उम्र में की थी एक्टिंग करियर की शुरुआत

रुपाली गांगुली ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 7 साल की उम्र में अपने पिता की फिल्म साहेब से की थी। ये फिल्म 1985 में रिलीज हुई थी। वहीं उन्होंने टीवी डेब्यू शो सुकन्या से 2000 में किया था। हालांकि उन्हें बड़ी पहचान शो साराभाई VS साराभाई के मोनीषा साराभाई कैरेक्टर से मिली थी। रुपाली 2006 में बिग बॉस के पहले सीजन में भी देखी गई थीं। हालांकि वो दसवें हफ्ते में शो से बाहर हो गई थीं।

'महिला के जेल जाने से पूरा परिवार प्रभावित होता है'

सुधा भारद्वाज बोलीं- उन्हें सजा नहीं, इलाज की जरूरत

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। वकील और एक्टिविस्ट सुधा भारद्वाज का कहना है कि महिलाओं को आसानी से जमानत मिलनी चाहिए और बहुत जरूरी होने पर ही जेल में डालना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब सिस्टम एक महिला को सलाखों के पीछे डालता है, तो यह अनजाने में पूरे परिवार को प्रभावित करता है।' सुधा भारद्वाज एल्गार परिषद कार्यक्रम और उसके बाद भीमा कोरेगांव हिंसा में कथित संलिप्तता के लिए 2018 में गिरफ्तार होने के बाद अब जमानत पर बाहर हैं। मुंबई की प्रतिष्ठित एशियाटिक लाइब्रेरी, एक ऐसी जगह जहां शहर के अमीर और गरीब, बूढ़े और जवान सभी ने अपनी छाप छोड़ी है, की खूबसूरत सफेद सीढ़ियों पर बैठी भारद्वाज मंगलवार की उमस भरी शाम को उस दुनिया के बारे में बात करती हैं जो उन्होंने जेल के अंदर देखी थी। वह दुनिया आज भी उनके मस्तिष्क में घूम रही है और अब वह उनकी पुस्तक 'फ्रॉम फांसी यार्ड' में कैद है। यह पुस्तक यरवदा सेंट्रल जेल के 'फांसी यार्ड' की सलाखों के पीछे से देखी गई अपने साथी कैदियों के बारे में भारद्वाज की टिप्पणियों का एक संग्रह है। चूंकि भारद्वाज ने अपनी कैद का अधिकांश समय पुणे जेल में एकांत कारावास में बिताया, इसलिए वह केवल अपने साथी कैदियों से थोड़ी देर ही बात कर सकीं। दिप्रिंट के साथ बातचीत में, उन्होंने सलाखों के पीछे की दुनिया को 'बाहरी समाज का प्रतिबिंब' बताया, जहां विशेषाधिकार प्राप्त लोग, गरीब, अमीर, बूढ़े और युवा एक साथ रहते हैं, और वहां भी वर्ग, जाति, धार्मिक और लिंग भेद उतना ही गहरा है।

एससी ने यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस नेता बीवी श्रीनिवास को दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कथित उत्पीड़न मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बी वी श्रीनिवास को अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा की पीठ ने अपने 17 मई के आदेश को यह कहते हुए पूर्ण कर दिया कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने 17 मई को श्रीनिवास को मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी। पीठ ने कहा, अग्रिम जमानत देने के लिए एक आवेदन है। हमने 17 मई को अंतरिम सुरक्षा प्रदान की थी। असम के वकील ने अग्रिम जमानत देने का विरोध किया। यह ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता ने जांच में सहयोग किया है, हम आवेदन को अनुमति देने के इच्छुक हैं। 17 मई का आदेश पूर्ण किया जाता है।

एचसी ने की थी अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने मई में असम युवा कांग्रेस के निष्कासित प्रमुख द्वारा दर्ज मामले में श्रीनिवास की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन पर मानसिक पीड़ा पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत ने 17 मई को असम सरकार को नोटिस जारी कर 10 जुलाई तक याचिका पर जवाब मांगा था। पीठ ने कहा था, हमने आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 के तहत दर्ज शिकायतकर्ता के बयान का भी अध्ययन किया है, जिसे अभियोजन पक्ष ने बहुत विनम्रता से हमारे सामने रखा है। हम इस स्तर पर इसके बारे में कुछ भी टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं क्योंकि इससे मुकदमे में पार्टियों के अधिकारों पर फिर से असर पड़ सकता है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि प्रथम दृष्टया, एफआईआर दर्ज करने में लगभग दो महीने की देरी हुई थी जिसे ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता अंतरिम सुरक्षा का हकदार है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया था कि मामले के संबंध में गिरफ्तारी की स्थिति में, याचिकाकर्ता को 50,000 रुपये की राशि में एक या अधिक जमानत राशि के साथ सॉल्वेंट जमानत जमा करने पर अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाएगा।

एचसी ने दिए थे जांच में सहयोग करने के निर्देश

एचसी ने श्रीनिवास को जांच में सहयोग करने और 22 मई और उसके बाद जब भी बुलाया जाए, पुलिस के सामने पेश होने को कहा था। अदालत ने उन्हें राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा की जा रही जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि उसकी राय है कि यह मामला याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी से पहले जमानत का विशेषाधिकार देने के लिए उपयुक्त नहीं है और इसे खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत अर्जी का निपटारा करते हुए केस डायरी भी लौटा दी थी। श्रीनिवास के वकील ने तर्क दिया था कि आईपीसी की धारा 354 को छोड़कर, विभिन्न धाराओं के तहत मैं आईवाईसी अध्यक्ष के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप जमानती हैं। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला करने या आपराधिक बल का प्रयोग करने से संबंधित है। श्रीनिवास के वकील ने कहा था कि कथित अपराध छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुआ था जो दिसपुर पुलिस स्टेशन के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र से परे था, जहां मामला दर्ज किया गया था।

श्रीनिवास ने की थी एफआईआर रद्द करने की मांग

उच्च न्यायालय ने, दोनों पक्षों को सुनने के बाद, पाया कि पीड़िता की उम्र 35 वर्ष है और कामरूप (मेट्रो) के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुसार, वह संतुष्ट था कि उसने स्वेच्छा से और किसी दबाव या किसी भी प्रभाव में आए बिना गवाही दी थी।

श्रीनिवास ने 26 अप्रैल को उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका में अपील की थी कि महिला द्वारा मानसिक उत्पीड़न और शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत रद्द कर दिया जाए। महिला ने दिसपुर पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि श्रीनिवास पिछले छह महीनों से लगातार उस पर लैंगिक टिप्पणी करके, अपशब्दों का इस्तेमाल करके उसे परेशान और प्रताड़ित कर रहे थे और साथ ही धमकी दे रहे थे कि अगर वह उनके खिलाफ पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करती रही तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने यह भी दावा किया था कि रायपुर में पार्टी के हालिया पूर्ण सत्र के दौरान श्रीनिवास ने उनके साथ धक्का-मुक्की की, उनकी बांह पकड़ ली, उन्हें धक्का दिया और खींचा और अपशब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने उनके खिलाफ शिकायत करने पर पार्टी में उनका करियर बर्बाद करने की धमकी भी दी थी।

महिला ने एक्स पर लगाए थे आरोप

महिला ने 18 अप्रैल को थ्रेड ट्वीट्स में आईवाईसी अध्यक्ष के खिलाफ आरोप लगाए थे। गुवाहाटी पुलिस की 5 सदस्यीय टीम 23 अप्रैल को बेंगलुरु गई और श्रीनिवास के आवास पर एक नोटिस चिपकाया जिसमें उन्हें 2 मई तक दिसपुर पुलिस स्टेशन में पेश होने का निर्देश दिया गया था। कांग्रेस ने महिला को कारण बताओ नोटिस जारी किया और बाद में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए उसे छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। श्रीनिवास ने माफी मांगने के लिए महिला को कानूनी नोटिस भी भेजा था, ऐसा न करने पर उन्होंने कानूनी कार्यवाही शुरू करने की धमकी दी थी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बर्फ में फंसे पंजाब के दो लोगों को बचाया गया

जम्मू, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमपात के कारण जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंथन टॉप इलाके में फंसे पंजाब के दो पर्यटकों को शुक्रवार को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी कि अनंतनाग से किश्तवाड़ की ओर जा रहे पंजाब के दो लोग सिंथन टॉप पर फंसे हुए हैं। इसके बाद, पुलिस अधीक्षक खलील पोसवाल के निर्देश पर एक अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए दोनों पर्यटकों पीयूष विज और मोहम्मद शरीफ को बचाया गया। उन्होंने बताया कि दोनों स्वस्थ हैं तथा तुरंत बचाव अभियान चलाने के लिए किश्तवाड़ पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने सभी स्थानीय लोगों और पर्यटकों को दूरदराज या ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा करते समय सावधानी बरतने को कहा।

केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला हर वार्ड को छठ पूजा के लिए राशि

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में छठ पर्व को लेकर भी सियासी हलचल तेज है। कुछ दिनों पहले दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद मनोज तिवारी ने यमुना घाट का मुआयना कर वहां के पानी का जायजा लिया था। यमुना घाट पर साफ सफाई का मुआयना करने के बाद वीरेंद्र सचदेवा और मनोज तिवारी ने दिल्ली सरकार पर हमला बोला था। साथ ही पूर्वांचलवासियों की उपेक्षा का आरोप लगाया था। अब दिल्ली सरकार ने छठ पूजा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली सरकार ने एमसीडी के हर वार्ड में छठ पूजा की तैयारियों के लिए पार्षदों को 40 हजार रुपये देने का ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक इन पैसों को दिल्ली नगर निगम के हर वार्ड में घाटों की साफ सफाई, बिजली और पानी की व्यवस्था के लिए किया जाएगा। एमसीडी मेयर डॉ। शैली ओबेरॉय ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि अप्रोच रोड से छठ घाट तक स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। हर वार्ड में दो घाट तैयार करने के लिए हेड अकाउंट से फंड दिया जाएगा। दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष्ज्ञ वीरेंद्र सचदेवा ने हाल ही दिल्ली की विकास मंत्री आतिशी पर पूर्वांचलियों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि छठ की तैयारियों को लेकर आतिशी तमाम मीटिंग्स करने का दावा कर रही हैं। हकीकत यह है कि वह यमुना सफाई को लेकर लोगों को बड़गला रही हैं। यमुना के पानी का मुआयना करने के बाद उन्होंने कहा कि कालिंदी कुंज पर यमुना के ऊपर सफेद झाग की मोटी चादर बिछी हुई है। यमुना का पानी इतना प्रदूषित है कि कोई हाथ से उसे छू लें तो बीमार हो जाए। यमुना की बदहाली सीएम अरविंद केजरीवाल की पूर्वांचल आस्था विरोधी सोच का प्रतीक है। वहीं पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली में रहने वालों की औसत आयु लगातार कम हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह यमुना की सफाई को लेकर केजरीवाल सरकार का गैर जिम्मेदाराना रवैया है।

कर्नाटक में तीन साल पहले लापता हुई महिला की हत्या की गुत्थी सुलझी, पति और भाई गिरफ्तार

बेलगावी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। (कर्नाटक)कर्नाटक पुलिस ने तीन साल पहले लापता हुई महिला की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए बेलगावी जिले से उसके पति, दो भाइयों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार महिला की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने वाला उसका पति जो खुद को पहले निर्दोष बता रहा था, इस मामले का मुख्य आरोपी निकला। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पीड़िता के पति विट्ठल लक्ष्मण बंगी, उसका भाई लक्कप्पा कंबली, सिद्दागोंडा कंबली और मुख्य आरोपी बंगी के दोस्त बसवराज कब्बूरे और अशोक मोकाशी के रूप में की गई। पुलिस के अनुसार शिवलीला विट्ठल बंगी (32) की जनवरी 2020 में हत्या कर दी गई थी।

तृणमूल के पूर्व दिग्गजों पार्थ चटर्जी व अनुब्रत मंडल के लिए जेल में दूसरी दुर्गा पूजा

कोलकाता, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। लगभग पूरा पश्चिम बंगाल दुर्गा पूजा की उत्सवी भावना में डूबा हुआ है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के दो पूर्व दिग्गज नेता - पार्थ चटर्जी और अनुब्रत मंडल लगातार दूसरा त्योहारी सीजन सलाखों के पीछे बिताएंगे। पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव चटर्जी दक्षिण कोलकाता में प्रेसीडेंसी सेंट्रल सुधार गृह में होंगे, लेकिन मंडल नई दिल्ली में तिहाड़ सुधार गृह में त्योहार बिताएंगे। चटर्जी को पश्चिम बंगाल में स्कूल में नौकरी के लिए करोड़ों रुपये के नकद मामले में कथित संलिप्तता के लिए पिछले साल जुलाई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था, जबकि मंडल को करोड़ों रुपये के पशु तस्करी घोटाले के संबंध में पिछले साल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। शुरुआत में मंडल को दक्षिण कोलकाता के उसी सुधार गृह में रखा गया था, लेकिन बाद में उन्हें राष्ट्रीय राजधानी की जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन यह पहला साल होगा, जब उनकी बेटी सुकन्या मंडल भी दुर्गा पूजा के चार दिन तिहाड़ में बिताएंगी। चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के लिए भी यह सलाखों के पीछे दूसरी पूजा होगी, जिनके दो आवासों से ईडी के अधिकारियों ने पिछले साल जुलाई में भारी नकदी और सोना बरामद किया था। वह वर्तमान में दक्षिण कोलकाता में अलीपुर महिला सुधार गृह में भी रखी गई हैं। यहां तक कि तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य, जिन्हें अक्टूबर 2022 में स्कूल में नौकरी के मामले में ईडी के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था, इस त्योहार को कैद में बिताएंगे। यही हाल उनके बेटे सौविक भट्टाचार्य का भी होगा। तृणमूल कांग्रेस के एक और विधायक जीबन कृष्ण साहा की कहानी भी कुछ अलग नहीं है, उन्हें इसी साल अप्रैल में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

कोई भी लड़की रेप का झूठा आरोप नहीं लगाती मुंबई कोर्ट ने इसकी वजह भी बता दी

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विशेष पॉक्सो अदालत ने कहा कि कोई भी भारतीय लड़की रेप का झूठा आरोप नहीं लगाएगी, क्योंकि अगर वो झूठी साबित हुई तो उसे जीवनभर तिरस्कार की नजर से देखा जाएगा। और तो और खासकर अविवाहित लड़की के लिए योग्य वर ढूंढना मुश्किल होगा। 2021 में अपने दोस्त, अपने पड़ोस की 16 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने के लिए 21 वर्षीय शख्स को दोषी ठहराया और 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश एस।एम टाकलिकर ने कहा कि अगर कोई लड़की झूठी पाई गई तो उसे जीवन भर समाज में तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाएगा। विशेषकर अविवाहित कन्या के लिए योग्य वर ढूंढना कठिन होगा। इसलिए, जब तक वास्तव में कोई अपराध न किया गया हो, एक लड़की यह स्वीकार करने में भी बेहद अनिच्छुक होगी कि वास्तव में ऐसी कोई घटना घटी है जिससे उसकी पवित्रता पर असर पड़ने की संभावना है; वह समाज द्वारा बहिष्कृत होने के खतरे के प्रति सचेत होगी। न्यायाधीश ने कहा कि पीड़िता के पास झूठी गवाही देने और आरोपी को फंसाने का कोई कारण नहीं है। कोर्ट ने देखा कि आरोपी पीड़िता का अच्छा दोस्त था। न्यायाधीश ने कहा,इसके अलावा, पीड़िता की आरोपी के साथ कोई दुश्मनी नहीं है। इस बारे में कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं लाया गया है कि वह आरोपी के खिलाफ गवाही क्यों दे रही है। इसलिए, पीड़िता का यह सबूत कि आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया था, मुझे विश्वसनीय लगता है। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि भले ही बहस के लिए यह मान लिया जाए कि आरोपी और लड़की के बीच प्रेम संबंध है, इससे उसे उसका यौन

बहुत सेक्सी हो, दोस्त बनोगी? दिल्ली में रूसी यूट्यूबर से बदसलूकी वीडियो देख भड़के लोग

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक रूसी महिला यूट्यूबर को बदसलूकी का सामना करना पड़ा है। महिला यहां के लोकप्रिय स्ट्रीट मार्केट सरोजनी नगर में ब्लॉगिंग कर रही थी, तभी एक युवक ने आकर उसके साथ बदसलूकी शुरू कर दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला युवक से पीछा छुड़ाना चाहती थी, लेकिन वह बार-बार उसे अपना दोस्त बनाने की जिद पर अड़ा रहा। यूट्यूबर ने इस घटना का वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद इंडियन्स का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। लोगों ने लड़के को जमकर लताड़ने के बाद यूट्यबर से ऐसी हरकत के लिए माफी भी मांगी है।

राम मंदिर के उद्घाटन में 160 देशों के प्रतिनिधि आएंगे अयोध्या

अयोध्या, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर निर्माणाधीन भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दुनिया के 160 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से देशभर के विभिन्न मत, पंथ, सम्प्रदायों के प्रमुख संतों के अलावा विदेशों में रहने वाले हिंदू संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रण भेजा जाएगा। ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारी के अनुसार राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 136 सनातन परम्पराओं के 25 हजार हिंदू संतों को आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर 160 देशों के अतिथि भी कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। विदेश में रहने वाले हिंदू अब राम मंदिर के लिए चंदा भी दे सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत आवश्यक अनुमति दे दी है। विश्व हिंदू परिषद पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि से पूजित अक्षत एक से 15 जनवरी तक पूरे भारत के पांच लाख गांवों में वितरित किया जाएगा। नवंबर में एक बैठक होगी जिसमें देशभर के सभी प्रांतों के पदाधिकारी अयोध्या आएंगे। उक्त पदाधिकारी श्रीराम जन्मभूमि से पूजित अक्षत अपने-अपने प्रांतों में लेकर जाएंगे। इसके बाद प्रांत की योजना के अनुसार संगठन के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को अयोध्या आने का आमंत्रण देंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के निवास व भोजन की व्यवस्था भी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट करेगा। राम मंदिर उद्घाटन से पहले 30 दिनों तक हर दिन एक लाख लोगों को भोजन कराया जाएगा। इसके अलावा अयोध्या के कई स्थानों पर टेंट सिटी निर्माण का कार्य भी चल रहा है। कार्यक्रम के लाइव प्रसारण व एवं कवरेज के लिए दुनिया भर से 10 हजार पत्रकार अयोध्या आएंगे। कार्यक्रम कवरेज करने वाले पत्रकारों के लिए ट्रस्ट की ओर से पास जारी होंगे। इसके अलावा श्रीराम मंदिर आंदोलन के समय रिपोर्टिंग कर चुके पत्रकारों को भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बुलाया जाएगा। इसकी सूची तैयार हो चुकी है।

शादी का झांसा देकर शादीशुदा शख्स ने युवती से बनाए संबंध

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई से शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं, जब युवती गर्भवती हो गई तो उसे गर्भपात करा लेने का दबाव बनाने लगा। मामले में नवी मुंबई पुलिस ने आरोपी शख्स के खिलाफ केस दर्ज किया है। अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि ठाणे जिले के मुंब्रा के रहने वाले 35 वर्षीय आरोपी ने पहले से शादीशुदा और दो बच्चे का पिता होने की बात छिपाई। प्राथमिकी का हवाला देते हुए एपीएमसी थाना प्रभारी ने बताया कि मुंबई के भांडुप इलाके की रहने वाली 26 वर्षीय महिला और आरोपी सितंबर 2022 में कॉन्टैक्ट में आए थे।

बीजेपी एमपी पर 137 करोड़ रुपये का जुर्माना 15 दिन के भीतर जमा कराने के निर्देश

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में प्रशासन ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता एवं महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य एकनाथ खडसे और बीजेपी से लोकसभा सदस्य उनकी पुत्रवधू रक्षा खडसे को संबंधित विभाग की अनुमति के बिना अपनी जमीन से मिट्टी की कथित खुदाई के लिए 137 करोड़ रुपये का जुर्माना देने का निर्देश दिया है। जलगांव के मुक्ताईनगर तालुका के तहसीलदार ने उन्हें छह अक्टूबर को नोटिस जारी किया था। नोटिस में कहा गया है कि खुदाई के लिए अधिकारियों से अनुमति नहीं ली गई थी। इसमें कहा गया है कि जिस जमीन पर खुदाई की गई वह एकनाथ खडसे, उनकी पत्नी मंदाकिनी खडसे, बेटी रोहिणी खडसे और पुत्रवधू रक्षा खडसे की है। इसमें कहा गया है

कि नोटिस जारी होने की तारीख से 15 दिन के भीतर 137,14,81,883 रुपये की जुर्माना राशि का भुगतान किया जाना चाहिए। लगभग चार दशक तक भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे एकनाथ खडसे ने पार्टी छोड़ दी थी और 2020 में शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल हो गये थे। एकनाथ खडसे वर्तमान में महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य हैं। उनकी पुत्रवधू रक्षा खडसे लोकसभा में बीजेपी की सदस्य हैं।

मुस्लिम व्यापारियों का बहिष्कार विवाद: कर्नाटक हाई कोर्ट ने हिंदू कार्यकर्ता के खिलाफ एफआईआर पर लगाई रोक

बेंगलुरु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दक्षिण कन्नड़ जिले में मुस्लिम व्यापारियों को मंदिर परिसर में व्यापार करने की अनुमति देने के मुद्दे पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने के लिए हिंदू कार्यकर्ता शरण पम्पवेल के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर स्थगन आदेश जारी किया। मंगलुरु सिटी साउथ पुलिस ने प्रसिद्ध हिंदू कार्यकर्ता शरण पंपवेल के खिलाफ उस घोषणा के संबंध में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें हिंदुओं से केवल उन हिंदू व्यापारियों की दुकानों में व्यापार करने के लिए कहा गया था, जिन्होंने अपनी दुकानों पर भगवा झंडे लगाए थे।

पुलिस ने सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का मामला दर्ज किया था। न्यायमूर्ति टी।जी।

शिवशंकर गौड़ा की अध्यक्षता वाली पीठ ने एफआईआर पर रोक जारी की और मंगलुरु दक्षिण पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर को नोटिस भी जारी किया। हिंदू कार्यकर्ता शरण पम्पवेल की ओर से बहस करने वाले वरिष्ठ वकील एम। अरुण श्याम ने अदालत को बताया कि एफआईआर में कोई आधार नहीं है। श्याम ने अदालत में कहा कि पुलिस द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज किया गया मामला राजनीति से प्रेरित है और गलत इरादे से दर्ज किया गया है। वरिष्ठ वकील ने एफआईआर रद्द करने की भी मांग की। प्रसिद्ध मंगला देवी मंदिर के प्रबंधन ने शुरुआती चरण में केवल हिंदू व्यापारियों को वार्षिक धार्मिक मेले के दौरान व्यापार करने की अनुमति दी थी। लेकिन व्यापारियों के एक समूह द्वारा इस पर सवाल उठाया गया और जिला अधिकारियों को प्रस्तुत किया गया। बाद में, मुस्लिम व्यापारियों को भी मंदिर के परिसर में व्यापार करने की अनुमति दी गई। लेकिन हिंदू कार्यकर्ताओं ने हिंदुओं के स्टालों पर भगवा झंडा फहराने को लेकर एक अभियान चलाया।

छोड़िए अखिलेश, वखिलेश, कांग्रेस और सपा के घमासान पर बोले कमलनाथ

भोपाल, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए बना विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' राज्यों के चुनाव में पूरी तरह बिखरा नजर आ रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज हो गए हैं। उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से सीट की चाहत थी, जो पूरी नहीं हुई। इसके साथ ही यह भी कह रहे हैं कि गठबंधन के रूपरेखा को वह 'शायद समझ नहीं पाए।' बीते दिनों उन्होंने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को निशाने पर लेते हुए 'चिरकुट नेता' बोल दिया। अब एमपी चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे कमलनाथ ने भी अखिलेश को इसी लहजे में जवाब दिया और पत्रकारों के सवाल को इग्नोर करते हुए कहा, "छोड़िए अखिलेश, वखिलेश..." मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। तीन दिवसीय प्रवास पर छिंदवाड़ा पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम कमलनाथ ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस की दूसरी सूची आने पर सभी कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है और हमें जितनी उम्मीद थी उससे भी कहीं ज्यादा सीटों पर हम चुनाव जीतेंगे।

इनके अलावा मध्य प्रदेश में गठबंधन नहीं होने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव

की नाराजगी के सवाल पूछने पर कमलनाथ ने कहा, "छोड़िए अखिलेश, वखिलेश" आपको बता दें कि तीन दिवसीय प्रवास के दौरान पूर्व सीएम कमलनाथ जिले भर में विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके साथ ही पहली सूची में गोटेगांव से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए गए शेखर चौधरी का नाम कट गया है। दूसरी सूची में नाम कट जाने से नाराज शेखर चौधरी आज शाम को छिंदवाड़ा पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ से मुलाकात भी कर सकते हैं।'

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती, ऐसा कहीं होता है?... कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को एक साल तक धोखे में रखा ।

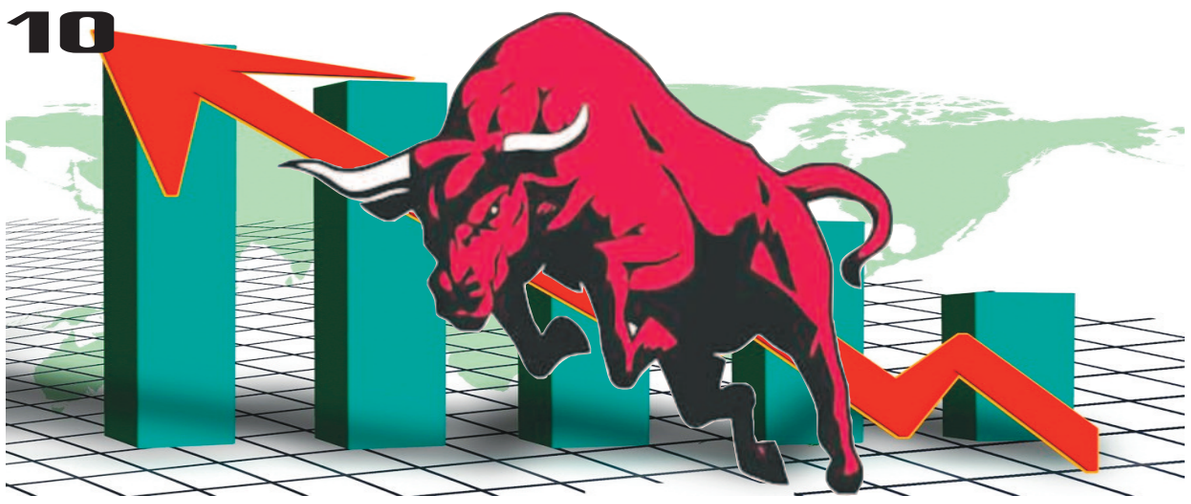

मौद्रिक नीति को सक्रिय रुप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगानी चाहिए', आरबीआई गवर्नर ने कही ये बात

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके ऐसा होने से ही जुलाई में 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से मुद्रास्फीति में गिरावट सुचारू रूप से जारी रही। अपने संबोधन में, गवर्नर दास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों पर एचकेएच चर्चा की और इन जटिलताओं के बीच नीति निर्माण में आवश्यक जटिल संतुलन पर जोर दिया। 'कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरता तथा वित्तीय स्थिरता एक-दूसरे के पूरक हैं और आरबीआई ने दोनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने का प्रयास किया है।सब्जियों तथा ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण सितंबर में सालाना आधार पर खुदरा मुद्रास्फीति घटकर तीन महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में 6.83 प्रतिशत और सितंबर 2022 में 7.41 प्रतिशत थी। जुलाई में मुद्रास्फीति 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने इस साल फरवरी में नीतिगत दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इससे पहले, पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। गवर्नर ने कहा, '' हमने नीतिगत दर पर रोक बरकरार रखी है। अब तक 2.50 प्रतिशत की वृद्धि वित्तीय प्रणाली के जरिए अब भी काम कर रही है...।'' उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान से मौद्रिक नीति का असर तेजी से और प्रभावी रूप से दिखने लगा है। दास ने इस बात पर भी जोर दिया कि मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है। गवर्नर ने अपने भाषण में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब तीन चुनौतियों मुद्रास्फीति, धीमी वृद्धि और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम का सामना कर रही है। घरेलू वित्तीय क्षेत्र के संबंध में उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक तनाव की स्थिति के दौरान भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं को बनाए रखने में सक्षम होंगे। दास ने कहा कि भारत वैश्विक वृद्धि का नया इंजन बनने के लिए तैयार है और मार्च 2024 में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

सोने के दाम चार महीने की ऊंचाई पर

इजरायल-हमास युद्ध और डॉलर के रेट गिरने का असर

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) सोने और चांदी के रेट में आज उछाल के साथ कारोबार देखा जा रहा है जबकि कल इनके रेट में गिरावट देखी गई थी। इजरायल-हमास युद्ध के चलते यूएस फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों पर कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं और इसके असर से डॉलर के रेट पर निगेटिव इफेक्ट आने की आशंका जताई जा रही है। फेडरल रिजर्व अभी ब्याज दरों को लेकर सतर्क बना रहेगा और इसके असर से डॉलर के रेट में भी उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। लिहाजा निवेशक सेफ निवेश की ओर जा रहे हैं और सोना-चांदी को इसी का फायदा मिल रहा है।

चार महीने के ऊंचे लेवल पर आए गोल्ड रेट

कमोडिटी बाजार में एमसीएक्स पर सोना 4 महीने के उच्च स्तर पर आ चुका है और सोना आज जबरदस्त तेजी दिखा रहा है। चांदी के दाम में भी मजबूती के साथ ट्रेड हो रहा है।

एमसीएक्स पर कैसे हैं सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोना 4 महीने के उच्च स्तर पर आ गया है। सोने के रेट में 277 रुपये या 0. 46 फीसदी की उछाल देखी जा रही है और ये 60595 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। आज सोने के रेट ऊपर में 60660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गए थे। सोने के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर कैसे हैं चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज चांदी भी अच्छी उछाल पर कारोबार कर रही है। चांदी के रेट 283 रुपये या 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ 71899 रुपये प्रति किलोग्राम तक आ गए हैं। आज ऊपर में चांदी के दाम 72164 रुपये प्रति किलो तक गए थे। चांदी के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं।

रिटेल बाजार में आज कहां पर हैं सोने के दाम

रिटेल बाजार में भी सोना जबरदस्त उछाल के साथ कारोबार कर रहा है और इसमें 820 रुपये तक के उछाल देखे जा रहे हैं जो इसे 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक ले जा सकते हैं। जानें आपके शहर में आज सोने के दाम क्या हैं-

रिटेल बाजार में सोने के दाम

दिल्लीः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 780 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61690 रुपये पर है। मुंबईः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61530 रुपये पर है। चेन्नईः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 820 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61750 रुपये पर है। कोलकाताः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61530 रुपये पर है। अहमदाबादः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61580 रुपये पर है। बेंगलुरूः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61530 रुपये पर है। हैदराबादः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61530 रुपये पर है। जयपुरः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 780 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61690 रुपये पर है। लखनऊः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 780 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61690 रुपये पर है। सूरतः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61580 रुपये पर है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कैसे हैं सोने-चांदी के दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1976 डॉलर प्रति औंस के रेट के आगे जा रहा है और इसके नियर टर्म में 1980 डॉलर प्रति औंस के दाम देखे जाने की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ग्लोबल बाजार में सोना 1980 डॉलर प्रति औंस के आगे जाएगा तो 2010 डॉलर या 2025 डॉलर प्रति औंस तक भी जा सकता है।

भारत में कम होने लगी महंगाई

आरबीआई को यकीन- सुधरने लगे वृहद आर्थिक हालात

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) भारत में महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने लग गई है। सितंबर महीने में खुदरा महंगाई एक बार फिर से रिजर्व बैंक के दायरे में आ गई, जबकि थोक महंगाई की दर शून्य से कम बनी रही। इस बीच अब रिजर्व बैंक ने भी माना है कि महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने लगी है और इससे अब देश के वृहद आर्थिक हालात बेहतर हो रहे हैं।

रिजर्व बैंक ने कही ये बड़ी बातें

रिजर्व बैंक ने गुरुवार को एक ताजे आर्टिकल में महंगाई और आर्थिक हालात जैसे मुद्दों पर बातें की। सेंट्रल बैंक ने आर्टिकल में साफ कहा है कि भले ही तीसरी तिमाही यानी सितंबर तिमाही से ग्लोबल ग्रोथ की रफ्तार सुस्त पड़ने लगी हो, भारत में वृहद आर्थिक परिस्थितियों में सुधार हुआ है और इसका सबसे बड़ा कारण महंगाई के मोर्चे पर देश में मिल रही राहत है।

इतनी कम हुई खुदरा महंगाई

आपको बता दें कि सितंबर महीने में खुदरा महंगाई की दर कम होकर 5.02 फीसदी पर आ गई। खुदरा महंगाई के मामले में मुश्किलें उस समय बढ़ गई थीं, जब अप्रैल के बाद फिर से तेजी का ट्रेंड लौट आया था और जुलाई में खुदरा महंगाई नए शिखर पर पहुंच गई थी। हालांकि उसके बाद तेजी से सुधार आया और अब खुदरा महंगाई फिर से रिजर्व बैंक के दायरे में है। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई के लिए 6 फीसदी की ऊपरी लिमिट और 2 फीसदी की निचली लिमिट तय की है।

ऐसी हो गई थी महंगाई की स्थिति

इससे पहले जुलाई 2023 में खुदरा महंगाई की दर 7. 44 फीसदी पर पहुंच गई थी। खुदरा मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई आधारित महंगाई अगस्त 2023 में 6. 83 फीसदी रही थी, जबकि साल भर पहले सानी सितंबर 2022 में खुदरा महंगाई की दर 7. 41 फीसदी रही थी। रिजर्व बैंक रेपो रेट तय करते समय खुदरा महंगाई को ही ध्यान में रखता है।

अभी खाद्य महंगाई कम होने से ओवरऑल खुदरा महंगाई कम हुई है।

ताजे बुलेटिन में आया है आर्टिकल

आरबीआई के ताजे बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ दी इकोनॉमी आर्टिकल के अनुसार, हाई फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर बता रहे हैं कि भारत में व्यापक स्तर पर मोमेंटम बनने लगा है। क्षमता का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने और कर्ज के स्तर को कम करने से पूंजी पर निर्भर उद्योगों को गति मिलने लगी है।

जन धन योजना देश में वित्तीय समावेशन का सबसे बड़ा साधन वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को 2014 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना की सराहना की। वित्त मंत्री ने कहा कि यह योजना (पीएमजेडीवाई) देश में वित्तीय समावेशन लाने के सबसे बड़े साधन के रूप में उभरी है। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023 में उद्घाटन भाषण देते हुए, मंत्री ने कहा कि 50 से अधिक सरकारी योजनाओं के तहत लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित किए जा रहे हैं, और पीएमजेडीवाई ने इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि जब यह योजना शुरू की गई थी तो लोगों के एक वर्ग ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक दबाव में होंगे क्योंकि ये शून्य बैलेंस वाले खाते हैं। सीतारमण ने कहा कि आज स्थिति यह है कि इन खातों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। अपने संबोधन में उन्होंने जलवायु वित्तपोषण और इससे जुड़ी चुनौतियों पर भी विस्तार से बात की। मंत्री ने यह भी कहा कि बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) सहित बहुपक्षीय संस्थान मौजूदा वैश्विक स्थिति में कम प्रभावी हो गए हैं। सीतारमण ने वैश्विक आतंकवाद से उत्पन्न चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और जोर देकर कहा कि निवेशकों और व्यवसायों को निवेश निर्णय लेते समय ऐसे कारकों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कर्ज की स्थिति को लेकर सजग है और उसने यह सुनिश्चित करने के लिए राजकोषीय प्रबंधन किया है कि आने वाली पीढ़ी पर बोझ नहीं पड़े।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

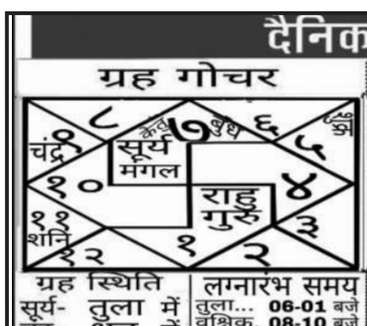

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	06-01 बजे
चंद्र-	धनु में	वृश्चिक.	08-10 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-24 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	12-31 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-21 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	15-59 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-35 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-20 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-20 बजे
		कर्क...	23-32 बजे
		सिंह...	01-45 बजे
		कन्या..	03-51 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-13 सूर्यास्त - 17-47
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **21 -53-** तक उपरान्त अष्टमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , शनिवार **21 October**
नक्षत्र - पूर्वाषाढा - **19- 53 -** तक उपरान्त उ.षाढा
योग - सुकर्मा - **00 - 36 -** तक उपरान्त धृति
करण- गर - **10 -42 -** तक उप- वणिज
विशेष:- सरस्वति पूजन
व्रत -त्योहार - नवोदित पूजा

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:06 से 10:33 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:13 - 07:39 अशुभ	लाभ	17:47 - 19:22 शुभ
शुभ	07:39 - 09:06 शुभ	उत्पात	19:22 - 20:55 अशुभ
रोग	09:06 - 10:33 अशुभ	शुभ	20:55 - 22:28 शुभ
उत्पात	10:33 - 12:01 अशुभ	अमृत	22:28 - 00:01 शुभ
चंचल	12:01 - 13:28 शुभ	चंचल	00:01 - 01:34 शुभ
लाभ	13:28 - 14:55 शुभ	रोग	01:34 - 03:06 अशुभ
अमृत	14:55 - 16:22 शुभ	काल	03:06 - 04:39 अशुभ
काल	16:22 - 17:47 अशुभ	लाभ	04:39 - 06:13 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

मिथून (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें ।असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है । सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे । आपको यह भी समझना है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढ़ाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगे अपने पाचन तन्त्र का ध्यान रखें I त्योहारों के इस मौसम में इसकी उपेक्षा आप कर सकते हैं I

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी । आप आज ऊर्जा और जिन्दादिली से भरे हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं । आप आज अपनी परेशानी के चलते कुछ ऐसा कह या कर सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं । आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ये हैं मुकेश अंबानी के सस्ते शेयर, 50 रुपए से कम की कीमत पर करा रहे ताबड़तोड़ कमाई

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर कारोबारी है। साथ ही उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। जिसका मार्केट कैप 15.55 लाख करोड़ रुपए है। अगस्त के महीने में जियो फाइनेंशियल भी शेयर बाजार में लिस्ट हुई है। जिसकी वैल्यू 1.50 करोड़ के करीब है। क्या आपको जानकारी है कि मुकेश अंबानी के पास ऐसी भी छोटी—छोटी कंपनियां है, जिनके शेयरों की वैल्यू 50 रुपये से कम है। लेकिन निवेशकों को कमाई कराने के मामले में अच्छी कंपनियों को भी पीछे छोड़ रही हैं। आइए आपको भी मुकेश अंबानी की कौन-कौन सी कंपनियां है जो निवेशकों को ताबड़तोड़ कमाई करा रही हैं।

हैथवे भवाली केबलटेल एंड डाटाकॉम लिमिटेड

आज कंपनी का शेयर में कोई खास तेजी देखने को नहीं मिल रही है। जिसकी वजह से कंपनी का शेयर 19 रुपए के करीब करोबार कर रहा है। कंपनी ने एक महीने में निवेशकों को 4.55 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है। वहीं कंपनी ने निवेशकों को 3 महीने में करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते पांच साल में कंपनी ने निवेशकों को 500 फीसदी से ज्यादा की कमाई कराई है।

हैथवे केबल एंड डाटाकॉम लिमिटेड

वैसे आज कंपनी के शेयरों में 2. 50 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं बीते एक महीने में भी कंपनी ने निवेशकों को 2.50 फीसदी का ही नुकसान कराया है। 6 महीने में कंपनी ने 48 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक साल में कंपनी का रिटर्न 22 फीसदी देखने को मिल रहा है। मौजूदा साल में कंपनी ने निवेशकों को 10 फीसदी से ज्यादा की कमाई कराई है। जानकारों की मानें आने वाले दिनों में कंपनी और बेहतर रिटर्न दे सकती है।

आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड

मुकेश अंबानी की इस कंपनी के शेयरों में आज 3.25 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से कंपनी का शेयर 19.35 रुपये पर कारोबार कर रहा है। वैसे एक महीने में कंपनी ने निवेशकों को 2 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। वहीं 6 महीने में कंपनी ने निवेशकों को 63 फीसदी से ज्यादा की कमाई कराई है। एक साल में कंपनी का शेयर 22 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। वहीं मौजूदा साल में कंपनी का रिटर्न 23 फीसदी देखने को मिला है।

टीवी18 ब्रॉडकास्ट लिमिटेड

मुकेश अंबानी की इस मीडिया कंपनी का शेयर आज 46 रुपए पर कारोबार कर रहा है। वैसे एक महीने में कंपनी का शेयर फ्लैट देखने को मिल रहा है। 6 महीने में कंपनी ने निवेशकों को 60.49 फीसदी का रिटर्न दिया है। मौजूदा साल में कंपनी ने निवेशकों को करीब 23 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पांच साल में कंपनी का रिटर्न 25 फीसदी से ज्यादा देखने को मिला है।

टेस्ला के कमजोर नतीजों का दुनिया के सबसे अमीर शख्स की संपत्ति पर असर, 16 अरब डॉलर की आई गिरावट

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) तीसरी तिमाही में टेस्ला की कमजोर आय के कारण एलन मस्क की संपत्ति में गुरुवार को 16.1 अरब डॉलर की गिरावट आई। मस्क 209.6 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वे टेस्ला के 13% शेयरों के मालिक हैं और ऑटो कंपनी से अपनी अधिकांश संपत्ति प्राप्त करते हैं। तिमाही नतीजों में आय और बिक्री दोनों मालों में उम्मीदों से चूकने के बाद टेस्ला के शेयरों में 9.3% की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को आय से जुड़े आंकड़े जारी करने के बाद के बाद एक कॉन्फ्रेंस मस्क ने बार-बार उपभोक्ता विश्वास पर उच्च ब्याज दरों के असर का उल्लेख किया। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में इस साल पहली तिमाही गिरावट दर्ज की गई और कंपनी ने 435,059 वाहनों की आपूर्ति की, जबकि कंपनी द्वारा बार-बार अपनी कारों की कीमतों में कटौती किए जाने के बाद उसका मार्जिन चार साल में सबसे कम हो गया। फिर भी, मस्क की संपत्ति 2023 में 70 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी है, साथ ही बिगड़ते बुनियादी आंकड़ों के बावजूद इस साल टेस्ला के शेयरों में मजबूती लौटी है। एलवीएमएच के बर्नार्ड अरनॉल्ट से कुछ समय के लिए पिछड़ने के बाद मस्क, एक बार फिर बड़े अंतर से दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बन गए हैं। अपने संघर्षों के बावजूद, टेस्ला का कहना है कि यह साल के अंत तक 1.8 मिलियन ग्राहकों को नए वाहन देगा। टेस्ला दुनिया में सबसे मूल्यवान वाहन निर्माता बना हुआ है और कंपनी ने कहा है कि यह नवंबर में अपने पहले लंबे समय से प्रतीक्षित साइबरट्रक का वितरण करेगा, जो निर्धारित समय से लगभग दो साल पीछे है।

एफएमसीजी और मिड कैप स्टॉक्स में बिकवाली ने बिगाड़ा शेयर बाजार का मूड

लगातार तीसरे दिन भारी गिरावट के साथ हुआ क्लोज

नई दिल्ली , 20 अक्टूबर (एजेंसिया) भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं रहा है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार निवेशकों की बिकवाली और मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ बंद हुए है। आज के ट्रेड में सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखी गई। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 232 अंकों की गिरावट के साथ 65,397 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 82 अंकों की गिरावट के साथ 19,543 अंकों पर क्लोज हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में सभी सेक्टर्स के इंडेक्स लाल निशान में बंद हुआ है। एफएमसीजी,मेटल्स,एनर्जी,कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, इंफ्रा, बैंकिंग, आईटी, ऑटो, फार्मा के साथ ही ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। आज के ट्रेड में निफ्टी मिड कैप इंडेक्स और स्मॉल कैप इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयर्स में से 8 शेयर तेजी के साथ और 22 गिरकर क्लोज हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 15 शेयर तेजी के साथ और 35 गिरावट के साथ बंद हुए।

निवेशकों को 2 लाख करोड़ का नुकसान

लगातार तीसरे दिन बाजार में मुनाफावसूली के चलते निवेशकों की संपत्ति में कमी आई है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 318.89 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो पिछले कारोबारी सत्र में 320. 91 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों को 2.02 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

चढ़ने गिरने वाले शेयर

आज के ट्रेड में कोटक महिंद्रा बैंक 1. 80 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1. 43 फीसदी, टीसीएस 1. 14 फीसदी, एनटीपीसी 0. 69 फीसदी, नेस्ले 0.60 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0. 53 फीसदी, भारती एयरटेल 0. 49 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

एमपी में कांग्रेस ने विरोध के डर से 3 टिकट बदले

एक सीट डिप्टी कलेक्टर के लिए छोड़ी

आमला विधानसभा सीट से निशा बांगरे कांग्रेस प्रत्याशी हो सकती हैं, लेकिन सरकार ने उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया है

भोपाल, 20 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 5 दिन में ही विधानसभा चुनाव का सबसे बड़ा और तनावभरा काम निपटाकर कांग्रेस ने भाजपा को पीछे छोड़ दिया। क्रिकेट के टी-20 फॉर्मेट की स्टाइल में दो शॉट में ही 230 में से 229 प्रत्याशी घोषित कर दिए।

गुरुवार रात 11:39 बजे कांग्रेस ने पहली लिस्ट के बाद बची 86 सीटों की जगह 88 प्रत्याशी घोषित किए। 88 इसलिए, क्योंकि पार्टी को तीन सीटों पर पहली लिस्ट के उम्मीदवार बदलने पड़े और एक पर घोषित नहीं किया। अब सिर्फ बैतूल जिले की आमला सीट का मामला बचा है। दूसरी ओर भाजपा टिकटों का टेस्ट मैच ही खेल रही है। टिकट बांटने की शुरुआत करने के दो महीने बाद भी पार्टी में 'मंथन' जारी है। भाजपा ने पहली लिस्ट चुनाव की घोषणा से पहले 17 अगस्त को जारी कर चौंकाया था। इस बार चौंकाने की बारी कांग्रेस की थी।

दल बदलने वालों को कितनी तवज्जो दी?

पूरी तरह स्थानीय समीकरण का ध्यान रखा। भाजपा से आए 5 नेताओं को टिकट दिए गए। रीवा जिले की सेमरिया सीट पर पार्टी के पास कोई मजबूत दावेदार नहीं था तो 24 घंटे पहले पार्टी में आए पूर्व विधायक अभय मिश्रा पर भरोसा कर लिया। निवाड़ी से अमित राय के बारे में कहा जा रहा है कि उनकी तो अभी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता लेने की औपचारिकता भी पूरी नहीं हुई। वे बीजेपी से निष्कासित हुए थे। नौ महीने पहले बीजेपी में वापसी हुई। अब कांग्रेस उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने नर्मदापुरम से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीतासरन शर्मा के भाई गिरिजाशंकर शर्मा को प्रत्याशी बनाया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक जोशी भाजपा में अपनी उपेक्षा से खफा होकर कांग्रेस में शामिल हुए थे। शिवराज सरकार में मंत्री रहे दीपक जोशी की परंपरागत सीट बागली है, लेकिन उन्हें चुनौतीपूर्ण खातेगांव सीट दी है। बदनावर में भाजपा के बागी पूर्व विधायक भंवरसिंह शेखावत पहले ही ऐलान कर चुके थे कि वे चुनाव लड़ेंगे, भले ही भाजपा टिकट दे या नहीं? उनकी इच्छा कांग्रेस ने पूरी कर दी है। उनका मुकाबला मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव से होगा।

आखिर कांग्रेस ने एक सीट क्यों घोषित नहीं किया?

यह सीट बैतूल जिले की आमला है, जहां से डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे चुनाव की दावेदारी कर रही हैं। अब यह तय है कि कांग्रेस उन्हें यहां से चुनाव लड़ाना चाहती है, लेकिन निशा चुनाव से पहले सरकार से लड़ रही हैं। सरकार के खिलाफ बगावती तेवरों के साथ वे इस्तीफा दे चुकी हैं, लेकिन सरकार चाहती है कि वे नौकरी करें, राजनीति नहीं। विभागीय जांच का हवाला देते हुए उनके इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया है। निशा भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। दो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने जबलपुर हाईकोर्ट को आदेश दिए हैं कि वह निशा के इस्तीफे के मामले में जल्द फैसला करें। अब हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार है। निशा के पक्ष में फैसला आता है तो वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी।

6 विधायकों के टिकट क्यों काटे?

कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट में मौजूदा 6 विधायकों को बेटिकट कर दिया है। इनमें तीन तो चंबल-ग्वालियर के हैं, जबकि दो मालवा-निमाड़ और एक भोपाल के हैं। सुमावली से विधायक अजब सिंह कुशवाह को प्रॉपर्टी के एक मामले में सजा हो चुकी है। उनकी जगह कुलदीप सिकरवार को टिकट दिया है। मुरैना से राकेश मावई का टिकट कटने की वजह पिछले महीने ग्वालियर में गुर्जर आंदोलन के दौरान हुआ उपद्रव है। इस मामले में मावई के खिलाफ केस दर्ज है। उपचुनाव में जीते मावई की सर्वे रिपोर्ट भी उनके खिलाफ गई। गोहद से मेवाराम जाटव और सेंधवा के विधायक ग्यारसी लाल रावत सर्वे में पिछड़ गए। उज्जैन जिले के बड़नगर से विधायक मुरली मोरवाल को बेटे की वजह से टिकट गंवाना पड़ा। बेटा रेप का आरोपी है। कांग्रेस ऐसे में भाजपा को सवाल पूछने का मौका नहीं देना चाहती है। ब्यावरा में रामचंद्र दांगी की जगह पुरुषोत्तम दांगी को प्रत्याशी बनाया गया है। सर्वे में पुरुषोत्तम रामचंद्र पर भारी पड़े। रामचंद्र दांगी पिता के निधन के बाद 2020 में उपचुनाव जीतकर विधायक बने थे। भोपाल उत्तर का टिकट आरिफ अकील के परिवार के खाते में ही गया है। उनकी जगह पुत्र आतिफ को टिकट दिया है। आरिफ अकील भी यही चाहते थे, इसलिए माना जाए कि उनका टिकट नहीं कटा है।

3 प्रत्याशियों को टिकट देकर वापस क्यों लिया?

शिवपुरी जिले की पिछोर, दतिया और नरसिंहपुर जिले की गोटेगांव में पार्टी को बैकफुट पर आना पड़ा है। दतिया में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सामने पार्टी ने पहली लिस्ट में अवधेश नायक को टिकट दिया था। वे कुछ दिनों पहले ही भाजपा से कांग्रेस में आए थे, लेकिन टिकट घोषित होते ही उनका विरोध शुरू हो गया था। विरोध की आंच भोपाल तक पहुंच गई थी। पार्टी ने हालात को भांपते हुए टिकट बदलना ही मुनासिब समझा। अब उनकी जगह नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ मैदान से लेकर कोर्ट तक लड़ाई लड़ रहे राजेंद्र भारती को टिकट दिया है। वे 2008 से पेड न्यूज मामले में नरोत्तम के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। पहली लिस्ट में गोटेगांव से विधायक व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति का टिकट काटकर शेखर चौधरी को प्रत्याशी बनाया था। अब फिर प्रजापति को टिकट दे दिया है। इसके पीछे दबाव की राजनीति है। दरअसल, टिकट कटने के बाद भाजपा के नेता प्रजापति के संपर्क में थे। पिछोर में टिकट देकर वापस लेने की कहानी अलग है। यहां से पांच बार के विधायक केपी सिंह को पहली लिस्ट में शिवपुरी शिफ्ट कर दिया। उनकी जगह पिछोर में शैलेंद्र सिंह को टिकट दिया। अब उनकी जगह अरविंद सिंह लोधी को उतारा गया है। इधर, कोलारस से भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह रघुवंशी ने इस आश्वासन के साथ कांग्रेस का हाथ थामा कि उन्हें शिवपुरी से मौका दिया जाएगा। शिवपुरी से चुनाव लड़ने की उनकी इच्छा भाजपा में इसलिए पूरी नहीं हो पाती, क्योंकि वहां से खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया विधायक हैं। हालांकि, यशोधरा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा सार्वजनिक रूप से कर चुकी है। इधर, पिछोर में जातिगत समीकरण के फॉर्मूले में शैलेंद्र सिंह फिट नहीं बैठ रहे थे। भाजपा ने यहां प्रीतम लोधी को टिकट दिया है। अब कांग्रेस ने भी यहां अरविंद सिंह लोधी को टिकट देकर लोधी विरुद्ध लोधी की स्थिति बना दी है। रघुवंशी खाली हाथ ही हैं।

इंदौर-भोपाल में कांग्रेस ने किस रणनीति पर काम किया?

नो रिस्क। भोपाल उत्तर को लेकर यही सवाल था कि पार्टी आरिफ अकील पर ही भरोसा करेगी या उनके भाई पर? स्वास्थ्यगत कारणों से आरिफ अकील खुद चुनाव लड़ना नहीं चाहते थे, लेकिन चाहते थे कि अपनी जगह उनके बेटे को पार्टी मौका दे, जबकि उनके भाई आमिर अकील भी दावेदार थे। पार्टी आरिफ की इच्छा के खिलाफ जा नहीं सकती थी। भोपाल दक्षिण-पश्चिम से पीसी शर्मा और गोविंदपुरा से रवींद्र साहू को टिकट देने के मामले में दिग्विजय सिंह के कोटे का ध्यान रखा गया।

हुजूर में सिंधी वोटर्स के जातिगत समीकरण को ध्यान में रखकर पिछली बार की तरह इस बार भी नरेश ज्ञानचंदानी पर भरोसा किया। जमीनी पकड़ को देखते हुए इंदौर-5 से सत्यनाराण पटेल का टिकट तय था। इंदौर 3 में परिवार में ही टिकट की जंग थी। पार्टी यहां नए चेहरे को उतारना चाहती थी। अश्विन जोशी का टिकट काटकर पूर्व मंत्री महेश जोशी के पुत्र दीपक जोशी को मौका दिया है। महू के राम किशोर शुक्ला भी जमीन से जुड़े हैं। शुक्ला भाजपा में रहने का अनुभव ले चुके हैं। भोपाल और इंदौर के टिकट के मामले में पार्टी ने पूरी तरह सेफ गेम खेला है।

भाजपा के दिग्गजों के सामने क्या रणनीति रही?

सबकी नजर मुरैना जिले की दिमनी सीट पर थी। यहां केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के सामने पार्टी ने मौजूदा विधायक रवींद्र सिंह तोमर पर ही भरोसा जताया है। इसकी खास वजह यह भी है कि वे कभी नरेंद्र सिंह तोमर के करीबी रहे और उन्हें कमियां और खूबियां दोनों पता है। एक वजह यह भी है कि इस सीट पर करीब 70 हजार तोमर राजपूत वोटर हैं। इस दृष्टि से जातिगत समीकरण भी उनके पक्ष में हैं। मंडला की निवास सीट से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के सामने पार्टी ने नए चेहरे चैन सिंह बरकड़े को उतारा है, जबकि यहां से मौजूदा विधायक डॉ.अशोक मर्सकोले को मंडला शिफ्ट कर दिया है। सागर जिले की रहली सीट पर आठ बार के विधायक व मंत्री गोपाल भार्गव के सामने भी पार्टी ने नए चेहरे का प्रयोग किया है। यहां दो बार की जिला पंचायत सदस्य ज्योति पटेल को उतारा है। इस सीट पर कुर्मी, कुशवाहा और लोधी वोटर निर्णायक हैं। पार्टी जातिगत समीकरणों का भी ध्यान रखा है। ज्योति कुर्मी समाज से आती है।

जयस का भी ध्यान रखा

ठीक ठाक। कुल चार सीटें आदिवासी युवा शक्ति (जयस) को दी हैं। मनावर, सेंधवा, रतलाम ग्रामीण और बागली। इस संगठन से कांग्रेस का अघोषित समझौता है। जयस रजिस्टर्ड राजनीतिक संगठन नहीं है, इसलिए इन सीटों पर कांग्रेस के सिंबल पर ही जयस के लोग चुनाव लड़ेंगे। मनावर से मौजूदा विधायक डॉ. हीरालाल अलावा को दोबारा टिकट दिया है। अलावा इस संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक हैं। सेंधवा से तो पार्टी ने जयस के लिए अपने मौजूदा विधायक ग्यारसीलाल रावत का टिकट काट दिया है। उम्मीद के मुताबिक। पहली लिस्ट में 18 महिलाओं को टिकट दिया था। दूसरी लिस्ट में 11 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। खास बात यह है कि अकेले सागर जिले में ही चार सीट महिलाओं को थमाई हैं। रहली में मंत्री गोपाल भागर्व व खुरई में नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह का मुकाबला महिला प्रत्याशियों से होगा। सागर में भाजपा विधायक शैलेंद्र जैन के भाई सुनील जैन की पत्नी को टिकट दिया है।

कमलनाथ ने पिछले सप्ताह मीडिया से बातचीत में कहा था कि छिंदवाड़ा की 6 सीटों की घोषणा नकुल नाथ करेंगे। इसके बाद छिंदवाड़ा में नकुलनाथ ने तीन अलग-अलग सभाओं में मंच से मौजूदा विधायकों को कांग्रेस प्रत्याशी बताया। तीनों विधायकों के अलावा बाकी चार विधायकों के नाम भी दूसरी लिस्ट में हैं। पार्टी में हर स्तर पर सर्वे कराने वाले कमलनाथ ने बता दिया कि छिंदवाड़ा में वे ही सर्वेसर्वा हैं। पार्टी की अधिकृत घोषणा से पहले ही नकुलनाथ के प्रत्याशी परिचय पर भाजपा ने सवाल उठाए थे, लेकिन इसे महत्वहीन मुद्दा मानते हैं।

अनुराग ठाकुर बोले: तुष्टीकरण से ग्रस्त है भूपेश सरकार

पीएम मोदी ने धान खरीदी के लिए राज्य को दिए 1 लाख करोड़

रायपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी के पक्ष में जो माहौल बना है, उसके पीछे का कारण है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए केंद्र की ओर से सहायता राशि दी है। एक के बाद दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट दिया है। यहां के किसानों के लिए एक लाख करोड़ से ज्यादा धान की खरीदी के लिए उपलब्ध करवाए हैं। वहीं दूसरी ओर जनता परेशान सांप्रदायिक तुष्टिकरण से परेशान हैं। ऐसा लगता है कि यहां की सरकार तुष्टीकरण से ग्रस्त है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर देशभर में कहीं भ्रष्ट सरकार है तो छत्तीसगढ़ में है। यहां की सरकार दिल्ली में बैठे अपने नेताओं के लिए एटीएम बन गई है। यहां कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ में भू-पे करो। भू-पे करो का मतलब साफ है ऑल टाइम मनी। ये सब पैसा अगर कांग्रेस को जाता है, तो छत्तीसगढ़ कांग्रेस की भ्रष्टाचार से जाता है। चाहे वो खनन माफिया हो, शराब माफिया हो, तबादला माफिया हो, इन माफियाओं से छत्तीसगढ़ की जनता मुक्ति पाना चाहती है। इसके पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रायपुर के एक होटल में भू-पे एप लॉन्च कर राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा था।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे ने जारी की प्रत्याशियों की पहली लिस्ट

रायपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली लिस्ट जारी की है। इसमें 16 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। पहले चरण में होने वाली 20 सीटों पर चुनाव के लिए जेसीसीजे ने प्रत्याशियों की घोषणा की है। जनता कांग्रेस के महामंत्री महेश देवांगन ने सूची जारी की है। इससे पहले बसपा ने 8 अगस्त को 9 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें 9 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की थी। इसके बाद 10 अक्टूबर को दूसरी सूची में 17 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा। तीसरी सूची में 4 प्रत्याशियों को मौका दिया है। इस तरह से बसपा ने अब तक 30 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतार चुकी है। भाजपा ने 17 अगस्त को 21

प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। फिर 9 अक्टूबर को 64 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की थी। इसके बाद 15 अक्टूबर को तीसरी सूची में पंडरिया सीट से भावना बोहरा को टिकट दिया था। इस तरह बीजेपी ने कुल 86 प्रत्याशियों को उतार चुकी है। कांग्रेस ने शारदीय नवरात्रि पर 15 अक्टूबर को 30 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसके बाद 18 अक्टूबर को दूसरी सूची में 53 सीटों पर प्रत्याशियों को उतारा था। इस तरह से कांग्रेस ने 83 प्रत्याशियों को चुनावी रण में उतार चुकी है। वहीं छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची 9 सितंबर और दूसरी 2 अक्टूबर को जारी की थी। पहली सूची में जहां 10 प्रत्याशियों को टिकट दिया था। वहीं दूसरी सूची में 12 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने 13 अक्टूबर को तीसरी सूची जारी की थी। इसमें 11 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा था। इस तरह से आम आदमी पार्टी अब तक कुल 33 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतार चुकी है।

छत्तीसगढ़ की कुल 90 विधानसभा सीट के लिए दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को होगा और 17 नवंबर को दूसरे चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। वहीं 3 दिसंबर को नतीजे आएंगे।

इन सीटों पर फंसा पेंच

बीजेपी ने अब तक 86 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। वहीं कांग्रेस ने 53 सीटों पर उम्मीदवारों को टिकट दिया है। 90 सीटों वाले विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी ने 4 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित नहीं किए हैं। इनमें बेमेतरा, अंबिकापुर, बेलतरा, कसडोल सीटें शामिल हैं। वहीं कांग्रेस ने 7 सीटों पर प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं।

इसमें रायपुर उत्तर, महासमुंद, सरायपाली, कसडोल, बैकुंठपुर , सिहावा और धमतरी सीट शामिल हैं। प्रत्याशियों के नाम का पेज फंसा होने की वजह से इन सीटों पर घोषणा नहीं की गई है। कांग्रेस ने एक पूर्व सांसद समेत 9 महिलाओं को टिकट दिया है।

एसआई पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एसआई, प्लाटून कमांडर, सूबेदार सहित अन्य पदों पर होने वाली भर्तियों का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट ने नियुक्ति और पोस्टिंग आदेश जारी करने के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति लेने के लिए कहा है। आयोग से अनुमति मिलने के बाद चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश मिल जाएगा। वहीं भर्ती में अनियमितता को लेकर अलग-अलग 721 याचिकाएं दायर की गई हैं। दरअसल, राज्य सरकार ने साल 2018 में एसआई, प्लाटून कमांडर सहित 975 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की थी। इस बीच विभिन्न चरणों में भर्ती के लिए एग्जाम लिए गए, जिसमें शारीरिक दक्षता परीक्षा, एंट्रेस एग्जाम और मुख्य परीक्षा मई 2023 में आयोजित की गई, जिसके बाद सितंबर में साक्षात्कार के बाद चयन सूची जारी की गई थी।

भर्ती में अनियमितता को लेकर प्रतियोगियों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की। इन पर सुनवाई चल रही है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की आपत्ति के बाद परीक्षण कराकर बंद कराने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद राज्य शासन की तरफ से बंद लिफाफे में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। हालांकि, हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग को इनकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक पुलिस भर्ती प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल की ओर से भारी अनियमितता बरती जा रही है। कोर्ट के भर्ती पर रोक लगाने से इनकार के बाद भी देरी से परेशान होकर चयनित उम्मीदवारों ने हस्तक्षेप याचिका दायर की। इसमें बताया कि भर्ती की सभी प्रक्रिया पूरी हो गई है और मेरिट लिस्ट भी जारी कर दी गई है।

शराब घोटाले के सिलसिले में योगेंद्र तिवारी नाम का शख्स गिरफ्तार

ईडी की कार्रवाई

योगेंद्र तिवारी

रांची, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में एक शराब घोटाला मामले के सिलसिले में एक कथित बिचौलिये को गिरफ्तार किया। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी ने राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर ओरांव के बेटे रोहित ओरांव और कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर छापे मारे थे। इसके बाद धनशोधन रोकथाम कानून के तहत योगेंद्र तिवारी नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया।

करीब 34 से 40 परिसरों में तलाशी ली

योगेंद्र तिवारी से पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। शुक्रवार या शनिवार को यहां एक विशेष अदालत में पेश किया जा सकता है। जांच एजेंसी ने इस मामले में अगस्त में छापे मारे थे और राज्य की राजधानी रांची, दुमका, देवघर और गोड्डा जिलों में करीब 34 से 40 परिसरों में तलाशी ली।

वित्त मंत्री ओरांव के परिसरों पर भी छापेमारी

ईडी ने वित्त मंत्री ओरांव के परिसरों पर भी छापे मारे। पिता और पुत्र एक ही स्थान पर रहते हैं। कुछ शराब कारोबारियों के व्यापारिक और आवासीय परिसरों में भी तलाशी ली गई। लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रामेश्वर ओरांव (76) कांग्रेस के टिकट पर जीते थे। ओरांव मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मंत्रिमंडल में वित्त, नियोजन और वाणिज्यिक कर विभाग का प्रभार संभाल रहे हैं। रामेश्वर ओरांव पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल में रह चुके हैं। वह भारतीय पुलिस सेवा के 1972 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

16 नाबालिग लड़कियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया

झारखण्ड, छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी का मामला

लातेहार, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मानव तस्करी का मामला सामने आया है। झारखण्ड और छत्तीसगढ़ से तस्करी कर ले जाए गए 17 नाबालिगों में से 16 लड़कियों को बचाया गया।

पुलिस ने गुरुवार को मामले की जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तस्करी में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने दिल्ली, चंडीगढ़, नोएडा, पानीपत और गाजियाबाद में छापेमारी की और बच्चों को बचाया, जो झारखंड के लातेहार जिले और छत्तीसगढ़ के बलरामपुर से हैं।

मामले की जानकारी देते हुए लातेहार के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने कहा, हमारी एसआईटी ने 16 लड़कियों सहित 17 नाबालिगों को बचाया। जिनकी बिचौलियों द्वारा तस्करी की गई थी और एजेंसियों द्वारा उनका शोषण किया गया था। हमने सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक जोड़े के अलावा एक एजेंसी चलाने वाला भी शामिल है।

हमारी टीम अभी भी दिल्ली में है, हम कोशिश कर रहे हैं कि और अधिक बच्चों को बचाया जा सके। झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को नाबालिगों को बचाने के लिए लातेहार पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के प्रयासों की सराहना की थी।

पुलिस ने अदालत को बताया कि मानव तस्करी के 15 अन्य पीड़ितों को भी बचाया गया है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति नवनीत कुमार की खंडपीठ एक ऐसे व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिस पर मानव तस्करी का आरोप लगाया गया है। लातेहार जिला न्यायालय से याचिका खारिज होने के बाद आरोपी ने जमानत की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। बता दें झारखंड से तस्करी करके लाई गई ग्यारह लड़कियों को मई में बेंगलुरु में बचाया गया था।

करोड़ों रुपये और भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

कबीरधाम, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में पहले चरण में चुनाव होने है। इस जिले में दो विधानसभा हैं, जिसमें कवर्धा व पंडरिया शामिल है। जिले में आचार संहिता लागू होने के बाद से पुलिस व प्रशासन की टीम एक्शन मोड पर है। दो माह के भीतर 1.07 करोड़ रुपए, 1302.17 बल्क लीटर अवैध शराब समेत 12 वाहन जब्त किए है। विधानसभा चुनाव को लेकर एमपी-सीजी बॉर्डर पर चेक पोस्ट बनाया गया है, जहां यह टीम एक्टिव है। जिला आबकारी अधिकारी आशा सिंह ने बताया कि जिले में अवैध शराब परिवहन और बिक्री करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रहीं है।

सड़क हादसा, 4 यात्रियों की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार सुबह प्रयागराज से दुर्ग जा रही बस पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 यात्री घायल हो गए हैं। सभी घायलों को कोटा और पेंड्रा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा कोटा क्षेत्र के केंदा बंजारी घाट पर सुबह करीब 6 बजे हुआ है। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई थी। फिलहाल उसका नाम सामने नहीं आ पाया है। वहीं इलाज के दौरान 3 अन्य यात्रियों की मौत भी हुई है। हादसे में कुछ यात्री घायल हुए थे, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया गया। अन्य 3 यात्रियों की मौत किन अस्पतालों में हुई है, ये बात सामने नहीं आ पाई है। सभी के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है। बस में 50 लोग सवार थे, इनमें से अधिकतर मजदूर और तीर्थ यात्री थे, जो उत्तर प्रदेश से लौट रहे थे। घटना के बाद से बस ड्राइवर और हेल्पर फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर लिया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर वाहनों का काफी दबाव रहता है।

नाक-मुंह से अचानक आने लगा खून

अस्पताल पहुंचने से पहले असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर की हो गई मौत

पटना, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में पुलिसकर्मियों को भी समय पर सही इलाज नहीं मिल पाता है। पटना निवासी बिहार पुलिस के असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर की अररिया के फारबिसगंज थाना में पोस्टिंग थी। गुरुवार देर रात एएसआई चिरंजीवी पांडेय की तबीयत बिगड़ने लगी। नाक और मुंह से खून निकलने लगा तो सहकर्मी दौड़भाग करते हुए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। वहां कुछ समझने की स्थिति नहीं थी तो रेफर कर दिया गया। पूर्णिया रेफर किया गया और वहां पहुंचने से रास्ते में ही पांडेय की मौत हो गई। सैदानीचक निवासी चिरंजीवी पांडेय की मौत के बाद चिकित्सकों ने डेंगू के लक्षण बताए। इस जानकारी से पुलिस महकमे में सनसनी फैल गई कि डेंगू से इस तरह मौत हो रही है।

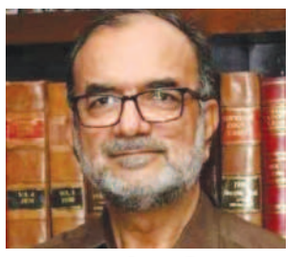

माकपा सांसद बिकास रंजन भट्टाचार्य हार्ट की समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीपीआई (एम) के राज्यसभा सदस्य और कलकत्ता हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील विकास रंजन भट्टाचार्य को दिल की समस्या के कारण दक्षिण कोलकाता के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। बेचैनी की शिकायत के बाद भट्टाचार्य को गुरुवार रात अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें पेसमेकर लगाने के लिए एक छोटी सी सर्जरी करानी पड़ी। इकहत्तर साल के भट्टाचार्य न केवल राजनीति में सक्रिय हैं, बल्कि पश्चिम बंगाल में स्कूल के लिए नौकरी के लिए नकद घोटाले से संबंधित मामलों में अग्रणी कानूनी चेहरा भी हैं, जहां वो नौकरियों से वंचित रह गए कथित योग्य उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

इसरो के गगनयान का अहम परीक्षण आज

अगर मिशन रद्द हुआ तो क्रू कैसे बचेगा

बेंगलुरु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान के अपने अगले परीक्षण की तैयारी कर रहा है, जो कि शनिवार सुबह लॉन्च होने वाला है, जिसमें अंतरिक्ष एजेंसी क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) का आकलन करेगी। यह यह प्रदर्शित करने के लिए एक टेस्ट है कि जिस मॉड्यूल में चालक दल को रखा जाएगा वह आपातकालीन स्थिति में अंतरिक्ष यान और रॉकेट के बाकी हिस्सों से अलग हो सकता है, और अंदर बैठे क्रू के सदस्य सुरक्षित रह सकें। टेस्ट फ्लाइट शनिवार सुबह 7 बजे से 9 बजे के बीच आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में होगी। टेस्ट केवल 8 मिनट तक चलेगा। इस प्रदर्शन के लिए, इसरो नव विकसित टेस्ट वीकल या रॉकेट का उपयोग करेगा, जो विशेष रूप से अंदर के उपप्रणाली या सबसिस्टम और चालक दल के बच निलकलने के सिस्टम का टेस्ट करने के लिए बनाया गया है। परीक्षण मंदी प्रणाली, दो प्रकार के पैराशूट तैनाती और अलग होने के बाद क्रू मॉड्यूल की स्ट्रक्चरल इंटिग्रिटी की जांच करेगा।

टेस्ट फ्लाइट का विवरण

क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) टेस्ट वीकल के ऊपर फिट होता है जो समुद्र में गिरने से पहले सिस्टम को अंतरिक्ष में लॉन्च करेगा। सीईएस के टेस्ट वीकल बूस्टर से अलग होने के बाद, यह थोड़ी देर के लिए नीचे पहुंचेगा। इसके बाद क्रू मॉड्यूल सिस्टम से अलग हो जाएगा। एक बार जब क्रू मॉड्यूल अलग हो जाएगा, तो यह ऊपर की ओर मुड़ जाएगा। सबसे पहले, एक जोड़ी पैराशूट खुल जाएगा, जो तेजी से आगे बढ़ने वाले मॉड्यूल को धीमा कर देगी और उसकी गति कम कर देगी। फिर बड़े मुख्य पैराशूट तैनात किए जाएंगे, जो समुद्र में गिरने से पहले गिरते क्रू मॉड्यूल को बहुत कम गति तक धीमा कर देंगे। इसके बाद क्रू मॉड्यूल को फिर से रिकवर करके उसका विश्लेषण किया जाएगा कैप्शनः ग्राफिकः सोहम सेन । दिप्रिंट, स्रोतः इसरो गगनयान की प्रगति इसरो ने मिशन को ले जाने वाले रॉकेट और मिशन अंतरिक्ष यान दोनों पर कई परीक्षण किए हैं। इसने पहले ही उन इंजनों और बूस्टर का परीक्षण कर लिया है जिनका उपयोग पूरे मिशन में विभिन्न बिंदुओं पर किया जाएगा। इसने पहले क्रू एस्केप सिस्टम, अपने सभी मोटरों का स्थैतिक परीक्षण किया है ताकि यह देखा जा सके कि सब कुछ ठीक से काम कर रहा है या नहीं। इसने क्रू मॉड्यूल के प्रणोदन, वायुमंडलीय में वापस प्रवेश करने का भी परीक्षण किया है, और ड्रोग व मुख्य पैराशूट का परीक्षण किया है जिन्हें अलग होने के बाद तैनात किया जाएगा। इसके बाद, इसरो से अपेक्षा की जाती है कि वह कुछ पैड एबॉर्ट परीक्षण करेगा, और फिर बिना चालक दल के पूर्ण परीक्षण करेगा,

इससे पहले कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतत भारतीय अंतरिक्ष यान में कक्षा में यात्रा कर सकें। इस बीच, रूस में प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, चालक दल बैंगलोर एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग फेसिलिटी में प्रशिक्षण ले रहा है। चार शॉर्टलिस्ट किए गए पुरुष वायु सेना उम्मीदवार वर्तमान में उड़ान प्रणालियों, माइक्रोग्रैविटी, अंतरिक्ष में उड़ान, चिकित्सा प्रक्रियाओं, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, फ्लाइट सूट और सिमुलेटर को समझने का प्रशिक्षण ले रहे हैं और साथ ही शारीरिक फिटनेस प्रशिक्षण भी ले रहे हैं। जब पहले इंसानों को गगनयान-1 उड़ान पर भारत से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, तो वे हिंद महासागर में उतरने से पहले, चार दिनों से एक सप्ताह तक पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे।

सीवर सफाई के दौरान मौतों पर एसी का सख्त आदेश

परिजनों को सरकारी अधिकारी दें 30 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर गंभीर रुख अपनाते हुए आज सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। जस्टिस एस।रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा, "केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए।" इस मामले में फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति भट ने कहा कि यदि सफाईकर्मी अन्य दिव्यांगता से ग्रस्त है तो अधिकारियों को 10 लाख रुपये तक का भुगतान करना होगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए, जिन्हें पढ़ा नहीं गया। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं न हों और इसके अलावा, उच्च न्यायालयों को सीवर से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से न रोका जाए। बता दें कि यह फैसला एक जनहित याचिका पर आया है। इस पर अभी विस्तृत आदेश आना बाकी है। जुलाई 2022 में लोकसभा में उद्धृत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच सालों में भारत में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान कम से कम 347 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 40 प्रतिशत मौतें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली में हुईं।

पिछले साल दिल्ली हाई कोर्ट ने भी लगाई थी फटकार

गौरतलब है कि इसी तरह के एक मामले में पिछले साल दिल्ली हाई कोर्ट ने भी दिल्ली सरकार को फटकार लगाई थी। पिछले साल सीवर के अंदर मारे गये दो लोगों के परिवारों के प्रति दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के 'सर्वथा असहानुभूति रवैये' पर खेद प्रकट करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा था, ''मेरा सिर शर्म से झुक गया है।'' हाई कोर्ट 6 अक्टूबर 2022 के उसके आदेश का पालन नहीं किये जाने के लेकर नाराज था। उस आदेश में डीडीए को मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में देने का निर्देश दिया गया था।

वकील ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बर्खास्त करने की लगाई थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने लगा दिया एक लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले कर्नाटक चुनावों में राहुल गांधी ने मोदी सरनेम को लेकर एक विवादित टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी की वजह से उन्हें अपनी लोकसभा सदस्यता गंवानी पड़ी। उन्हें इस मामले में निचली अदालत ने सजा सुनाई थी। राहुल गांधी इस सजा को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए, जहां उन्हें राहत मिली और सदस्यता बहाल हो गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने जनहित याचिका दाखिल की। इस याचिका में मांग की गई कि राहुल गांधी को सदस्यता रद्द की जाए। आज शुक्रवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई तो कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका दाखिल करने वाले वकील पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

कब अयोग्य घोषित हुए?

राहुल गांधी को 24 मार्च को लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। गुजरात के सूरत में मेट्रोपॉलिटन अदालत ने उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई थी। दरअसल 7 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने सजा पर रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद उन्होंने 15 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। 4 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने राहुल की सजा पर रोक लगा दी थी।

'मोदी सरनेम' पर क्या कहा था राहुल ने?

राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला उनके उस बयान को लेकर दर्ज किया गया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था, 'क्यों सभी चोरों का सरनेम मोदी ही होता है?' राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ बीजेपी के विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने शिकायत दर्ज कराई थी। वायनाड से लोकसभा सदस्य गांधी ने यह कथित टिप्पणी 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में की थी।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर सड़क हादसा, खाई में गिरा ट्रक, चार लोगों की मौत

जम्मू, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीनगर से राजस्थान जा रहा एक ट्रक हादसे का शिकार हो गया। हादसा जम्मू के झज्जर कोटली इलाके में हुआ। यहां जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक खाई में जा गिरा। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर से राजस्थान जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर पुल के डिवाइडर से टकरा कर खाई में जा गिरा। ट्रक के ड्राइवर और कंडक्टर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस टीम के पहुंचने पर दो अतिरिक्त शव बरामद किए गए। शवों की पहचान की जा रही है। उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

14 साल के बच्चे का अपहरण कर हुआ था मर्डर कोर्ट ने इस केस के 4 आरोपियों को किया बरी

ठाणे, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक विशेष अदालत ने बच्चे की किडनैपिंग और हत्या के चार आरोपियों को बरी कर दिया। यहां 20 लाख रुपये की फिरौती के लिए 14 साल के बच्चे का किडनैप हुआ था। उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया था। कोर्ट ने इस केस के 4 आरोपियों को यह कहते हुए बरी किया कि मामले में ठीक से कार्रवाई नहीं की गई। विशेष मकोका न्यायाधीश अमित एम शेटे ने 9 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। इसी के साथ कोर्ट ने 36 वर्षीय किशोर रमेश शिंदे, 37 वर्षीय राकेश मदनलाल लखारा, 42 वर्षीय जॉय तिमिर चौधरी और 36 वर्षीय संतोष देवेन्द्र पदचिन्ते को अपहरण और हत्या के आरोपों से बरी कर दिया। दरअसल, पुलिस से की गई शिकायत में कहा गया था कि आरोपियों ने 25 जून 2009 को डोंबिवली में स्कूल से 9वीं के छात्र यश को किडनैप कर लिया था।

इसके बाद उसके पिता से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। इसके बाद आरोपियों ने बच्चे की हत्या कर दी थी और शव बदलापुर के येवा गांव में एक पेड़ के नीचे फेंक दिया था। इस मामले में कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपियों का इकबालिया बयान उन्हें अपराध के लिए दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। आदेश में कहा गया है कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं थे।

ओडिशाः पानी से भरे बर्तन में गिरने से दो साल की बच्ची की मौत

संबलपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर जिले में पानी से भरे बर्तन में गिरने से दो साल की एक बच्ची की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। घटना रेढाखोल शहर में हुई। मृत बच्ची की पहचान रेढाखोल के विवेकानंद बेउरा की छोटी बेटी निवेदिता बेउरा के रूप में हुई है। बच्ची खेलते समय पानी से भरे बर्तन में गिर गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उस दौरान परिवार के अन्य सदस्य घर के काम में व्यस्त थे। जब माता-पिता को वह घर में नहीं मिली तो उसकी तलाश शुरू की गई। कुछ समय के बाद उन्होंने उसे पानी से भरे बर्तन में पाया। परिवार के लोग उसे रेढाखोल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एनसीसीएफ को 50 हजार करोड़ रु. के टर्नओवर का रखना चाहिए लक्ष्य : शाह

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) को वर्ष 2027-28 तक 50 हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एनसीसीएफ के निदेशक मंडल को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसीएफ को देश भर की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) और अन्य सहकारी संस्थाओं को अपना सदस्य बनाने पर जोर देना चाहिए। जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि एनसीसीएफ की अंश पूंजी में सहकारिता का अनुपात अपेक्षाकृत अधिक हो। शाह ने कहा कि एनसीसीएफ को आत्मनिर्भर सहकारी संस्था बनने के लिए अगले 10 वर्ष का एक रोडमैप बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे क्रियान्वित करने में सहकारिता मंत्रालय अपना पूर्ण सहयोग दे सकता है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने एनसीसीएफ द्वारा अपनी सहयोगी कंपनियों के साथ इथेनॉल के उत्पादन के लिए गुजरात, बिहार और अन्य राज्यों के किसानों से मक्के की खरीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। मंत्री ने कहा कि अगर एनसीसीएफ और नेफेड चाहे तो सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) से डिजिटल प्लेटफार्म पर अपना एक कॉमन ऐप तैयार करवा सकते हैं और इस कॉमन ऐप के माध्यम से सामंजस्य स्थापित कर मक्के की खरीदारी की जा सकती हैं। शाह ने एनसीसीएफ द्वारा किसानों से दलहन की खरीदारी कर निर्यात के अवसर तलाशने और इस खरीद को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने एग्रेसिव एक्सटेंशन और मार्केटिंग अपनाने, किसानों को पूर्व में आश्वासन देकर खरीद करने व कॉमन कलेक्शन सेंटर बनाए जाने पर भी ज़ोर दिया। अमित शाह ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि एनसीसीएफ प्याज एवं दालों की खरीद के लिए पैक्स के साथ संबद्ध हो सकता है, ताकि सहकारिता के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी भंडारण योजना के तहत इसके भंडारण की व्यवस्था बनाई जा सके।

दिल्ली में स्कूल के पास अज्ञात महिला का मिला शव

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली में एक स्कूल के पास एक अज्ञात महिला मृत पाई गई, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि यह हत्या का मामला प्रतीत होता है। अधिकारी के अनुसार, इलाके में एमसीडी स्कूल की दीवार के पास एक शव पड़ा होने के संबंध में तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में एक कॉल प्राप्त हुई थी।

उन्होंने कहा, शुरुआती परिस्थितियों से यह हत्या का मामला लग रहा है, इसलिए फॉरेंसिक और क्राइम टीमों को मौके पर बुलाया गया। जांच से जुड़े अधिकारी ने कहा, मौत की परिस्थितियों को समझने में मदद के लिए डीडीयू अस्पताल के डॉक्टरों को भी मौके पर बुलाया गया। अधिकारी ने कहा, स्थापित प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही जारी है और उपलब्ध जानकारी के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है।

स्वदेशी 'विरुपाक्ष' रडार से लैस किए किए जाएंगे सुखोई

30 एमकेआई लड़ाकू विमान होंगे और भी ज्यादा खतरनाक

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) अपने सुखोई विमानों के बेड. को स्वदेशी हथियार प्रणालियों और विरुपाक्ष नामक रडार से लैस करने जा रही है। सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को भारतीय वायुसेना की रीढ़ कहा जाता है। भारत के पास फिलहाल 250 से ज्यादा सुखोई विमान हैं और बहुत सारे भारतीय उपकरणों और हथियार प्रणालियों के साथ सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू बेड़े को अपग्रेड करने की योजना बनाई जा रही है। उन्नत विमान के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक स्वदेशी विरुपाक्ष रडार होगा जो जेट की क्षमता को बढ़ाएगा। विरुपाक्ष रडार को विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय वायुसेना की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है और यह दुनिया भर में उड़ाए जा रहे सभी सुखोई-30 वेरिएंट में से सबसे उन्नत होगा। बता दें कि भारतीय वायु सेना अपने उपकरणों को स्वदेशी बनाने के लिए एक मिशन मोड पर काम कर रही है और निकट भविष्य में भारतीय कंपनियों से तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के उपकरण खरीदने पर विचार कर रही है। सुखोई विमानों को विरुपाक्ष रडार से लैस करने की शुरुआती परियोजना भी 65 हजार करोड़ की है। बता दें कि एसयू-30एमकेआई एक बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है जो एस्ट्रा एमके-1 लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, ब्रह्मोस एयर लॉन्च मिसाइल और अन्य घातक हथियारों से लैस है। एसयू-30एमकेआई भारत का अग्रिम पंक्ति का विमान है और परामाणु मिसाइल दागने में भी सक्षम है। यह 4।5 पीढ़ी का विमान है जो हवा से हवा में ईंधन भरने की क्षमता रखता है। साथ ही यह विमान लंबी दूरी की गश्त और लड़ाकू मिशनों को भी अंजाम दे सकता है। इससे पहले भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके-1ए को भारतीय रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट से लैस करने का फैसला किया गया था। अभी एलसीए में इजराइली रडार का इस्तेमाल हो रहा है जिसे भारतीय रडार 'उत्तम' से बदलने की योजना है। तेजस एमके-1ए विमानों का अगली खेप 'अंगद' इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट से लैस होगी। 'उत्तम' एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार और अंगद इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है और जल्द ही इसे तेजस एमके-1ए विमान में एकीकृत किया जाएगा।

अरब सागर में कम दबाव प्रणाली चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के लिए है तैयारः आईएमडी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण-पूर्व और निकटवर्ती दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र एक अवसाद में विकसित हो गया है और 21 अक्टूबर की सुबह तक इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है। इस साल अरब सागर में यह दूसरा चक्रवाती तूफान होगा। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के नामकरण के लिए अपनाए गए फॉर्मूले के अनुसार इसे 'तेज' कहा जाएगा। आईएमडी के अनुसार, चक्रवाती तूफान के रविवार को और तेज होकर गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने और ओमान के दक्षिणी तटों और आस-पास के यमन की ओर बढ़ने की भविष्यवाणी की गई है। हालाँकि, मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि कभी-कभी, तूफान पूर्वानुमानित ट्रैक और तीव्रता से भटक सकते हैं, जैसा कि चक्रवात बिपरजॉय के मामले में देखा गया था, जो जून में अरब सागर में बना था और शुरू में भूस्खलन करने के लिए पाठ्यक्रम बदलने से पहले उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा गुजरात में मांडवी और पाकिस्तान में कराची के बीच में चला गया था। निजी पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर ने कहा कि अधिकांश मॉडल संकेत देते हैं कि तूफान यमन-ओमान तट की ओर बढ़ रहा है। हालाँकि, ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम मॉडल अरब सागर के गहरे मध्य भागों में स्थित होने पर एक पुनरावृत्ति का सुझाव देते हैं, जो सिस्टम को पाकिस्तान और गुजरात तट की ओर ले जाता है। एक चक्रवाती तूफान की विशेषता 62-88 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवा की गति होती है, जबकि इसे गंभीर चक्रवाती तूफान कहा जाता है यदि अधिकतम निरंतर हवा की गति 89-117 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाती है।

दशहरे के बाद होगी उद्धव से सीट शेयरिंग पर चर्चा, एलसीपी-शरद गुट की बैठक में क्या हुआ?

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर महाराष्ट्र में एनसीपी शरद पवार गुट ने अपनी कवायद तेज कर दी है। अजित पवार और उनके साथ के नेताओं के जाने के बाद पार्टी की जमीनी स्थिति कैसी है, इसको लेकर इस बैठक में विचार-विमर्श का दौर चला। दो दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने महाराष्ट्र की कुल 15 लोकसभा सीटों को लेकर चर्चा की। साथ ही कौन-कौन लोग टिकट के इच्छुक हैं, इन विषयों को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बताया कि इन दो दिनों में पवार साहब की अध्यक्षता में महाराष्ट्र की लोकसभा सीटों को लेकर बहुत ही गंभीर मंथन किया गया। इस दौरान 15 लोकसभा क्षेत्र से आए हुए सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने भी अपने अपने क्षेत्रों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की जमीनी पकड़ को लेकर अपनी-अपनी बातें रखीं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने दावा किया है कि एनसीपी अजित पवार गुट के कई विधायक उनसे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि उन विधायकों से रोज उनकी बातचीत होती है। हालांकि उन्होंने ये भी साफ किया कि लोकसभा सीट शेयरिंग को लेकर महाविकास आघाड़ी के घटक दलों के बीच अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अभी पार्टी के नेताओं के साथ बैठकों का दौर जारी है। दूसरी ओर उद्धव ठाकरे भी लोकसभा सीटों को लेकर समीक्षा बैठक कर रहे है। दशहरा के बाद महाविकास आघाड़ी के घटक दलों के बीच बैठक होगी, उसमें सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा की जाएगी। जयंत पाटिल ने बताया कि 3-4 अन्य लोकसभा सीटों को लेकर समीक्षा बैठक होना अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जब शरद पवार वक्त देंगे, तब उन सीटों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान यशवंतराव चव्हाण को लेकर भी सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यशवंतराव जी ने कभी भी बीजेपी के साथ जाने का विचार नहीं किया।

दलाई लामा ने चिकित्सकों की सलाह के बाद सिक्किम, कर्नाटक की यात्रा रद्द की

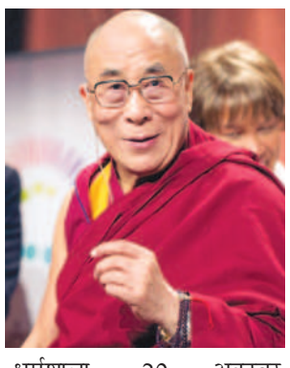

धर्मशाला, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की नवंबर-दिसंबर में होने वाली सिक्किम और कर्नाटक की यात्रा उनके स्वास्थ्य के मद्देनजर चिकित्सकों की सलाह पर रद्द कर दी गई हैं। उनके यहां स्थित कार्यालय ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में दलाई लामा को 'फ्लू' हो गया था। चिकित्सकों के अनुसार, ये यात्राएं दलाई लामा के पूरी तरह से स्वस्थ होने में बाधा डाल सकती हैं। दलाई लामा के कार्यालय ने कहा, "दलाई लामा को हाल में हुई फ्लू की बीमारी के मद्देनजर उनके निजी चिकित्सकों ने सख्त सलाह दी है कि उनके लिए कोई भी यात्रा ठीक नहीं होगी और सबसे जरूरी बात यह है कि इससे उनके पूरी तरह स्वस्थ होने में बाधा आ सकती है।" इसने कहा, 'हमने सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद नवंबर 2023 में सिक्किम की यात्रा नहीं करने का फैसला किया है। वहीं, नवंबर के दूसरे पखवाड़े से दिसंबर 2023 के मध्य तक निर्धारित धर्मगुरु की दक्षिण भारत (बायलाकुप्पे और हुनसूर) की यात्रा को भी रद्द कर दिया गया है।

वो नेता जिनके लिए पार्टी बदलना मुश्किल नहीं

चार पार्टियों से लड़ने वाली नेता बनीं विधानसभा अध्यक्ष, एकमात्र मुस्लिम चेहरा जो बीजेपी-कांग्रेस दोनों से एमएलए बना

जयपुर), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान में नेताओं के पार्टियां बदलने और पुराने बागियों के पार्टियों में फिर से शामिल होने का दौर जारी है। देवीसिंह भाटी, सुभाष महरिया, राजेंद्र सिंह गुढ़ा, धनसिंह रावत जैसे कई नाम हैं जिन्होंने हाल ही में अपनी पार्टियां बदलीं। चुनावों से पहले नेताओं का पाला बदलना आम बात है। मगर ऐसे कई नेता हैं ऐसे भी हैं जिन्होंने लगातार अपनी पार्टियां बदलीं। दो या उससे ज्यादा पार्टियों से चुनाव लड़े। कई नेता ऐसे भी हैं जो बीजेपी और कांग्रेस जैसी दोनों बड़ी पार्टियों से चुनाव लड़े और विधायक बने।

एक नेत्री तो ऐसी भी हैं जिन्होंने चार अलग-अलग पार्टियों से चुनाव लड़ा। किसी में मंत्री बनीं तो किसी में विधानसभा अध्यक्ष। इस स्टोरी में हम जानेंगे ऐसे नेताओं के बारे में जो अक्सर अपनी सहूलियत के अनुसार पार्टी बदलते नजर आए हैं...।

सुभाष महरिया बीजेपी के कद्दावर जाट नेताओं में गिने जाते हैं। महरिया ने पहला चुनाव 1998 लोकसभा का लड़ा और जीता। इसके बाद 1999 में

वे दोबारा सांसद चुने गए। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में महरिया केंद्र में ग्रामीण विकास के मंत्री बने। इसके बाद 2004 में भी महरिया ने तीसरा चुनाव जीता। साल 2010 में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य बने। फिर, महरिया ने 2013 में बीजेपी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से हारे थे। 2014 में महरिया का टिकट बीजेपी ने काट दिया था। इसके बाद महरिया ने 2014 में सीकर लोकसभा से निर्दलीय सांसद का चुनाव लड़ा मगर हार गए। 2016 में महरिया ने कांग्रेस जॉइन कर ली। महरिया को कांग्रेस ने टिकट देकर 2019 का लोकसभा चुनाव लड़वाया। यहां महरिया को दोबारा हार मिली। दोनों बार सुमेधानन्द सरस्वती ने उन्हें हराया था। हाल ही में महरिया ने एक बार फिर बीजेपी जॉइन कर ली। उनके बीजेपी में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें पहली लिस्ट में ही लक्ष्मणगढ़ से टिकट दे दिया। यहां से कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और लगातार तीन बार के विधायक गोविंद सिंह डोटासरा चुनाव लड़ते हैं।

राजेंद्र गुढ़ा : तीसरी बार बदली पार्टी

राजेंद्र गुढ़ा उन नेताओं में गिने जाते हैं जो लगातार पार्टियां बदलते रहे हैं। गुढ़ा ने 2008 में पहली बार चुनाव परिसीमन के बाद नई बनी सीट उदयपुरवाटी से बीएसपी के टिकट पर लड़ा था। साल 2008 में बीएसपी से चुनाव लड़कर जीते गुढ़ा जल्द ही कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके बाद उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया। अगला चुनाव 2013 में गुढ़ा ने कांग्रेस के टिकट पर लड़ा। मगर बीजेपी के शुभकरण चौधरी से हार गए। 2018 का चुनाव लड़ने से पहले गुढ़ा ने एक बार फिर पाला बदला और बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़कर जीत भी गए। 2018 के चुनाव परिणामों के बाद गुढ़ा सहित बीएसपी के 6 विधायकों ने कांग्रेस सरकार को समर्थन दे दिया। गुढ़ा ने एक बार फिर कांग्रेस जॉइन कर ली। इसके बदले उन्हें सरकार में मंत्री बनाया गया।

घनश्याम तिवाड़ी : बीजेपी छोड़ खुद की पार्टी बनाई, फिर कांग्रेस में शामिल हुए, अब फिर मूल पार्टी में वापसी।

घनश्याम तिवाड़ी को उन नेताओं में गिना जाता है जिन्होंने राजस्थान में भाजपा को स्थापित करने का काम किया। मगर कई दशकों तक भाजपा से जुड़े रहने के बाद तिवाड़ी ने पार्टी छोड़ दी थी। घनश्याम तिवाड़ी ने 1980 में पहली बार सीकर से विधानसभा चुनाव लड़ा। इसके बाद 6 बार विधायक रहे।

ट्रेन में झगड़े का बदला लेने चाकू से ताबड़तोड़ वार

बचाने आए दोस्त की गई जान; 10 युवकों ने किया था हमला

भिवाड़ी (अलवर), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। तीन-चार दिन पहले ट्रेन में मुनफेद और अमित के बीच मामूली कहासुनी हुई। मुनफेद ने रंजिश पाल ली। बदला लेने के लिए मुनफेद अपने साथियों के साथ पहुंचा और चाकू से अमित पर हमला कर दिया। बचाने आए अमित के दोस्त योगेंद्र की मौत हो गई।

मामला अलवर जिले के खैरथल थाना इलाके के गांव खिरचगी का है। किशनगढ़ बास डीएसपी सुरेश कुमार ने बताया- गुरुवार शाम 6 बजे मुनफेद समेत 10 लोग खिरचगी बस स्टैंड पहुंचे। वहां मौजूद अमित पर उन्होंने हमला शुरू कर दिया। अमित का दोस्त योगेंद्र वहीं मौजूद था। उसने बीच बचाव किया तो उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। अमित और योगेंद्र लहूलुहान हो गए। उन्हें खैरथल हॉस्पिटल भिजवाया गया, जहां से योगेंद्र को गंभीर हालत में अलवर रेफर कर दिया गया। अलवर में डॉक्टर

ने योगेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

रिपोर्ट दर्ज, विधायक-पूर्व विधायक मौके पर पहुंचे

अमित के पिता ग्यासाराम ने बताया कि दांतला गांव के मुनफेद का अमित के साथ कुछ दिन पहले ट्रेन में झगड़ा हुआ था। उधर, योगेंद्र के परिजनों ने शुक्रवार को खैरथल थाने में मुनफेद और उसके साथियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन कर दिया है। डीएसपी सुरेश कुमार मामले की जांच कर रहे हैं।

मामले की सूचना पर विधायक दीपचंद खैरिया और पूर्व विधायक रामहेत यादव भी खिरचगी गांव पहुंचे। भाजपा नेताओं के साथ गांव के कुछ लोग सड़क पर धरना प्रदर्शन करने बैठ गए। पुलिस ने समझाइश कर धरना दे रहे लोगों को खाली प्लॉट में शिफ्ट कराया। भाजपा नेता, मृतक योगेंद्र व अमित के परिजनों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मृतक के परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और मुआवजा की मांग की। परिजनों ने राज्यपाल के नाम एक पत्र लिखकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने, एक करोड़ रुपए के मुआवजे व सरकारी नौकरी, घायल को 25 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। साथ ही आरोपियों को गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की गई।

ट्रेन में मामूली कहासुनी के बाद मर्डर

किशनगढ़ बास डीएसपी सुरेश कुमार ने बताया- यह एक ही समुदाय के बीच झगड़े का मामला है। एक पक्ष ने झगड़े में कुछ विशेष समुदाय के लोगों को भी शामिल कर लिया। इस दौरान कुछ युवकों ने दो युवकों पर चाकू से वार कर दिया। इसमें एक की मौत हुई है, दूसरा घायल है।

सवारियों से भरी रोडवेज बस खाई में गिरी

जोगणिया माता के दर्शन करने जा रहे लोगों ने निकाला बाहर, ब्रेक फेल होने पर बिगड़ा बैलेंस

भीलवाड़ा), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मांडलगढ़-बेंगू की सीमा पर शुक्रवार सुबह यात्रियों से भरी रोडवेज बस खाई में गिर गई। अचानक ब्रेक फेल होने से ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ गया। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई। इस रास्ते से काफी संख्या में लोग जोगणिया माता के दर्शन करने जा रहे थे। उन्होंने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। तब तक बेंगू पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी अनुसार जोगणिया माता की तरफ से भीलवाड़ा डिपो की एक बस यात्रियों को लेकर मांडल की तरफ आ रही थी। इसी दौरान बेंगू व मांडलगढ़ सीमा पर बस का ब्रेक फेल हो गया और बैलेंस बिगड़ने पर तेज गति से सड़क के किनारे खाई में गिर गई। हादसे में बस में सवार प्रभुलाल पुत्र रामेश्वर ढोली की मौत हो गई है। वहीं 2 से ज्यादा यात्री घायल हुए है। हादसे की सूचना के बाद बेंगू थाना प्रभारी चंद्रशेखर मांडलगढ़ हॉस्पिटल पहुंचे है।

एक-दो दिन में घोषित होगी बीजेपी प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट

70 से 80 नाम हो सकते हैं शामिल; राजस्थान के नेता दिल्ली पहुंचे

जयपुर), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजेपी प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट एक-दो दिन में घोषित हो सकती है। आज शाम दूसरी लिस्ट के नामों पर अंतिम मुहर लग जाएगी। आज दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक प्रस्तावित है। बैठक को लेकर कल से ही प्रदेश के नेता दिल्ली में मौजूद हैं। नामों पर सहमति बनाने के लिए दो बार कोर ग्रुप की बैठक भी हो चुकी है। वहीं, आज दिनभर भी सीईसी की बैठक से पहले बैठकों का दौर जारी रहेगा। इसमें दिल्ली में राजस्थान से जुड़े केंद्रीय नेताओं के साथ प्रदेश के नेताओं की बैठकें होंगी।

दूसरी लिस्ट में होंगे 70-80 नाम

बीजेपी की दूसरी लिस्ट में करीब 70 से 80 नाम हो सकते हैं। इन नामों

पर लगभग सहमति बन चुकी है। दूसरी लिस्ट में भी बीजेपी नए चेहरों को मौका दे सकती है। 2-3 सांसद और विधानसभा चुनाव मैदान में उतारे जा सकते हैं। वहीं, लिस्ट में मौजूद विधायकों में से करीब 45 एमएलए को फिर से विधानसभा चुनाव का टिकट मिल सकता है।

तीन दिन में दो बार हुई बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक

दूसरी लिस्ट पर सर्वसम्मति बनाने के लिए पिछले तीन दिनों में दो बार बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक हो चुकी है। 17 अक्टूबर को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर प्रदेश बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। वहीं, कल केंद्रीय मंत्री और प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी के आवास पर एक बार फिर कोर ग्रुप की बैठक हुई। इसमें बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह सहित प्रदेश कोर ग्रुप में शामिल नेता मौजूद रहे। प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों में से 19 सीटें ऐसी हैं, जिसे बीजेपी ने 'डी' कैटेगरी में रखा है। इनमें से 11 सीटों पर बीजेपी पहली लिस्ट में प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। शेष 8 सीटों पर दूसरी लिस्ट में प्रत्याशी घोषित किए जा सकते हैं। इन सीटों पर बीजेपी नए चेहरे उतार सकती है, क्योंकि जिन 11 सीटों पर बीजेपी ने पहली लिस्ट में प्रत्याशी घोषित किए थे।

गैंगस्टर रोहित गोदारा ने पूर्व हिस्ट्रीशीटर से मांगे 50 लाख

फोन कर बोला- रुपए नहीं देने पर वो बच नहीं पाएगा

जयपुर), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के पूर्व हिस्ट्रीशीटर से गैंगस्टर रोहित गोदारा ने 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। इंटरनेट कॉलिंग और मैसेज के जरिए रुपए की डिमांड की गई। फोन उठाना बंद करने पर धर्म भाई को वॉट्सऐप कॉल कर धमकाया- रुपए नहीं देने पर वो बच नहीं पाएगा। पीड़ित ने बिंदायका थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया- जयपुर में पारीकों का मोहल्ला सिरसी रोड पर रहने वाले पूर्व हिस्ट्रीशीटर कमलदीप मीणा उर्फ कमल मीणा (43) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दिसंबर 2022 से गैंगस्टर रोहित गोदारा वॉट्सऐप कॉल और मैसेज कर उन्हें धमकी देता आ रहा है। पहले भी उसकी शिकायत पुलिस में कर चुका हूं। अब 23 सितंबर की शाम को इंटनरेट नंबर से वॉट्सऐप कॉल-मैसेज कर गैंगस्टर रोहित गोदारा ने जान से मारने की धमकी दी। उसके बाद से लगातार वॉट्सऐप कॉल और मैसेज कर धमकियां दे रहा है। गैंगस्टर रोहित गोदारा पहले भी क्रिमिनल गैंग बनाकर कई लोगों से रंगदारी वसूलने का काम करता रहा है। इसी कारण इंटरनेट नंबर से आने वाले वॉट्सऐप कॉल को उठाना बंद कर ब्लॉक कर दिए। 29 सितंबर की रात करीब 8 बजे गैंगस्टर रोहित गोदारा ने आमेर में रहने वाले धर्म भाई मुकेश सैन को इंटरनेट नंबर से वॉट्सऐप कॉल कर धमकाया। मुकेश के कॉल उठाने पर बोला- मैं रोहित गोदारा बोल रहा हूं। तेरा भाई कमल सिरसी काफी दिन से मेरा फोन नहीं उठा रहा है। मेरी बात करवा तो। मुकेश ने कहा- अभी वो मेरे पास नहीं है। गैंगस्टर रोहित गोदारा ने मुकेश को धमकी देते हुए कहा- बोल देना उसका अब वो नहीं बच पाएगा। उसे जान से मरवा दूंगा। कमल मीणा को कह देना मुझे 50 लाख रुपए भेज दे। उसने रुपए नहीं दिए तो मैं उसे जान से मरवा दूंगा। ध्यान रखना मेरा कोई कुछ नहीं कर सकता। पीड़ित कमलदीप मीणा ने बताया- साल 2018 में ओमप्रकाश उर्फ ओमी मीणा का मर्डर हो गया था।

बाडी दफनाने से परिजनों को रोका

दो घंटे बॉडी लेकर श्मशान घाट के बाहर बैठे रहे परिजन समझाइश पर सुलझा मामला

पाली), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाली शहर में शुक्रवार को श्मशान घाट में एक वृद्धा की बॉडी दफनाने पहुंचे परिजनों और समाज के लोगों को उस समय धक्का लगा जब उन्हें श्मशान घाट की चाबी नहीं दी गई और दूसरी जगह बॉडी दफनाने के लिए बोला। गुस्सांए लोग बॉडी लेकर श्मशान घाट के बाद ही धरने पर बैठ गए। बाद में राकेश भाटी समझाइश कर श्मशान घाट के दरवाजे की चाबी लेकर पहुंचे और लॉक खोला तब जाकर मृतका के परिजन शांत हुए और बॉडी दफनाने के लिए अंदर ले गए। घटना पाली शहर के रामदेव रोड पुलिस चौकी के पास शुक्रवार सुबह हुई। हुआ यूं कि रामदेव रोड पीठ का बास निवासी 60 साल की रूकमणी उर्फ रकुणा पत्नी भंवरलाल मेघवाल की गुरुवार शाम को जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे शुगर की मरीज थी और पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। परिजन शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे मृतका रूकमणी देवी की बॉडी लेकर रामदेव रोड पुलिस चौकी के पास स्थित हिन्दू सेवा मंडल के श्मशान घाट पहुंचे तो उन्हें वहा ताला लगा मिला। परिजनों का आरोप है कि यहां के प्रबंधक से जब उन्होंने चाबी मांगी तो उन्होंने यहां सिर्फ बच्चों के दफनाने की जगह होने की बात कहते हुए चाबी देने से इंकार कर दिया और बोला कि बॉडी कही और दफनाने ले जाओ। इससे मृतका के परिजन व समाज के लोग गुस्सा हो गए और श्मशान घाट के बाहर ही बॉडी रखकर बैठ गए। बाद में नगर परिषद पार्षद राकेश भाटी मौके पर पहुंचे। उन्होंने श्मशान घाट प्रबंधक से बात की और चाबी लेकर आए और श्मशान घाट का ताला खोला तब जाकर परिजन बॉडी लेकर अंदर जा सके। यहां करीब दो घंटे तक परिजन बॉडी लेकर बैठे रहे। मामले में राकेश भाटी ने बताया कि यह जमीन सार्वजनिक है। ऐसे में किसी को बॉडी दफनाने से मना नहीं किया जा सकता।

पिता ने बेटी से की अश्लील हरकत

मां को नींद से उठाकर बताया पापा कर रहे गंदी हरकतें, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

अजमेर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर में 11 साल की नाबालिग बेटी से अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने अपने पति के खिलाफ आदर्श नगर थाने में इसकी शिकायत दी है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आदर्श नगर थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता की मां ने शिकायत में बताया कि उसकी 11 साल की बेटी है। 6 सितंबर 2023 को रात में सोते हुए उसकी बेटी ने उसे उठाया और कहा कि उसके पापा उसके साथ गंदी हरकतें कर रहे हैं।

पीड़ित महिला ने अपने पति से बात की तो उल्टा उसका पति और घर वाले उससे ही झगड़ा करने लग गए। पीड़ित मां ने पुलिस को बताया कि दूसरे दिन जब उसने अपनी बेटी से पूरी बात पूछी तो उसने बताया कि उसके पापा उसके साथ अश्लील हरकतें कर रहे थे। इसके बाद घर में विवाद हो गया और वह अपने पीहर आ गई। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि पीहर आने के बाद उसका पति उसे फोन पर धमकियां और गाली देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही उसे जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। जिससे वह काफी परेशान है। आदर्श नगर थाना पुलिस ने पीड़ित मां की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राजस्थान में तापमान गिरा

पिलानी 11 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा शहर; 22 से पश्चिम राजस्थान में बदलेगा मौसम

जयपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पारा गिरने से सर्दी का असर बढ़ रहा है। कई शहरों में दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बीती रात पिलानी में तापमान गिरकर 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके कारण यहां सबसे ज्यादा सर्दी रही। सीकर, सिरोही, करौली, हनुमानगढ़ में भी तापमान में 16 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज हुए। मौसम विभाग का अनुमान है कि 22 अक्टूबर को पश्चिमी राजस्थान के जिलों में एक हल्का प्रभाव का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ एरिया में हल्के बादल छा सकते है और कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

कल प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 30 से लेकर 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू में भी दिन में गर्मी का असर थोड़ा कम रहा। रात में तापमान गिरने से इन शहरों में भी अब सर्दी बढ़ने लगी है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले एक सप्ताह तक राजस्थान में इसी तरह की सर्दी बने रहने की संभावना है। क्योंकि अगले एक सप्ताह तक पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल एरिया में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा और वहां बारिश, बर्फबारी नहीं होगी। बीती रात प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान 20 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज हुआ। बीकानेर, जैसलमेर को छोड़कर शेष शहरों में यही स्थिति रही। अजमेर, कोटा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, चूरू में तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इसी तरह हनुमानगढ़, करौली, सिरोही, भीलवाड़ा में तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजस्थान के पिलानी में बीती रात न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस सीजन में किसी भी शहर का सबसे कम तापमान रहा। इससे पहले सीकर में 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

कांग्रेस हड़बड़ाहट में फैसला नहीं करती

सर्वे के आधार पर जिताऊ को ही मिलेगा टिकट, दीपेंद्र हुड्डा बोले

अजमेर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी टिकट वितरण में कोई हड़बड़ाहट नहीं दिखाना चाहती उचित समय पर जल्द ही राजस्थान में कांग्रेस की पहली सूची आएगी। सर्वे के आधार पर जिताऊ उम्मीदवार को पार्टी का टिकट दिया जाएगा। ये कहना था राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा का। वो आज पूर्व केंद्रीय मंत्री और किसान नेता स्वर्गीय नाथूराम मिर्धा की जयंती पर पुष्कर की जाट विश्राम स्थली में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने पुष्कर आए थे। उन्होंने मिर्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। हुड्डा ने कहा कि मिर्धा का राजस्थान और किसान के लिए बड़ा योगदान था और उनकी जयंती पर उनके बताए मार्ग पर चलकर किसानों के उत्थान का संकल्प लिया है। विधानसभा चुनावों पर पूछे गए सवाल

पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एकजुट है और भाजपा में टिकिट वितरण को लेकर घमासान मचा हुआ है। पार्टी इस सूझबूझ से टिकट वितरण करेगी कि राजस्थान में जो लोग भाजपा को टक्कर में बता रहे हैं उनके मुंह बंद हो जाएंगे। हुड्डा ने दावा किया कि राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की सरकार बनेगी। इससे पहले आंबेडकर सर्किल पर पीसीसी उपाध्यक्ष नसीम अख्तर के नेतृत्व में हुड्डा का 51 किलो की माला से जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पीसीसी उपाध्यक्ष नसीम अख्तर, कांग्रेस नेता हाजी इंसाफ अली, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय जोशी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रूपनगढ़ अध्यक्ष जीवन राम भाकर,पूर्व पालिकाध्यक्ष कुर्डिया, दामोदर मुखिया, देवसेना विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर, बाबूलाल दगदी, पार्षद गोपाल तिलोनिया, कांग्रेस नेता मगनीराम अजमेरा, मौसम शर्मा, राजू मलिक पाराशर, पूनम चंद परसोया, प्रेमचंद बाकोलिया, ओमप्रकाश तिगाया, शैतान सिंह सांखला, जगदीश कुर्डिया, सुरभित पाराशर ,सोनू नागोरा, रोहित कच्छावा, सिद्धेश्वर शर्मा, विकास मुखिया, धर्मेंद्र मेघवाल, महेश नायक, हेमंत गुर्जर, जितेंद्र गहलोत सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

प्रियंका बोलीं- प्रधानमंत्री के लिफाफे में 21 रुपए निकले

दौसा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के कैंपेन को धार देने के लिए आईं प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को दौसा में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों और भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि जब कांग्रेस सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम लागू कर सकती है तो भाजपा इस मुद्दे पर चुप क्यों है?

प्रियंका गांधी ने कहा- मैंने टीवी पर देखा, पता नहीं सच है कि नहीं, देवनारायण जी के मंदिर में कुछ समय पहले प्रधानमंत्री गए थे और एक लिफाफा डाल आए। मैंने टीवी पर देखा कि 6 महीने

बाद प्रधानमंत्री जी की ओर से दिया लिफाफा खोला गया, जनता सोच रही थी कि भगवान जाने क्या होगा इस लिफाफे में? देश के इतने बड़े नेता आए थे, वह लिफाफा डालकर गए थे।

लिफाफा खोला तो उसमें 21 रुपए निकले। अब आप मुझे बताइए एक तरह से देश में यही हो रहा है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं हो रही हैं, मंच पर खड़े होकर कैसे-कैसे लिफाफे दिखाए जा रहे हैं। जब आप उन लिफाफों को खोलते हैं, जब चुनाव खत्म हो जाता है और बारी आती है कि काम करके दिखाओ तो कुछ नहीं होता। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना (ईआरसीपी) का जुमला भी आपको इसी तरह दिया गया था।

दौसा के सिकराय से विधायक और महिला व बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने प्रियंका गांधी का लूगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

दौसा के सिकराय से विधायक और महिला व बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने प्रियंका गांधी का लूगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

प्रो. कोदंडराम ने राहुल गांधी से मुलाकात की

राहुल ने आगामी चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करने का किया आग्रह

करीमनगर, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति पार्टी के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. एम. कोदंडराम ने आज करीमनगर के वी-पार्क होटल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। बैठक के दौरान राहुल ने प्रोफेसर एम. कोदंडराम को आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने को कहा। प्रोफेसर कोदंडराम ने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। दोनों नेताओं के बीच आगामी मूल्यांकन चुनावों के लिए दोनों पार्टियों के बीच बनने वाली समझ और सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी का मुकाबला करने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा हुई।

बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, कोदंडराम ने कहा कि तेलंगाना राज्य के लाभ के लिए, राज्य में एक राजनीतिक पुनर्गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने तेलंगाना के हित के लिए कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। गठबंधन के हिस्से के रूप में, तेलंगाना जन समिति मुधोल, येलारेड्डी, कोरुतला और जहीराबाद विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद कर रही है, जहां कांग्रेस पार्टी कमजोर है। कोदंडराम ने कहा कि टीजेएस का गठन सीएम केसीआर के तानाशाही शासन को खत्म करने के लिए किया गया था। बैठक में कांग्रेस पार्टी के नेता केसी वेणुगोपाल और रेवंत रेड्डी भी शामिल हुए।

फ्लॉप शो साबित हुए राहुल के रोड शो : सत्यवती

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रोड शो फ्लॉप शो बन गए हैं और उनकी पार्टी के नेता इस तथ्य को महसूस करते हुए हताशा में हैं कि कांग्रेस के लिए सत्ता में आना असंभव है।

शुक्रवार को यहां तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए सत्यवती राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिना परिपक्वता के बोल रहे हैं और बीआरएस सरकार और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्यों के खिलाफ निराधार टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ कीचड़ उछालने के अभियान में शामिल होने के लिए राहुल गांधी को भी जिम्मेदार ठहराया और कहा कि कांग्रेस सांसद, जो नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर हैं, को भ्रष्टाचार के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। सत्यवती ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को इस तथ्य का एहसास हो गया है कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में नहीं आएगी। हताशा के साथ, वे बीआरएस पार्टी के खिलाफ आधारहीन टिप्पणियां कर रहे हैं।

उन्होंने बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी की भी आलोचना की और कहा कि जीवन रेड्डी ने बथुकम्मा उत्सव को अपमानित करके तेलंगाना की पूरी महिलाओं का अपमान किया है।

यह कहते हुए कि एमएलसी कविता ने दुनिया भर में विभिन्न प्लेटफार्मों पर उत्सव का आयोजन करके बथुकम्मा उत्सव का गौरव बढ़ाया है, सत्यवती राठौड़ ने कहा कि कविता के खिलाफ जीवन रेड्डी की टिप्पणियां बहुत आपत्तिजनक थीं और मांग की कि कांग्रेस नेता पूरी महिलाओं से बिना शर्त माफी मांगें।

जीवन में हर वक्त विकास का अरुणोदय होता रहे : साध्वी मंगलप्रज्ञाजी

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में त्रिदिवसीय बाल संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मंगल उद्बोधन में साध्वीश्री जी ने कहा कि आज चातुर्मासकालीन एक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। हमारे संघ की नन्हीं पौध को संस्कारों का सिंचन देना हमारा महत्वपूर्ण दायित्व है। आज का सूर्योदय बालक बालिकाओं के लिए अरुणोदय के रूप में उपस्थित है। नए संकल्पों के साथ नया उत्थान करने का शुभ दिन है। मात्र ज्ञानार्जन ही बच्चों का लक्ष्य न हो, अपने व्यवहार और आचरण को सुंदर बनाएं। साध्वीश्री ने आगे कहा कि ऐसे शिविरों के आयोजन का उद्देश्य है भावी पीढ़ी सुयोग्य बने।

उज्जवल भविष्य बनाने के लिए, हौसलों को बुलंद करने के लिए आत्मविश्वास की भावना जागृत हो, व्यक्तित्व विकास की भावना जागृत हो। क्षेत्रीय संयोजक श्रीमती संगीता गोलछा ने संपूर्ण परिषद का स्वागत किया। साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी की प्रेरणा से आयोजित इस त्रिदिवसीय शिविर के प्रथम दिन साध्वी श्री राजुलप्रभाजी ने कायोत्सर्ग का प्रयोग करवाया और जीवन में त्याग की चेतना का महत्व बताया।

ट्रेनर रुचि सेठिया ने बच्चों का परिचय सत्र संभाला और मनोरंजक एक्टिविटी के माध्यम से कम्यूनिकेशन स्किल बढवाया। तेरापथ सभा सिकन्दराबाद के संरक्षक, महासभा सदस्य लक्ष्मीपत बैद ने गोयल परिवार को तेरापंथ समाज का गौरव बताया। कार्यक्रम में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबूलाल बैद, सुशील संचेती, आंचलिक संयोजक सीमा दस्साणी, आंचलिक सहसंयोजक सरोज लोढ़ा, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा, सहसंयोजक यशोदा कोठारी, सरिता नखत, कविता आच्छा, ज्ञानशाला विभाग संयोजक सुनील बोहरा व गणमान्य लोग, सभी प्रशिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

केंद्रीय सतर्कता आयोग सचिव ने किया मिधानि का दौरा

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईडीईएस सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग पी. डैनियल ने मिधानि का दौरा किया और 8टी वीआईएम, न्यू टाइटेनियम शॉप, 6000 टी फोर्ज प्रेस आदि सहित मिधानि हैदराबाद संयंत्र की आधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्हें डॉ. एस.के. झा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि द्वारा मिधानि की सुविधाओं और कार्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी गई।

संयंत्र के दौरे के बाद, पी. डैनियल ने सीवीसी परिपत्रों-2023 का एक सार-संग्रह जारी किया और मिधानि के प्रबंधन और सतर्कता विभाग द्वारा की गई सतर्कता गतिविधियों की सराहना की। कार्यक्रम में एन. गौरी शंकर राव, निदेशक (वित्त), टी. मुत्तुकुमार, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), डॉ. उपेन्द्र वेन्नम, आईपीओएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी भी उपस्थित थे। सीवीसी के सचिव श्री पी. डैनियल ने मिधानि के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ परिचर्चा की। उन्होंने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में भ्रष्टाचार को खत्म करने के तरीकों पर जोर देते हुए अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक जरूरतों को मजबूत करने के लिए मिधानि के योगदान की भी सराहना की।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी सोसायटी द्वारा अयोजित 51वां रामायण मेला के अंतर्गत गरबा डांडिया उत्सव में विजेताओं को पुरस्कार देते हुए मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी, बेगम बाजार थानेदार शंकर, प्रदर्शनी सोसायटी सचिव हनुमान टी. राव, आर्थिक समिति के उपाध्यक्ष आदित्य मार्गम, गिरधारीलाल डागा, संयोजक अनिल मिश्रा, सुमीत राठी, श्रीनिवास लोया, मनोज जायसवाल, सुरेंद्र रेड्डी, पवन मिश्रा, जुगल सोनी एवं अन्य।

दशहरा शरण नवरात्रि पर पूजा-अभिषेक किया गया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दशहरा शरण नवरात्रि के अवसर पर न्यू बोइनपल्ली बापूजीनगर के श्री देवी नल्ला पोचम्मा मंदिर तथा सीताराम पुर, छठवां वार्ड स्थित श्री भवानी शिव पंचायती हनुमान मंदिर में शुक्रवार को विभिन्न पूजा-अभिषेक किये गये। पंचामृत अभिषेक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप उपस्थित थे। इस मौके पर जम्पना प्रताप ने कहा कि अगर आप भक्ति भाव से नवरात्रि के दौरान विभिन्न विशेष श्रृंगार कर देवी की पूजा करेंगे, तो देवी आपको मनवांछित मनोकामनाएं प्रदान करेंगी। कार्यक्रम में जम्पना विद्यावती, लावण्य ऋषि, प्रेम मुदिराज, अजित, जहांगीर गौड़, रामाराव, पी. शंकरैया, कृष्णा एवं अन्य ने भाग लिया।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का निर्वाचन क्षेत्रवार आवंटन : जिला कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने बताया कि जिले के दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत रैंडमाइजेशन के तहत बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और यूनिवर्सिटी सीटें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा चुनाव के तहत भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार जिले के अपर समाहर्ता दीपक तिवारी, दसारी वेणु एवं आरडीओ सुरेश के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रथम रेंडमाइजेशन प्रक्रिया संपन्न करायी गयी. शुक्रवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन का मीटिंग हॉल। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार जिले के सिरपुर एवं आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र के लिए ईवीएम एवं वीवी पैट, 25 प्रतिशत बैलेट यूनिट, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आवंटित किये जायेंगे। कंट्रोल यूनिट और 40 फीसदी वीवी पैट रिजर्व में आवंटित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि सबकुछ वीडियो पर फिल्माया जा रहा है।इस कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के अधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य लोग शामिल हुए।

डीईओ ने प्रस्तावित डीआरसी का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने शुक्रवार को आगामी विधान सभा चुनावों से पहले प्रस्तावित मतगणना केंद्रों पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सुबह 7.30 बजे से, वह जिला कलेक्टर अनुदीप, हैदराबाद पुलिस आयुक्त, संदीप शांडिल्य, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, विक्रम सिंह मान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, सात वितरण और रिसेप्शन केंद्रों (डीआरसी) का दौरा किया।

जबकि बहादुरपुरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रस्तावित डीआरसी अरोरा लीगल साइंस अकादमी में स्थित है, मलकपेट और अंबरपेट निर्वाचन क्षेत्रों के लिए केंद्र क्रमशः जीएचएमसी इंडोर स्टेडियम, अंबरपेट और राजा बहादुर वेंकटराम रेड्डी कॉलेज फॉर विमेन में हैं। यूसुफगुडा चेकपोस्ट पर कोटला विजया भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम को खैरताबाद और जुबली हिल्स दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए डीआरसी के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव है। वेस्ले कॉलेज परिसर में सीएसआईआईटी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, और प्रो. जी. रामरेड्डी सेंटर ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन को सिकंदराबाद छावनी, सनतनगर और सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्रों के लिए डीआरसी बनाने का प्रस्ताव है।

ईफ्लू परिसर में कथित हमले को लेकर विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यहां ईएफएलयू परिसर में एक महिला छात्रा पर कथित यौन उत्पीड़न को लेकर भड़के विरोध प्रदर्शन के बाद गुरुवार रात विश्वविद्यालय के कई छात्रों को हिरासत में लिया गया। जैसे ही पुलिस विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हिरासत में लेने के लिए परिसर में दाखिल हुई, प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हाथापाई शुरू हो गई। हालांकि बाद में पुलिस ने छात्रों को छोड़ दिया। छात्रों ने आरोप लगाया कि ईएफएलयू के कुलपति ने परिसर में भारी पुलिस बल बुलाया। उन्होंने कई छात्रों को पुलिस वैन में खींचकर हिरासत में लेने के अलावा धमकाया और दुर्व्यवहार किया है।

स्थानीय नेता ने जनसमस्याओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने आज गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र जामबाग डिवीजन में हिंदी नगर भरदारी, कलकत्ता स्वीट हाउस लाइन और अन्य बस्तियों का दौरा किया। इस मौके पर लोगों ने उनका ध्यान इस ओर दिलाया कि यहां जल निकासी, कच्ची मोरी और स्ट्रीट लाइट की समस्या है। इसी प्रकार, बस्ती के लोगों ने आनंद कुमार गौड़ से दशहरा उत्सव के संदर्भ में बतुकम्मा उत्सव के लिए बस्ती में कचरा और नाला को साफ करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण वहां अस्थायी तौर पर काम होगा और अभी यह कोई बजट मंजूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर एक माह पहले यह समस्या उनके ध्यान में आती तो वह यह काम करते। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में कुछ करोड़ रुपये के विकास कार्य किये गये थे।

कार्यक्रम में जामबाग डिवीजन के महासचिव जी. नंदू कुमार, आंदोलन नेता विनोद यादव, अशोक मुदिराज, विजय मुदिराज, माणिक लता, वासु, नरेश गौड़, श्रीनिवास, किशन मुदिराज और अन्य ने भाग लिया।

चकरीपुरम स्थित शिवा साई फंक्शन हॉल में श्री राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा नवरात्रि महोत्सव पर स्थापित श्री दुर्गामाताजी की पूजा-अर्चनाकर रंगारंग गरबा-डंडिया नृत्य कार्यक्रम का लाभ लेते हुए मित्र मंडल सदस्यगण व समाज बन्धु।

श्री करणीमाताजी का नवां विशाल जागरण 22 को

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी कोकापेट स्थित श्री कृष्णा गौशाला में राजपूत समाज हैदराबाद के तत्वावधान में श्री करणीमाताजी का नवां विशाल जागरण रविवार 22 अक्टूबर रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में राजपूत समाज आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति नवां विशाल जागरण का आयोजन समाज बन्धुओं व भक्तों के सान्निध्य में किया जाएगा। इसमें विश्नाराम, गोविन्दराम सुथार एंड पार्टी बालोतरा माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था सायं 7.15 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम मे पधारे अतिथियों का विशेष सम्मान समाज बन्धुओं द्वारा किया जाएगा।

जंगल विठोबा मंदिर, गौलीगुडा चमन में बी. राजेंदर, एनआर लक्ष्मण राव के नेतृत्व में पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान आशापुरी माताजी को एक लाख चूड़ियाँ अर्पित कीं और अन्नप्रसादम कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित हैं सूर्या शुक्ला, श्रीनिवास गुप्ता, बी नरसिंग राव, एस. वेंकटेश, एस. राममोहन, एम मंजुला और अन्य।

राजप्पा नगर कल्याण संघ, राजप्पा नगर, वनस्थलीपुरम में दुर्गा माता का पूजा-अर्चना करते हुए वनस्थलीपुरम एसीपी भीम रेड्डी, कांग्रेस नेता एन.के. सिंह, मंडप अध्यक्ष और पूर्वी कॉलोनी कल्याण संघ के अध्यक्ष डी. श्रवण कुमार, डी. श्रीकांत कुमार, संदीप कुमार और अन्य।

एक शाम माँ भगवती के नाम जागरण 22 को

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल काचवानी सिंगारम स्थित आर.के.एम फंक्शन हॉल मे नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर कुमावत समाज बन्धुओं के तत्वावधान में एक शाम माँ भगवती के नाम विशाल जागरण का आयोजन 22 अक्टूबर रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे संरक्षक अमरचन्द अडाणीया व अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़ ने संयुक्तरुप से बताया कि विशाल जागरण का आयोजन समाज बन्धुओं के सानिध्य में किया जाएगा।

इसमें गायकार मेघराज नागोरी एंड पार्टी भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था सायं 7.15 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का विशेष सम्मान समाज बन्धुओं द्वारा किया जाएगा।

दशहरा के उपलक्ष्य में बेगमपेट में आयोजित नवरात्रि डांडिया भव्यता से जारी है। इसमें भाग आयोजक कविता जैन, सलोनी जैन, श्री गुजराती वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी, कृपा पटेल ने डांडिया प्रेमियों का उत्साह वर्धन किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे हार्दिक इंग्लैंड से मैच के लिए लखनऊ में टीम से जुड़ेंगे

पुणे, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या न्यूजीलैंड के खिलाफ धर्मशाला में 22 अक्टूबर को होने वाले भारत के अगले मैच से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसको लेकर अपडेट जारी कर दिया है। बीसीसीआई ने हार्दिक का हेल्थ अपडेट देते हुए बताया- टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पांड्या को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के मैच के दौरान अपनी ही गेंदबाजी पर फील्डिंग करते समय बाएं टखने में चोट लग गई।

बीसीसीआई ने बताया- ऑलराउंडर को स्कैन के लिए ले जाया गया और उन्हें आराम की सलाह दी गई है। वह बीसीसीआई की मेडिकल टीम की लगातार निगरानी में रहेंगे। वह 20 अक्तूबर को टीम के साथ धर्मशाला के लिए उड़ान नहीं भरेंगे और अब सीधे लखनऊ में टीम से जुड़ेंगे जहां भारत इंग्लैंड से खेलेगा।

टीम कॉम्बिनेशन को लेकर हो सकती है परेशानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हार्दिक को बंगलूरू ले जाया जाएगा, क्योंकि उन्हें एनसीए में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। वहां इंग्लैंड के विशेषज्ञ डॉक्टर उनका इलाज करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें इंजेक्शन दिए जाएंगे। मैच में चोट लगने के बाद हार्दिक को स्कैन के लिए ले जाया गया था। बाद में वह टीम से जुड़ गए थे, लेकिन वह पूरे मैच में नहीं खेल पाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, मेडिकल टीम ने उनके टखने के स्कैन की रिपोर्ट का आकलन किया और उन्हें लगा कि इंजेक्शन लेने से वह ठीक हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, बीसीसीआई ने इंग्लैंड में एक विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली और उनकी भी यही राय थी। ऐसे में उन्हें एक मैच के लिए आराम दिया गया है। हालांकि, अब न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए टीम मैनेजमेंट को उनके रिप्लेसमेंट और टीम कॉम्बिनेशन को लेकर काफी सोच विचार करना पड़ेगा।

हार्दिक को कैसे लगी थी चोट

दरअसल, बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक ने लिटन दास के शॉट को दाएं पैर से रोकने की कोशिश की थी। इस दौरान उन्होंने अपना संतुलन खो दिया था और बाएं पैर पर गलत तरीके से लैंड कर गए। इसके बाद मैदान से उठते वक्त वह काफी दर्द में दिख रहे थे और लंगड़ा कर चल रहे थे। हार्दिक ने उठकर फिर से गेंदबाजी करने की कोशिश की, लेकिन उनसे नहीं हो पाया। ऐसे में रोहित ने बिना किसी देरी के और रिस्क न लेते हुए हार्दिक को फीजियो के साथ मैदान के बाहर भेज दिया। तब तक हार्दिक ने अपने पहले ओवर की तीन गेंद फेंकी थी।

रोहित ने मैच के बाद क्या कहा था?

चोटिल हार्दिक की जगह विश्व कप टीम में किसी ओर को शामिल किए जाने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। बांग्लादेश पर जीत के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कप्तान रोहित ने कहा था कि चोट चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, हार्दिक चोट को लेकर परेशान हैं, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। हम देखेंगे कि शुक्रवार सुबह तक उनकी हालत कैसी रहती है और फिर आगे की योजना बनाएंगे।

इस कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकता है भारत

हार्दिक पांड्या के न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलने पर शार्दुल को आराम देकर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को खिलाया जा सकता है, क्योंकि धर्मशाला की पिच तेज गेंदबाजों की मददगार होती है। वहीं, हार्दिक की जगह एक स्पेशलिस्ट बैटर यानी सूर्यकुमार यादव को मौका मिल सकता है। इस कॉम्बिनेशन में भारत के पास रोहित, शुभमन, विराट, श्रेयस, राहुल और सूर्या के रूप में छह विशेषज्ञ बल्लेबाज होंगे। वहीं, जडेजा के रूप में एक ऑलराउंडर होगा। साथ ही शमी, बुमराह और सिराज के रूप में तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाज और कुलदीप के रूप में एक विशेषज्ञ स्पिनर होगा।

हार्दिक का इस विश्व कप में प्रदर्शन

30 साल के हार्दिक के इस विश्व कप में अब तक के प्रदर्शन की बात करें, तो उन्होंने चार मैचों में पांच विकेट झटके हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 6.84 का रहा है। 34 रन देकर 2 विकेट सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। वहीं, बल्लेबाजी में उन्हें सिर्फ एक ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका मिला था। उस मैच में वह 11

विराट ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी; सचिन के 49 शतक से बस एक कदम दूर, विश्व कप में आठ साल बाद जड़ा सैकड़ा

पुणे, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश की टीमें विश्व कप के 17वें मुकाबले में पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में गुरुवार (19 अक्टूबर) को आमने-सामने हुईं। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए उसे सात विकेट से हरा दिया। भारत के लिए मैच में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने सबसे ज्यादा नाबाद 103 रन बनाए। उन्होंने 97 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। कोहली का स्ट्राइक रेट 106.19 का रहा। कोहली ने विश्व कप में पहली बार लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया है और खुशी की बात यह रही कि वह टीम के काम आ गई।

कोहली ने अपने वनडे करियर का 48वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 78वां शतक लगाया। वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर की बराबरी से अब सिर्फ एक कदम दूर हैं। तेंदुलकर के नाम 49 शतक हैं। कोहली ने विश्व कप में अपना तीसरा शतक लगाया है। उन्होंने टूर्नामेंट में आठ साल बाद सैकड़ा लगाया। विराट ने पिछली बार शतकीय पारी पाकिस्तान के खिलाफ 2015 में एडिलेड के मैदान पर खेली थी। उससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ 2011 में शतक लगाया था।

कोहली ने की धवन की बराबरी

विराट ने इस मैच में शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन की बराबरी कर ली। वह भारत के लिए वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। रोहित शर्मा इस मामले में सात शतक के साथ शीर्ष पर हैं। सचिन तेंदुलकर के छह और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के चार शतक हैं। धवन और कोहली तीन-तीन शतक के साथ चौथे क्रम पर हैं।

कोहली के पुणे में 500 रन पूरे

विराट कोहली के पुणे में वनडे मैचों में 500 रन पूरे हो गए। वह भारत के एक मैदान पर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले स्थान पर थे ही और अब दूसरे नंबर पर भी आ गए। कोहली के विशाखापट्टनम में 587 रन हैं और पुणे में अब 551 रन हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर के बंगलूरू में 534 और ग्वालियर में 529 रन हैं। तेंदुलकर के नाम कोलकाता में 496 रन हैं।

कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 26 हजार रन पूरे

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में विराट ने 77वां रन बनाते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 26 हजार रन पूरे कर लिए। वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के क्लब में शामिल हो गए। विराट ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ दिया है। सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34357 रन हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर कुमार संगकारा हैं। उनके 28016 रन हैं। वहीं, रिकी पोंटिंग 27483 रन के साथ तीसरे क्रम पर हैं। महेला जयवर्धने ने 25957 रन बनाए हैं।

विश्व कप में तीसरा 50+ रन

विराट कोहली ने इस विश्व कप में तीसरी बार 50 से ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में 85 रन की पारी खेली थी। उसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 55 रन बनाए थे। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 16 रन ही बना पाए थे।

मेसी एमएलएस में सबसे अधिक रकम पाने वाले खिलाड़ी सालाना अनुबंध से लगभग 170 करोड़ रुपये मिले

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के विश्वकप विजेता कप्तान इंटर मियामी के लियोनल मेसी मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) में सबसे अधिक वेतन पाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी को इंटर मियामी के साथ सालाना अनुबंध से लगभग 170 करोड़ रुपये (20.4 यूएस डॉलर मिलियन) मिले हैं। मेजर लीग फुटबाल (एमएलएस) खिलाड़ी संघ ने इसकी जानकारी दी। मेसी की मूल (बेसिक) तनख्वाह लगभग 99 करोड़ (12 मिलियन यूएस डॉलर) है और कुल मिलने वाली रकम करीब 170 करोड़ रुपये (20,446,667 अमेरिकी डॉलर) है। ये आंकड़े बताते हैं कि मेसी एमएलएस से कितना कमाते हैं जिसमें मार्केटिंग बोनस और एजेंट का शुल्क भी शामिल है। 36 साल के मेसी तीन अन्य एमएलएस टीमों को छोड़कर बाकी क्लब के सभी खिलाड़ियों के कुल वेतन से अधिक और ऑरलैंडो सिटी के प्रत्येक खिलाड़ी के संयुक्त वेतन से दोगुना कमाते हैं। एमएलएस में उनका कुल वेतन सबसे अधिक है। उनके बाद टोरंटो के लोरेंजो इंसिग्ने को लगभग 128 करोड़ रुपये (15.4 मिलियन यूएस डॉलर) की कुल रकम मिलती है। मेसी को लीग में सबसे नीचे काबिज ओरलैंडो सिटी के लगभग 80 करोड़ रुपये (9.6 मिलियन यूएस डॉलर) के कुल वेतन से दोगुना मिलता है। जोसेफ मार्टिनेज लगभग 37 करोड़ रुपये (4,391,667 अमेरिकी डॉलर) के साथ मियामी के दूसरे सबसे अधिक रकम पाने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं, मेसी ने कहा कि वह क्लब के शनिवार को होने वाले मुकाबले में खेलेंगे। हालांकि, क्लब ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

उस अंपायर की कहानी जिसने वाइड नहीं देकर कोहली के शतक में की मदद, विवादों से पुराना नाता

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। **वनडे विश्व** कप 2023 में भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की है। गुरुवार के दिन बांग्लादेश को हराकर भारत ने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत हासिल की। भारत की इस जीत में विराट कोहली का योगदान सबसे अहम था।

कोहली ने नाबाद 103 रन बनाए और टीम इंडिया को जीत दिलाई। हालांकि, कोहली का शतक विवादों में आ गया। जब विराट कोहली 80 रन के निजी स्कोर पर थे, तब भारत को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे। ऐसे में कोहली ने सभी रन खुद बनाने का फैसला किया। उन्होंने एक रन भागना बंद कर दिया और बड़े शॉट खेलने लगे। इस बीच बांग्लादेश के हसन महमूद ने एक वाइड गेंद भी की। ऐसे में जब कोहली 97 रन के निजी स्कोर पर पहुंचे तो भारत को जीत के लिए दो रन चाहिए थे।

बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाज नसुम अहमद ने लेग स्टंप पर गेंद की। कोहली गेंद की लाइन से हट गए और विकेटकीपर ने गेंद पकड़ी। हालांकि, अंपायर रिचर्ड कैटलबॉरो ने इसे वाइड करार नहीं दिया। अगली गेंद पर कोई रन नहीं बना, लेकिन इसके बाद कोहली ने छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई और अपना शतक भी पूरा कर लिया। हालांकि, जिस तरह से कोहली का शतक हुआ, उसमें अंपायर के फैसले का ज्यादा योगदान नहीं था। अगर अंपायर उस गेंद को वाइड भी देते तो भारत को जीत के लिए एक रन की जरूरत होती और कोहली छक्का या चौका लगाकर अपना शतक पूरा कर सकते थे।

मैच खत्म होने के बाद रिचर्ड कैटलबॉरो का निर्णय विवादों में आ गया। दरअसल, टी20 विश्व कप 2022 में ठीक ऐसी ही घटना रविचंद्रन अश्विन के साथ हुई थी। भारत को जीत के लिए आखिरी गेंद में दो रन चाहिए थे।

अश्विन स्ट्राइक पर थे और नवाज की लेग स्टंप की गेंद पर वह हट गए थे। अंपायर ने इसे वाइड करार दिया था। अब भारत को आखिरी गेंद में एक रन चाहिए था और अश्विन आसानी से यह रन बनाकर भारत को जीत दिलाई थी।

वाइड गेंद के क्या हैं नियम?

अगर गेंद लेग स्टंप और ऑफ साइड पर वाइड की पट्टी के अंदर है और ऊंचाई बल्लेबाज के सिर से ज्यादा ऊपर नहीं है तो इसे वाइड नहीं करार दिया जा सकता। अगर बल्लेबाज के शरीर में गेंद लगती है या गेंद का सामना करते समय बल्लेबाज अपनी वास्तविक स्थिति से हट जाता है तो अंपायर इसे वाइड नहीं करार देते हैं। हालांकि, अलग-अलग मौकों पर अंपायर अपने विवेक के अनुसार यह फैसला करते हैं।

पहले भी विवादों में रहे हैं रिचर्ड कैटलबॉरो

रिचर्ड कैटलबॉरो पहले क्रिकेटर रह चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अंपायर बनने का फैसला किया। साल 2009 में उन्होंने पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग की थी। यह एक टी20 मैच था। साल 2011 में वह विश्व कप के लिए आईसीसी के अंपायरों के पैनल में शामिल हो गए।

इस समय उनकी उम्र 38 साल थी और वह सबसे युवा अंपायर थे। 2013 में वह आईसीसी एलीट अंपायर पैनल में शामिल हुए और आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर भी बने। वह साल 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी विवादों में रहे थे। उन्होंने शुभमन गिल को विवादित कैच पर आउट करार दिया था। जबकि, गेंद जमीन पर लग रही थी। गिल ने भी सोशल मीडिया पर इसका विरोध किया था।

रिचर्ड कैटलबॉरो ने 112 टेस्ट, 155 वनडे और 51 टी20 मुकाबलों में अंपायरिंग की है। वह इंग्लैंड के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल चुके हैं। 33 मुकाबलों में उन्होंने 1258 और 21 लिस्ट ए मैचों में 290 रन बनाए।

राहुल ने विराट को लेकर किया बड़ा खुलासा, शतक के लिए एक रन नहीं लेना चाहते थे कोहली, बताया कारण

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ वर्ल्ड कप के 17वें मुकाबले में भारत ने सात विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ भारत इस टूर्नामेंट में अबतक अपने सभी मुकाबले जीतते हुए आगे बढ़ रहा है। पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन में खेले गए मुकाबले में विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलते हुए वनडे में विराट ने अपना 48वां शतक पूरा किया।

बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में कोहली अपनी पूरी पारी के दौरान सकारात्मक दिखे। मुकाबले के अंत में ऐसा लगा कि वर्ल्ड कप 2023 में अपने पहले शतक के लिए उन्होंने केएल राहुल के साथ सिंगल नहीं लिया। शतकीय पारी पूरा करने के लिए टीम इंडिया के चेज मास्टर स्ट्राइक पर ही रहे।

बांग्लादेश के खिलाफ 257 रनों का पीछा करते हुए भारत 39 ओवर में तीन विकेट खोकर 238 रन बना चुका था। इस दौरान विराट 81 और राहुल 34 रन पर नाबाद थे। दोनों ने ऐसी बल्लेबाजी की, जिसे देखकर ऐसा प्रतीत हुआ कि कोहली का शतक पूरा करना ही लक्ष्य था। बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल करने के बाद केएल राहुल ने खुद अपने और विराट के बीच मैदान पर हुई चर्चा का जिक्र करते हैं।

राहुल ने किया विराट के साथ मैदान पर हुए चर्चा का जिक्र

बांग्लादेश के खिलाफ 41.3 ओवर में जीत हासिल करने के बाद केएल राहुल ने विराट के साथ चर्चा का खुलासा करते हुए बताया की विराट सिंगल नहीं लेना चाहते थे। राहुल ने कहा, 'विराट ने मुझसे कहा सिंगल नहीं लेने से यह अच्छा नहीं लगेगा। यह वर्ल्ड कप का मुकाबला है। यह एक बड़ा मंच है। मुझे ऐसा नहीं दिखाना है कि मैं मील के पत्थर की तरफ बढ़ना चाहता हूं।' राहुल ने आगे कहा, 'मैंने विराट से कहा कि अभी तक जीत हासिल नहीं हुई है, लेकिन मुझे लगता है कि हम आसानी से जीत जाएंगे। अगर आप मील के पत्थर को हासिल कर सकते हो तो क्यों नहीं। आपको यह करना चाहिए। हालांकि, इसके बाद उन्होंने ऐसा किया। हमने फिर सिंगल नहीं लिया।'

बांग्लादेश के गेंदबाजों द्वारा लेग साइड पर गेंदबाजी करने और कोहली के 48वें शतक से कुछ रन दूर होने पर केएल राहुल ने कहा, 'आखिरी ओवर में ऐसा हुआ था। धीमी बाउंसर फेंकी वाइड चली गई। मेरा मतलब है वास्तव में नहीं हो सकता, इस सवाल का उत्तर देना मुश्किल है। मैंने तय किया कि मैं गेंदबाज से चुपचाप बात करूंगा, लेकिन।'

भारत को जीत की लय बरकरार रखनी है: शुभमन गिल

बांग्लादेश के खिलाफ सात विकेट से जीत हासिल करने के बाद टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि चार आसान मुकाबलों को जीतने के बाद भारत को अपनी जीत की लय बरकरार रखनी है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट से पहले तक टीम ठीक से बड़े लक्ष्यों का पीछा करने में असमर्थ हो रही थी।

धर्मशाला पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम : एयरपोर्ट पर फैंस ने ढोल-नगाड़ों से स्वागत किया

धर्मशाला, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। 22 अक्टूबर को धर्मशाला के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड कप मैच खेला जाएगा। शुक्रवार को भारतीय टीम पुणे से स्पेशल फ्लाइट में कांगड़ा एयरपोर्ट पर पहुंची। एयरपोर्ट पर फैंस अपने खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए भारी संख्या में पहुंचे थे। यहां ढोल-नगाड़ों से उनका स्वागत किया गया। कुछ फैंस तो उनके आने की खुशी में झूमते हुए दिखाई दिए। वहीं न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को ही धर्मशाला पहुंच गई थी। इस मैच को लेकर दोनों देशों के फैंस में काफी उत्साह है। इसकी मुख्य वजह दोनों टीमों को पॉइंट्स टेबल में ऊपर होना है। दोनों टीमों ने इस वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारा है। न्यूजीलैंड की टम 16 अक्तूबर 2016 को हुए विश्व कप के मैच में भारत से मिली हार का बदला लेने उतरेगी। भारत ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 44वें ओवर में ही 190 के स्कोर पर आलआउट हो गई थी। स्कोर का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 34वें ओवर में चार विकेट खोकर 194 रन बनाकर मैच में जीत हासिल की थी।

दोनों टीमों में रविवार को दोपहर 2 बजे धर्मशाला के HPCA स्टेडियम में होगा। क्रिकेट फैंस अपनी पसंदीदा टीम को धर्मशाला में अविश्वसनीय धौलाधार पहाड़ों के साथ समुद्र तल से 1457 मीटर ऊपर बने स्टेडियम में खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हो रहे हैं। धर्मशाला हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत शहर है, जहां बर्फ से ढके हिमालय के मनमोहक दृश्य और नीचे देवदार के जंगल हैं। इसे दूसरे तिब्बत के रूप में भी जाना जाता है, यह दलाई लामा और निर्वासित तिब्बती भिक्षुओं का घर है।

ICC ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट डाली है। जिसके कैप्शन में मनमोहक HPCA स्टेडियम धर्मशाला लिया गया है। शेयर किए जाने के बाद से तस्वीरों पर 12.40 लाख से अधिक लाइक और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं। एक यूजर ने लिखा कि यह दुनिया का सबसे खूबसूरत स्टेडियम है। दूसरे ने मजाक में कहा कि एकमात्र स्टेडियम जहां फैंस स्टेडियम का नहीं, बल्कि उसके बाहर का दृश्य कैद करने के लिए टिकट लेते हैं। तीसरे यूजर ने कमेंट किया कि इस दृश्य का वर्णन करने के लिए शब्दों को एक साथ नहीं रखा जा सकता है। चौथे ने कहा कि धर्मशाला एक 3D सिनेमाई अनुभव की तरह है।

2023 वर्ल्ड कप की व्यूअरशिप में 22 फीसदी का इजाफा : पहले 11 मुकाबलों में मिला 5900 करोड़ मिनट का वॉचटाइम

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप की टीवी व्यूअरशिप में इजाफा हुआ है। यह डाटा वर्ल्ड कप 2023 के ऑफिशियल स्पॉन्सर स्टार स्पोर्ट्स ने दिया। स्टार स्पोर्ट्स के मुताबिक शुरुआती 11 मैचों में कुल 5900 करोड़ मिनट का वाचटाइम मिला है। 2019 के मुकाबले यह 22 परसेंट ज्यादा है। टूर्नामेंट के शुरुआती 11 मैचों के 268 मिलियन दर्शकों ने टीवी पर लाइव देखा, इनमें 96 मिलियन युवा (22-40 साल के) शामिल हैं। यह 2019 में हुए टूर्नामेंट की तुलना में 5% ज्यादा है। टूर्नामेंट के शुरुआती 11 मैचों में सबसे ज्यादा व्यूअरशिप 8 अक्टूबर को चेन्नई में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान दर्ज की गई थी। इसे 5.6 करोड़ लोगों टीवी पर लाइव देखा था। भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए वर्ल्ड कप मैच को डिज्नी प्लस हॉटस्टार यानी OTT पर रिकॉर्ड 3.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लाइव देखा था। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अब तक किसी भी क्रिकेट मैच को इतने ज्यादा लोगों ने लाइव नहीं देखा था।

वर्ल्ड कप मैचों के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास है। इसके अलावा डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं। हॉटस्टार ने 9 जून को ऐलान किया था कि यूजर्स मोबाइल ऐप पर एशिया कप और ICC मेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के सभी मैच फ्री में देख सकेंगे। हॉटस्टार अपनी व्यूअरशिप बढ़ाने के लिए मुकेश अंबानी के OTT प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा का तरीका आजमा रहा है। ऐसा करके डिज्नी+हॉटस्टार जियो सिनेमा की ग्रोथ को चैलेंज करना चाहता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.